শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 58 | गुवाहाटी | शनिवार, 23 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्यपाल ने लिया ग्रामीण विकास विभाग का जायजा पेज 3

महिला आरक्षण के लिए भाजपा पिछले तीन दशकों से थी प्रयासरत : प्रधानमंत्री पेज 4

वरुण गांधी ने अमेठी के संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस निलंबन पर... पेज 5

खालिस्तान पर हो रही सिर्फ राजनीति : मनिंदरजीत बिट्टा पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना राज्य में सफल

2072.67 करोड़ रुपए में 85.04 फीसदी आवास

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा और आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल के नेतृत्व में असम का प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) कार्यक्रम उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। 22 सितंबर तक इस दूरदर्शी पहल ने प्रभावशाली 551 विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी दे दी है, जो 1,72,544 आवास इकाइयों के लिए हरी झंडी का संकेत है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 1,64,367 घर अब तक बन चुके हैं। केंद्रीय हिस्सा 1526.52 करोड़ और राज्य का हिस्सा रु. 546.15 करोड़ रुपए का सावधानीपूर्वक निवेश किया गया है, और उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) भारत सरकार और असम सरकार को कर्तव्यपूर्वक प्रस्तुत किए गए हैं। कुल 2072.67 करोड़ रुपए खर्च किये गए हैं। क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना (सीएलएसएस) के तहत कुल मिलाकर 3,466 लाभार्थियों को कुल ब्याज सब्सिडी स्वीकृत और जारी की गई है। संक्षेप में, असम की प्रधानमंत्री आवास योजना - सभी के लिए आवास - शहरी आशा, प्रगति और सामुदायिक सशक्तिकरण का प्रतीक है। ये मील के पत्थर, उपलब्धियां और सर्वोत्तम प्रथाएं जीवन को बदलने और -शेष पृष्ठ दो पर

सनातन धर्म : उदयनिधि स्टालिन को एससी का नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सनातन धर्म पर विवादित बयान देने को लेकर तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन को नोटिस जारी किया है। सनातन धर्म के विरोध में उदयनिधि और ए राजा के बयान के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यह नोटिस जारी किया है। अदालत का कहना है कि वह इस मामले को हेट स्पीच पर लंबित दूसरी याचिकाओं के साथ सुनेगी। जस्टिस जस्टिस अनिरुद्ध बोस और बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने बी जगन्नाथ की तरफ से दायर याचिका पर नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने उदयनिधि स्टालिन के साथ-साथ डीएमके सांसद ए राजा, सांसद थिरुमावलवन, सांसद सु वेंकटेशन, तमिलनाडु के डीजीपी, ग्रेटर चेन्नई पुलिस कमिश्नर, केंद्रीय गृह मंत्रालय, हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पीके शेखर बाबू, तमिलनाडु राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पीटर अल्फोंस और अन्य को भी नोटिस जारी किया है। चेन्नई के एक वकील ने याचिका दायर कर मांग की है कि तमिलनाडु में सनातन धर्म के खिलाफ हो रहे कार्यक्रमों को असंवैधानिक करार दिया जाए। उदयनिधि स्टालिन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे हैं। वे तमिलनाडु के खेल और युवा कल्याण मंत्री भी हैं। उनकी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
प्रत्यक्ष और परोक्ष साधनों के अनुमान से कार्य की परीक्षा करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

विश्वनाथ घाट असम का सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव

विश्वनाथ (विभास)/नई दिल्ली। असम के लोगों के लिए 22 सितंबर 2023 का दिन बहुत खास है और हो भी क्यों ना क्योंकि शुक्रवार को यहां के विश्वनाथ चरियाली शहर से दक्षिण की ओर स्थित विश्वनाथ घाट को पर्यटन मंत्रालय द्वारा भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के रूप में चुना गया है। ऐसे में सिर्फ शहर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए यह गर्व के क्षण हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने एक्स प्लेटफॉर्म के जरिए इस खुशखबरी की घोषणा करते हुए लिखा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि विश्वनाथ घाट को पर्यटन मंत्रालय द्वारा भारत -शेष पृष्ठ दो पर

इंडिगो विमान में मची अफरा-तफरी

गुवाहाटी/अगरतला। गुवाहाटी-अगरतला इंडिगो विमान के यात्रियों में उस वक्त भय व्याप्त हो गया जब एक यात्री ने उड़ान के दौरान विमान का आपातकालीन द्वार खोलने की कोशिश की। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने गुरुवार को बताया कि व्यक्ति की पहचान पश्चिम त्रिपुरा के जिरानिया निवासी बिस्वजीत देबथ (41) के रूप में हुई। उसे विमान उतरने के तुरंत बाद हिरासत में ले लिया गया। अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को दोपहर में करीब एक बजे एक यात्री अमार्यादित व्यवहार करने लगा। संभवत: वह नशे में था। उसने बीच हवा में आपातकालीन द्वार खोलने का प्रयास किया। अन्य यात्रियों ने तत्काल उसे रोका। -शेष पृष्ठ दो पर

श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामला सर्वेक्षण वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय (एससी) ने शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें मथुरा में जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का सर्वेक्षण करने की मांग की गई थी, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि यह पहले से मौजूद हिंदू मंदिर पर बनाया गया था या नहीं। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 10 जुलाई के फैसले को चुनौती देने वाली अपील को खारिज कर दिया, जिसने मथुरा के एक दीवानी न्यायाधीश के आदेश में कोई त्रुटि या अवैधता न पाते हुए याचिका को खारिज कर दिया था, जिन्होंने मस्जिद की प्रबंधन समिति द्वारा उठाए गए मुकदमे की विचारणीयता के मुद्दे पर पहले सुनवाई करने का फैसला किया था। ट्रस्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को -शेष पृष्ठ दो पर

मुकरोह मामला : जांच आयोग की रिपोर्ट सरकार को

गुवाहाटी। असम-मेघालय सीमा पर हुई झड़प की जांच के लिए असम सरकार द्वारा गठित एक जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस घटना में छह लोग मारे गए थे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रूमी कुमारी फुकन की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय आयोग ने असम सरकार के गृह एवं राजनीतिक विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को बुधवार को अपनी रिपोर्ट सौंपी। -शेष पृष्ठ दो पर

संविधान से पहले हमारी सनातन संस्कृति : शर्मा

आबूरोड (सिरोही) (हि.स.)। ब्रह्माकुमारी संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन में शुक्रवार को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने भाग लिया। नए युग के लिए दिव्य ज्ञान विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में डॉ. शर्मा ने कहा कि हमारा देश हजारों वर्षों से आध्यात्मिकता का केंद्र रहा है। भारत में बहुत लोग हैं जो यह मानते हैं कि भारत 15 अगस्त 1947 से शुरू हुआ है और हमारा संविधान ही भारत का मूलभूत है, लेकिन मैं समझता हूं कि भारत की सनातन सभ्यता और संस्कृति पांच हजार साल पुरानी है जो भारत का मूलभूत गौरव है। हमने जो ज्ञान ऋषि-मुनियों से सीखा है वही ज्ञान हमारे संविधान में समाहित किया है। डॉ. शर्मा ने कहा कि भारत का संविधान हमारे ही देश की शिक्षा, सभ्यता और संस्कार से प्रेरित है, जो कहता है कि हमें संविधान के आधार पर चलना चाहिए, लेकिन मैं कहता हूं कि उससे पहले हम भारत की पुरातन शिक्षा के आधार पर चलें तो अच्छा इंसान बन सकते हैं। सदाचार, सच्चाई, सद्भाव, अहिंसा, दया, प्रेम, करुणा, क्षमा और धैर्य हमारे मूल्य हैं। इनके आधार से ही व्यक्ति के चरित्र का निर्धारण किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि हमें भगवत गीता सिखाती है कि कर्म का मूल धर्म होना चाहिए। भगवत गीता हमें संन्यास लेने के लिए नहीं कहती है। गीता कहती है कि आप कर्म करो और भगवान को अर्पण करो। यही जीवन का मार्ग है। -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री से मिले अरुणाचल के मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और नारी शक्ति वंदन विधेयक को संसद के दोनों सदनों की मंजूरी दिलाने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें एक्स पर साझा करते हुए यह जानकारी दी। वहीं मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से मिलना वास्तव में सम्मान की बात है। मैंने संसद के दोनों सदनों में नारी शक्ति वंदन विधेयक के पारित होने और लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण को वास्तविक बनाने के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक परिवर्तनकारी -शेष पृष्ठ दो पर

एनडीए में जेडीएस शामिल

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाले जनता दल (सेक्युलर) ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने का फैसला किया। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले जेडीएस के इस फैसले को कर्नाटक की राजनीति में अहम माना जा रहा है क्योंकि देवेगौड़ा परिवार की यह पार्टी दक्षिण के इस राज्य में तीसरी बड़ी ताकत है। राज्य में कांग्रेस की सरकार है जबकि भाजपा विपक्ष में है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी के बीच हुई एक बैठक के बाद भाजपा नेताओं ने बताया कि जेडीएस ने एनडीए में शामिल होने का फैसला किया है। यह बैठक शाह के आवास पर हुई। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी से मुलाकात की। मुझे खुशी है कि जेडीएस ने एनडीए का हिस्सा बनने का फैसला किया है। भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा के मसले पर भारत को विशेष छूट नहीं

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा है कि कनाडा के मसले पर भारत को कोई विशेष छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने भारत को रूस और चीन से अलग करार देते हुए तदनुरूप अमेरिकी नीतियां बनाने की बात कही। कनाडाई प्रधानमंत्री द्वारा निज्जर हत्याकांड में भारत को जिम्मेदार ठहराने पर जैक सुलिवन ने कहा कि इस मामले में अमेरिका, भारत को कोई *विशेष छूट* नहीं देगा। इसे लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

हथियार सौदों में भ्रष्टाचार : चीन के रक्षा मंत्री हिरासत में

बीजिंग। चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू पिछले 3 सप्ताह से गायब हैं। वह इस बीच कहीं भी सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं। चीन की गतिविधियों पर नजर रखने वाले अमरीकी उच्च सूत्रों का मानना है। कि ली शांगफू को राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वखास्त कर दिया है। वह इस समय हिरासत में हैं। ली शांगफू पर सेना में भ्रष्टाचार के आरोपों में जांच चल रही है। विशेष रूप से सैन्य खरीद उपकरणों को लेकर घोटाले का शक है। शांगफू के करियर की शुरुआत पीएलए के मुख्य सैटेलाइट सेंटर से हुई थी इसलिए पीएलए रॉकेट फोर्स को लेकर अंदरूनी घटनाक्रम के लिए उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। इसके अलावा यूक्रेन पर हमले के बाद रूस के साथ चीन के सैन्य हार्डवेयर सौदे में भी उनका हाथ माना जा रहा है। चीन के हथियार सौदों में भ्रष्टाचार के भी आरोप हैं। राष्ट्रपति -शेष पृष्ठ दो पर

गैंडों की सुरक्षा राज्य सरकार की प्राथमिकता : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 22 सितंबर को विश्व गैंडा दिवस के अवसर पर कहा कि ये जानवर राज्य की समृद्ध जैव विविधता के प्रिय सदस्य हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि गैंडे असम की पहचान का पर्याय हैं। माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट एक्स पर सीएम शर्मा ने लिखा कि असम की पहचान का पर्याय गैंडे, राज्य की समृद्ध पशु जैव विविधता के पोषित सदस्य हैं। इस शानदार जानवर की सुरक्षा असम सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और पिछले कुछ वर्षों में, हमने इस संबंध में लगातार प्रयास किए हैं जिसके -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा में आज चुनाव हुए तो निपट जाएंगे प्रधानमंत्री ट्रूडो : सर्वे

ओटावा। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के आरोप को लेकर निशाने पर आए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार मतदाताओं के बीच अपनी लोकप्रियता खोते नजर आ रहे हैं। इप्सोस के एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 40 प्रतिशत कनाडाई कंजर्वेटिव पार्टी के विपक्षी नेता पियरे पोइलिव्रे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि यदि आज चुनाव होते हैं, तो पोइलिव्रे के कंजर्वेटिवों को 39 प्रतिशत वोट मिलेंगे। कनाडा के ग्लोबल न्यूज ने बताया कि लिबरल पार्टी का नेतृत्व करने वाले 2015 में चुने गए ट्रूडो 30 प्रतिशत वोट ही प्राप्त कर पाएंगे। सर्वेक्षण में कहा गया है कि अगर इस समय चुनाव होते हैं तो कंजर्वेटिव ट्रूडो के नेतृत्व वाली लिबरल अल्पसंख्यक व्यवस्था को हटाकर -शेष पृष्ठ दो पर

जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता का श्रेय आप सभी को : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल अधिकारियों से बातचीत की। पीएम मोदी ने अधिकारियों से कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता का श्रेय आप सभी (टीम जी-20) को जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आप में से ज्यादातर वे लोग होंगे, जिन्हें इससे पहले इतने बड़े कार्यक्रम का, इतनी बड़ी जिम्मेदारी का अवसर ही नहीं आया था। आपको आयोजन की कल्पना भी करनी थी और समस्याओं -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

विशेष सत्र : नहीं गंवाया समय, निर्धारित समय से अधिक चली सदन की कार्यवाही

नई दिल्ली। संसद का विशेष सत्र ऐतिहासिक रहा, क्योंकि इस सत्र में महिलाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण बिल पारित हुआ, जिससे भारतीय राजनीति में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ेगी। इसी बीच, एक थिंक टैंक ने बताया है कि विशेष सत्र के दौरान दोनो सदन- लोकसभा और राज्यसभा ने निर्धारित समय से अधिक काम किया है। थिंक टैंक के आंकड़ों के अनुसार, 17वीं लोकसभा में ऐसा पहली बार हुआ, जब लोकसभा ने स्थगन की वजह से अपना समय नहीं बर्बाद किया। बता दें कि 18 से 22 सितंबर के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था, जिसमें महिला आरक्षण बिल को पास किया गया। हालांकि, विशेष सत्र पांच दिनों के लिए बुलाया गया था, लेकिन इसे एक दिन पहले ही समाप्त कर दिया गया। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च ने बताया कि इन चार दिनों में लोकसभा की कार्यवाही 31 घंटे से अधिक समय तक चली, जो 22 घंटे 45 मिनट के लिए, निर्धारित थी। यानी कि लोकसभा की कार्यवाही तय समय से करीब आठ घंटे अधिक चली, जो निर्धारित समय का 137 फीसदी है। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही निर्धारित समय 21 घंटे 45 मिनट के मुकाबले 27 घंटे 44 मिनट तक चली है। यह तय समय का 128 प्रतिशत है। वहीं, राज्यसभा को सिर्फ डेढ़ घंटे के लिए स्थगित किया गया, जबकि लोकसभा में समय की कोई बर्बादी नहीं हुई। पीआरएस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में 64 प्रतिशत समय बहस पर दिया गया और 33 प्रतिशत समय विधायी कार्य पर खर्च हुए। वहीं, राज्यसभा में 51 प्रतिशत समय बहस पर और 45 प्रतिशत समय महिला आरक्षण बिल को पास करने में खर्च हुए। बता दें कि इस विशेष सत्र के दौरान दोनों सदनों से महिला आरक्षण बिल पारित किया गया। इस बिल में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। अब इस पर राष्ट्रपति की मुहर लगने का इंतजार है।

रंगिया आदर्श चिकित्सालय में रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

रंगिया (विभास)। भारत सरकार के आयुष्मान भव कार्यक्रम के संयोजन में रंगिया आदर्श चिकित्सालय प्रांगण में बुधवार को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सालय के सौजन्य से तथा रंगिया की स्वेच्छासेवी संस्था साधना के सहयोग से आयोजित इस शिविर में गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय रक्तकोष विभाग की टीम द्वारा कुल 23 यूनिट रक्तसंग्रह किया गया। जिसमें स्थानीय लोगों ने बड़े ही उत्साह के साथ स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में सभी रक्तदाताओं की प्रारंभिक जांच कर रक्त संग्रह किया गया। जिसमें गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय रक्तकोष विभाग के चिकित्सक डॉ. दीपांकर बरुआ के नेतृत्व तथा डॉ. अंकित जैन के तत्वावधान में आयी 8 चिकित्सा कर्मियों की टीम ने अपनी सेवाएं दी। आयोजकों द्वारा स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं को धन्यवाद दिया गया है। वहीं शिविर सफल आयोजन में रंगिया आदर्श चिकित्सालय की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नीलमणि कलिता और डॉ. जोनाकी कलिता सहित, उप-अधीक्षक डॉ. नवनीता बोरा, बीपीएम मंजिल बोरगोहाई और फार्मासिस्ट मोईनुल हक के अलावा स्वेच्छा सेवी संस्था साधना के सचिव ज्योतिष कलिता, सदस्य क्रमशः डॉन डेका, सफीकुल अली, दिनेश अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

गठबंधन सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेंगी महिलाएं : फौगाट

सिरसा (हिंस)। आगामी 25 सितंबर को कैथल में चौधरी देवीलाल की 110वीं जयंती के अवसर पर होने वाले जयंती समारोह में प्रदेश की लाखों महिलाएं अपने कल्याण और सुरक्षा के प्रति उदासीन रवैया रखने वाली गठबंधन सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने का संकल्प लेंगी। यह बात इनेलो की जिला महिला इकाई अध्यक्ष कृष्णा फौगाट ने कही। कृष्णा फौगाट शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि 25 सितंबर को चौधरी देवीलाल जयंती पर प्रदेशभर की लाखों महिलाएं हरी चुनरी पहनकर नाचते गाते कैथल में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगी और अपने वंदनीय नेता चौधरी देवीलाल को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करेंगी।

असम लेखिका समाज, कामरूप जिला समिति ने उद्दीपना दिवस मनाया

रंगिया (विभास)। असम लेखिका समाज, कामरूप जिला समिति ने बुधवार को शहीद कनकलता की मृत्यु वार्षिकी दिवस को उद्दीपना दिवस के रूप में मनाया। इस मौके पर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला समिति की स्थायी अध्यक्ष सविता बर्मन मजूमदार ने की। मामोनी लहकर द्वारा संचालित इस विशेष बैठक में शहीद कनकलता बरूआ को डॉ. रुनुमि दत्ता डेका द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। वहीं कार्यक्रम में अनुपमा देवी के लोकगीत, डॉ. रुनुमी दत्ता की घोषा, ब्रजेंद्र देव मवहांन शर्मा, प्रणति दास और डोली कलिता द्वारा कविता पाठ, लिली नाथ द्वारा गीत, शिक्षा अधिकारी मोइनुल हक चौधुरी द्वारा, फिल्म निर्देशक पंकज पल्लव शर्मा और अवसरप्राप्त अध्यापक पविन कलिता ने शहीद कनकलता के आदर्शों को लेकर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में मोनालिसा गोस्वामी, मेघाली डेका ने सहयोगीता की। उल्लेखनीय है कि कनकलता की पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित कविता लेखन प्रतियोगिता में डालिमी कुलाधिपति ने बाजी मारी। बैठक के अंत में सभी के मंगल कामना और प्रार्थना की गई।

प्रागज्योतिषपुर साहित्य महोत्सव- जड़ों की खोज में

गुवाहाटी (हि.स.)। शंकरदेव एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रागज्योतिषपुर साहित्य महोत्सव 29 सितंबर से 1 अक्तूबर तक गुवाहाटी में जिला पुस्तकालय सभागार और साहित्य सभा भवन में आयोजित होगा। यह समय के सबसे आशाजनक साहित्य महोत्सवों में से एक होने के लिए तैयार है। मुख्य भाषण, पैनल चर्चा, लेखक भाषण, रचनात्मक लेखन पर कार्यशाला, पुरस्कार राशि प्रश्नोत्तरी, वार्तालाप, बहुभाषी कविता सत्र, पुस्तक लॉन्च जैसे विविध कार्यक्रमों के साथ यह देश भर से कई सेलिब्रिटी लेखकों और हस्तियों को एक साथ लाएगा। चर्चा के विषय विविध और जानकारीपूर्ण हैं। कुछ विषय हैं- साहित्य के माध्यम से परंपरा की खोज, क्षेत्रीय भारतीय साहित्य, अनुवाद में खोया और पाया, समकालीन प्रकृति लेखन, सिनेमैटिक लेंस के माध्यम से असम आदि। इनमें राज्य के साथ-साथ देशभर से लेखक पैनलिस्ट के रूप में अपनी बात रखेंगे। पैनल चर्चाओं के अलावा लेखक डॉ. पंकज चतुर्वेदी, दिल्ली के प्रसिद्ध कवि, आलोचक, बच्चों के साहित्य लेखक और साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता अनुराधा शर्मा पुजारी के साथ इंटरैक्टिव सत्र भी होंगे, जिन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। नेशनल बुक ट्रस्ट के अध्यक्ष मिलिंद सुधाकर मराठे, जो स्वयं एक बहुमुखी लेखक और आलोचक हैं, उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि होंगे। जबकि पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित असम के प्रसिद्ध गोरखा लेखक लिल बहादुर छेत्री सम्मानित अतिथि होंगे। मुख्य भाषण प्रख्यात समाचार एंकर रुबिका लियाकत द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। सुवाश चंद्र शतपथी (भुवनेश्वर) और डॉ. भूषण भावे (गोवा) जैसे पुरस्कार विजेता लेखक और आलोचक प्रासंगिक विषयों और चर्चाओं पर विभिन्न सत्रों में भाषण देंगे। इसके अलावा, असम के लेखक, मीडिया और फिल्मी हस्तियां भी विभिन्न कार्यक्रमों में मॉडरेटर और वक्ता के रूप में भाग लेंगे। कक्षा 11 से पीजी स्तर तक के बच्चों के लिए हमारे इतिहास और संस्कृति पर एक पुरस्कार राशि प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया है। प्रतिष्ठित लेखक और वक्ता अतनु भट्टाचार्य स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों के लिए रचनात्मक लेखन पर एक सत्र आयोजित करेंगे। विभिन्न विधाओं की कई पुस्तकें भी लॉन्च की जाएंगी। एक और बहुत दिलचस्प कार्यक्रम बहुभाषी कविता सत्र होगा। जहां असम की विभिन्न भाषाओं जैसे असमिया, बोड़ो, कार्बी, मिसिंग, नेपाली, बंगाली, राभा, तिवा और अन्य में लिखने वाले कवि अपनी स्वरचित कविताएं सुनाने और श्रोताओं को खुश करने के लिए एक साथ आएंगे। प्रागज्योतिषपुर साहित्य महोत्सव में दो प्रतिष्ठित लेखकों को दो पुरस्कार देने की भी घोषणा की गई है। पुरस्कार दो श्रेणियों में प्रदान किए जाएंगे- एक चालीस वर्ष से अधिक आयु के प्रमुख लेखक के लिए और दूसरा चालीस वर्ष से कम आयु के उभरते लेखक के लिए। जब हम संस्कृति और परंपराओं की बात करते हैं तो लिटफेस्ट का विषय- जड़ों की खोज- महत्वपूर्ण हो जाता है। यह जरूरी है कि युवा पीढ़ी उस मूल को समझे जिसके प्रति हम अपनी निष्ठा रखते हैं। विभिन्न प्रकार की बातचीत और चर्चाओं के माध्यम से लिटफेस्ट का उद्देश्य पढ़ने, विचार साझा करने का माहौल बनाना और इस प्रकार कला या साहित्य का निर्माण करना है। जो उस सभ्यता के लिए अद्वितीय है। जिसके हम दूत हैं। यह लिटफेस्ट भारत की विविधता में एकता की महान परंपरा का सम्मान करता है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि विविधताएं मतभेद नहीं हैं, बल्कि हम सभी में निहित आध्यात्मिक और दार्शनिक एकता की अभिव्यक्ति हैं। विविधता, इंद्रधनुष के विभिन्न रंगों की तरह, एक समग्र का हिस्सा है जो अपनी इकाई में भारत है।

पृष्ठ एक का शेष

प्रधानमंत्री शहरी आवास ...

यह सुनिश्चित करने के लिए असम सरकार के समर्पण को रेखांकित करती हैं कि घर का सपना सभी के लिए वास्तविकता बन जाए। ज्ञात हो कि 25 जून, 2015 को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 तक देश भर में वंचित शहरी परिवारों को टिकाऊ आवास समाधान प्रदान करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ प्रधान मंत्री आवास योजना (शहरी) कार्यक्रम की शुरुआत की थी। एक महत्वपूर्ण विकास हुआ 10 अगस्त, 2022 को, जब केंद्रीय मंत्रिमंडल ने योजना की अवधि को 31 दिसंबर, 2024 तक बढ़ाने की मंजूरी दी।

सनातन धर्म : उदयनिधि...

पार्टी का नाम डीएमके है। दरअसल, उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की थी। उन्होंने कहा था कि कुछ चीजों का विरोध नहीं किया जा सकता, बल्कि उन्हें खत्म करना जरूरी होता है। जिस तरह हम डेंगू-मलेरिया का केवल विरोध नहीं कर सकते, बल्कि उन्हें खत्म करना भी जरूरी होता है। उसी तरह सनातन धर्म का केवल विरोध ही नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे खत्म भी करना चाहिए। चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म को लेकर जहर उगलने वाले स्टालिन को अपने बयानों पर जरा भी अफसोस नहीं है। उनका कहना है कि वे अपने बयान पर दृढ़ता से कायम हैं। इतना ही नहीं, वे सनातन को लेकर लगातार बयानबाजी कर रहे हैं। सनातन को डेंगू-मलेरिया और कोरोना वायरस बताने के बाद उन्होंने कहा कि अगर सनातन धर्म को खत्म कर दिया जाए तो छुआछूत भी खत्म हो जाएगी।

इंडिगो विमान में ...

विमान अगरतला में सुरक्षित उतरा। उन्होंने कहा कि घटना उस वक्त हुई जब विमान यहां महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डे की हवाई पट्टी से 15 मील दूर उड़ान भर रहा था। सहायक महानिरीक्षक (एआईजी), कानून व्यवस्था ज्योतिष्मान दास चौधरी ने कहा कि अन्य लोगों का जीवन खतरे में डालने की कोशिश करने के आरोप में यात्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हिरासत में लिए गए यात्री से पूछताछ की जा रही है और आगे की जांच जारी है।

श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही...

चुनौती दी थी जिसमें उसने मथुरा के दीवानी न्यायाधीश को मुकदमे के खिलाफ उठाई गई आपत्तियों पर फैसला करने से पहले कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के लिए उसके आवेदन पर फैसला करने का निर्देश देने की उसकी याचिका खारिज कर दी थी। मस्जिद की प्रबंधन समिति और उत्तर प्रदेश सुन्नी केंद्रीय वक्फ बोर्ड द्वारा दीवानी न्यायाधीश के समक्ष मुकदमे के खिलाफ आपत्तियां उठाई गई थीं। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि हमें लगता है कि हमें संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि बड़े पैमाने पर कई मुद्दे उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं। ट्रस्ट का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता गौरव भाटिया ने शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया कि निचली अदालत के मार्च के आदेश से व्यथित होकर, उन्होंने उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की, जिसने 26 मई को मामले से संबंधित सभी मुकदमों को अपने पास स्थानांतरित कर दिया। पीठ ने कहा कि वह इस तथ्य से अवगत है कि मुकदमों सहित सभी संबंधित कार्यवाही उच्च न्यायालय को स्थानांतरित कर दी गई है। हालांकि, निचली अदालत ने इस तरह के स्थानांतरण से पहले आदेश पारित किया और यह नहीं कहा जा सकता है कि उसके पास इस तरह का आदेश पारित करने का अधिकार नहीं था।

मुकरोह मामला : जांच ...

पश्चिम कार्बी आंग्लांग जिले के विवादित मुकरोह गांव में 22 नवंबर, 2022 को हुई झड़प पर रिपोर्ट की सामग्री और सिफारिशों को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया कि जांच पूरी करने की अवधि 22 सितंबर, 2023 तक दो बार बढ़ाई गई। आयोग ने वन के साथ-साथ पुलिस विभाग और विभिन्न संगठनों द्वारा पेश किए गए बड़ी संख्या में गवाहों और दस्तावेजों की जांच की। पिछले साल 22 नवंबर को विवादित स्थान पर असम के वन कर्मियों द्वारा कथित तौर पर अवैध रूप से काटी गई लकड़ी से लदे एक ट्रक को रोके जाने के बाद हिंसा हुई, जिसमें एक वन रक्षक और मेघालय के पांच ग्रामीणों सहित छह लोगों की मौत हो गई थी। मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले के मुकरोह में असम पुलिस-वन सुरक्षा बल की एक संयुक्त टीम और ग्रामीणों के बीच झड़प हुई। असम की तरफ विवादित क्षेत्र खेरोनी वन रेंज के पास मकोइलम गांव में पड़ता है। पूरा संघर्ष क्षेत्र असम और मेघालय के बीच एक विवादित सीमा स्थान के भीतर आता है, जिसने दावा किया कि हत्या उनके संबंधित क्षेत्रों में हुई थी। 24 नवंबर, 2022 को असम सरकार ने घोषणा की कि उसने घटना की परिस्थितियों की जांच के लिए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) फुकन की अध्यक्षता में जांच आयोग का गठन किया है। आयोग से मामले की जांच करने और उसके अनुसार रिपोर्ट सौंपने के लिए दो महीने का समय दिया गया था। असम और मेघालय के बीच 884.94 किलोमीटर लंबी अंतरराज्यीय सीमा से लगे 12 इलाकों में लंबे समय से विवाद है और जिस स्थान पर यह घटना हुई वह उनमें से एक है। दोनों राज्यों ने छह क्षेत्रों में विवादों को समाप्त करने की दिशा में नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में मार्च 2022 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। मेघालय को 1972 में असम से अलग कर बनाया गया था और तब से उसने असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को चुनौती दी है, जिसे असम द्वारा अपनी सीमा के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान से पहले ...

इससे ही जीवन सफल होगा। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि मानव मात्र निमित्त होता है जो करते हैं भगवान करते हैं। हमारा मूल ज्ञान यही है कि परमात्मा एक हैं और हम सभी आत्माएं हैं। हमारे गलत कर्म हमें परमात्मा से दूर कर देते हैं, लेकिन जब हम परोपकार, पुण्य कर्म करते हैं तो परमात्मा से पुनः मिल सकते हैं। सेवा से आत्मा निर्मल होती है। ब्रह्माकुमारीज में हमें आत्मा को परमात्मा से मिलाने का ज्ञान दिया जाता है। वर्ष 1937 में इस संगठन की शुरुआत की गई थी जो आज विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक संगठन बन चुका है। ये भारत की गौरवगाथा को विश्व में प्रसारित कर रहा है। महावीर स्वामी, गौतम बुद्ध, स्वामी विवेकानंद, आदि शंकराचार्य जैसे संत-महात्मा, ऋषि मानव जाति के लिए अध्यात्म की विरासत छोड़ गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संगठन लोगों में आंतरिक शांति और बदलाव लाने में जुटी है। यहां के ज्ञान और शिक्षा से लोगों में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का यह नारा साकार हो रहा है। लोगों का जीवन बदला है और सुख-शांति आई है। मैं पहली बार ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय आया हूं। यहां आकर लोगों का समर्पण भाव, शांति और पवित्रता देखकर मन पवित्र महसूस कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज की राजयोगिनी बीके शीला दीदी के मार्गदर्शन में असम में सेवाएं की जा रही हैं। गुवाहाटी में ही 25 से अधिक सेवाकेंद्रों से अध्यात्म का संदेश दिया जा रहा है। ब्रह्माकुमारीज प्रदेश सहित देश व विश्वभर में यौगिक खेती, नशामुक्ति, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण, महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारीज की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी ने कहा कि आज विश्व ने सभी क्षेत्रों में बहुत प्रगति की है, लेकिन इस प्रगति के साथ जागृति का बैलेंस नहीं है, नई सोच नहीं है तब तक परिवर्तन नहीं हो सकता है। वर्ष 1937 में ब्रह्मा बाबा को साक्षात्कार हुए और उन्होंने विश्व परिवर्तन की नींव रखी। उन्होंने सभी को ज्ञान दिया कि हम सभी आत्माएं हैं। शरीर तो एक वस्त्र है। सतयुग में हम सभी का अनादि स्वरूप होता है। मीडिया निदेशक बीके करुणा भाई ने कहा कि 1937 में हम सभी को परमात्मा द्वारा प्रजापिता ब्रह्मा के माध्यम से दिव्य ज्ञान मिला। मात्र 87 वर्ष में यह ज्ञान माताओं-बहनों ने पूरे विश्व में पहुंचा दिया। आत्मा की शिक्षा ही यहां का मुख्य आधार है। ईश्वर हम सभी के माता-पिता हैं। इस विद्यालय की सफलता का राज सहज राजयोग मेडिटेशन है। स्वागत भाषण करते हुए कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि आपका अपने घर में, परमात्मा के घर में स्वागत है। बिदर की नुपूर नृत्य अकादमी के कलाकारों ने नृत्य पेश किया। मधुरवाणी ग्रुप के कलाकारों ने गीत प्रस्तुत किया। सम्मेलन में देशभर से 50 से अधिक विधायक, सांसद, राज्यों के कैबिनेट मंत्री, शिक्षाविद और निजी कंपनियों के सीईओ, निदेशक भाग ले रहे हैं। संचालन डूंगरपुर की बीके विजया दीदी ने किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। दादी का सान्निध्य पाकर शर्मा गदगद हो गए। दादी ने सीएम का शॉल पहनाकर और परमात्मा का स्मृति चिह्न भेंटकर स्वागत किया। कुछ देर उन्होंने ज्ञान चर्चा की और दादी से कुशलक्षेम पूछी। मुख्यमंत्री ने यहां सुबह सबसे पहले गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली। पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के प्रकाश स्तंभ और गुलजार दादी की याद में बने अव्यक्त लोक पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। सौर ऊर्जा से संचालित किचन में भोजन बनने की प्रक्रिया को गहराई से जाना। सोलर थर्मल पावर प्लांट में बिजली बनने की प्रक्रिया को जाना।

एनडीए में जेडीएस ...

अध्यक्ष ने कहा कि हम तहे दिल से उनका एनडीए में स्वागत करते हैं। इससे एनडीए को और मजबूती मिलेगी। शाह ने एक पोस्ट में कहा कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता एच डी कुमारस्वामी के साथ भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए, जेडीएस ने एनडीए का हिस्सा बनने का फैसला किया है। मैं एनडीए परिवार में जेडीएस का गर्मजोशी से स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि उनका सहयोग कर्नाटक को विकास के पथ पर ले जाएगा और एक मजबूत एनडीए और एक मजबूत भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा। कुमारस्वामी ने कहा कि भाजपा के साथ गठबंधन हो गया है और सीटों के तालमेल को लेकर वार्ता जारी रहेगी। भाजपा का मानना है कि जेडीएस के साथ गठबंधन 2024 के लोकसभा चुनावों में उसका दबदबा सुनिश्चित करेगा क्योंकि क्षेत्रीय पार्टी का दक्षिण कर्नाटक में काफी प्रभाव है जहां भगवा पार्टी पारंपरिक रूप से कमजोर रही है। कुमारस्वामी 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक में भाजपा के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन पर चर्चा के लिए गुरुवार को दिल्ली पहुंचे थे। दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की चर्चा तब से सुर्खियों में थी जब भाजपा के वरिष्ठ नेता और संसदीय बोर्ड के सदस्य बी एस येदियुरप्पा ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि उनकी पार्टी आम चुनावों के लिए जेडीएस के साथ गठबंधन करेगी और जद(एस) कर्नाटक में चार लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कर्नाटक में लोकसभा की कुल 28 सीट हैं। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में इनमें से 25 सीट जीती थीं, जबकि मांड्या सीट पर उसके समर्थन से निर्दलीय उम्मीदवार सुमलता अंबरीश ने जीत हासिल की थी। कांग्रेस और जद(एस) ने एक-एक सीट जीती थी। इस साल मई में हुए 224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 135 सीटों पर जीत मिली थी जबकि उस समय सत्ता में मौजूद भाजपा के हिस्से में 66 सीट आई थी। जेडीएस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और उसे 19 सीटों से संतोष करना पड़ा था।

कनाडा के मसले ...

अमेरिका उच्च स्तर पर भारतीय अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए चिंता का विषय है। यह एक ऐसी चीज है, जिसे हम गंभीरता से लेते हैं। यह एक ऐसा मामला है जिस पर हम काम करना जारी रखेंगे और किसी देश की परवाह किए बिना हम ऐसा करेंगे। अमेरिका इस मसले पर कनाडा जैसे सहयोगियों के साथ भी नजदीक से काम करेगा, क्योंकि जांच और राजनयिक प्रक्रिया को कनाडा आगे बढ़ा रहा है। इस मामले में कनाडा से दूरी बनाने के सवाल पर सुलिवन ने कहा कि वे इस बात को मजबूती से खारिज करते हैं कि अमेरिका और कनाडा के बीच कोई मतभेद है। जो आरोप कनाडा ने लगाए हैं, उसे लेकर अमेरिका को चिंता है और अमेरिका चाहता है कि इस जांच को आगे बढ़ाया जाए और अपराधियों को जिम्मेदार ठहराया जाए। भारत, रूस और चीन को लेकर अमेरिकी रुख से जुड़े सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हर देश की अलग स्थितियां हैं। उनसे पूछा गया था कि भारत और चीन के प्रति अमेरिका का रुख अलग होता है। इस पर उन्होंने कहा कि भारत रूस नहीं है और चीन की अपनी चुनौतियां हैं, जिनसे अमेरिका अलग संदर्भों में निपटता है। जहां तक रूस की बात है तो अमेरिका ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरों से बचाने के लिए कई तरह की कार्रवाई की है। निश्चित रूप से अमेरिका अलग-अलग देशों से अलग-अलग तरीके से निपटता है, जिसके चलते मतभेद होते हैं।

हथियार सौदों में ...

शी जिनपिंग के बाद शांगफू को सरकार में एक कद्दावर नेता माना जाता है। माना जा रहा है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सी.सी.पी.) की इंटरनल सीक्रेट पुलिस उनकी जांच कर रही है। हालांकि शांग को लेकर चर्चाएं 2 सप्ताह पहले ही शुरू हो गई थीं परंतु जब वह 15 सितम्बर को महत्वपूर्ण सैन्य बैठक में भी दिखाई नहीं दिए तो इन चर्चाओं को बल मिला कि उन्हें हटाया जा रहा है। इससे पहले विदेश मंत्री क्विन गांग को भी जब उनके अवैध संबंधों के कारण हटाया गया तो वह काफी समय तक सार्वजनिक उपस्थिति से गायब रहे। द वॉल स्ट्रीट जनरल ने अपनी हालिया रिपोर्ट में एक वरिष्ठ चीनी अधिकारी के हवाले से दावा किया है कि पूर्व विदेश मंत्री क्विन गांग को अमरीका में एक महिला से अवैध संबंध रखने के लिए हटाया गया था। इन संबंधों से उस महिला को अमरीका में एक बच्चा भी हुआ। हालांकि महिला के नाम को लेकर चर्चा है कि यह महिला फीनिक्स टी.वी. की एंकर फू शिओशेन है जो कि अब काफी दिन से दिखाई नहीं दे रहीं।

प्रधानमंत्री से मिले ...

सुधार के साथ अब महिलाओं को सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्थाओं में अधिक संख्या में प्रतिनिधित्व मिलेगा। मैं महिला सशक्तीकरण की दिशा में उनके साहसिक कदम के लिए प्रधानमंत्री का आभारी हूं। पेमा ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न विकास मामलों पर प्रधानमंत्री के साथ समृद्ध चर्चा भी हुई। उनका मार्गदर्शन पाकर धन्य हूं।

गैंडों की सुरक्षा राज्य ...

परिणामस्वरूप पहली बार राज्य में गैंडों के अवैध शिकार के शून्य मामले सामने आए हैं। विश्व गैंडा दिवस हर साल 22 सितंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में गैंडों की विभिन्न प्रजातियों और व्यापक अवैध शिकार के कारण उनके सामने आने वाले आसन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। विश्व गैंडा दिवस राज्य सरकार, व्यक्तिगत पशु संरक्षणवादियों, कार्यकर्ताओं, गैर सरकारी संगठनों और संबंधित लोगों जैसे विभिन्न हितधारकों को एक साथ जुड़ने और अवैध शिकार प्रथाओं को समाप्त करने और विशिष्ट अत्यधिक संकटग्रस्त गैंडा प्रजातियों को उन्मूलन से बचाने के लिए बेहतर तरीकों की तलाश करने का एक मार्ग प्रदान करता है।

कनाडा में आज ...

बहुमत वाली सरकार बनाएंगे। कनाडा में चुनाव 2025 के अंत में होने वाले हैं। जुलाई में एक अलग सर्वेक्षण में पाया गया कि ट्रूडो 50 से अधिक वर्षों में सबसे खराब प्रधान मंत्री थे। सीटीवी न्यूज के अनुसार दिलचस्प बात यह है कि उनके पिता पियरे ट्रूडो, जो 1968 से 1979 और 1980 से 1984 तक प्रधान मंत्री रहे, कनाडाई मतदाताओं के बीच लोकप्रिय थे। सर्वेक्षण ट्रूडो के लिए एक चिंताजनक संकेत के रूप में सामने आए हैं, जिन पर खालिस्तानी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में नरम और गैर-प्रतिबद्ध होने का आरोप है, जो अक्सर इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रूप में नजरअंदाज कर देते हैं। ट्रूडो की भारत यात्रा काफी निराशाजनक रही। इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ तनावपूर्ण बैठक की। पिछले कुछ महीनों में उत्तरी अमेरिकी देश में खालिस्तानी गतिविधियों में वृद्धि के संदर्भ में, पीएम मोदी ने कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल कुछ चरमपंथी समूहों पर ट्रूडो के सामने अपनी चिंता व्यक्त की। हालांकि, ट्रूडो यह कहते हुए अड़े रहे कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। यह आश्चर्य की बात नहीं थी कि जिस दिन ट्रूडो ने पीएम मोदी से मुलाकात की, ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह आयोजित किया गया था।

जी-20 शिखर सम्मेलन ...

के विषय में भी सोचना था। पीएम मोदी ने *टीम जी-20* से बात करते हुए कहा कि मेरा आप लोगों से आग्रह है कि आप जब से इस काम से जुड़े थे तब से लेकर जो-जो भी हुआ, अगर आप उसको रिकॉर्ड कर दें, लिख दें और कोई वेबसाइट तैयार करें। जिसमें आपके काम, आपके अनुभव को रिकॉर्ड किया जाए। भविष्य के कार्य के लिए इससे एक अच्छी गाइडलाइन तैयार हो सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि जी-20 का सफल आयोजन हुआ। देश का नाम रोशन हुआ। चारों तरफ से तारीफ ही तारीफ सुनने को मिल रही है। इसके पीछे जिनका पुरुषार्थ है, जिन्होंने दिन रात इसमें खपाए हैं और जिनके कारण ये सफलता प्राप्त हुई वे आप सब हैं। बता दें कि दिल्ली के भारत मंडपम में जी-20 का शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसे सफल बनाने में इन अधिकारियों ने काफी योगदान दिया। इसलिए, पीएम मोदी ने इन्हें संबोधित किया और इनके साथ डिनर करेंगे।

विश्वनाथ घाट असम...

के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव 2023 के रूप में चुना गया है। सीएम ने आगे बताया कि 31 राज्यों और 791 आवेदनों में से विश्वनाथ घाट का चयन राज्य सरकार द्वारा असम में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए बड़े प्रयासों को दर्शाता है। बता दें कि यह घाट विशाल ब्रह्मपुत्र के तट पर स्थित है। इसका नाम प्राचीन विश्वनाथ मंदिर के नाम पर रखा गया है। इसे गुप्तों के स्वर्णिम शासन के दौरान काशी की तुलना में गुप्त काशी भी कहा जाता है। घाट पर विभिन्न देवताओं के मंदिरों का समूह है। एक शिव मंदिर ब्रह्मपुत्र के साथ बृहदंगा (बुरीगोंगा) नदी के संगम पर स्थित था। उधर गुप्तकाशी विश्वनाथ घाट पर उत्सव का माहौल है क्योंकि राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अपने ट्विटर अकाउंट के माध्यम से इस खबर की घोषणा की। गुप्तकाशी विश्वनाथ घाट अब असम में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने में विशेष भूमिका निभाएगा। गुप्तकाशी विश्वनाथ घाट आज भी अहोम युग का गवाह है। गुप्तकाशी विश्वनाथ घाट पर अहोम राजाओं के कई स्मारक आज भी जीवित हैं। गुप्तकाशी विश्वनाथघाट में 27 मंदिर हैं, सबसे छोटा नदी द्वीप उमातुमनी है, दक्षिण में नाव द्वारा काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान तक पहुंचा जा सकता है, नदी द्वीप को जोड़ने के लिए रोपवे की योजना बनाई गई है, यह एक खूबसूरत गांव है जिसमें पर्यटन है, ग्रामीणों ने पर्यटन मंत्रालय को धन्यवाद दिया आज बिश्वनाथ घाट को उचित दर्जा देने के लिए।

राज्यपाल ने लिया ग्रामीण विकास विभाग का जायजा

योजनाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए जागरूकता की जरूरत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज राजभवन के सम्मेलन कक्ष में विभागीय मंत्री रंजीत कुमार दास की उपस्थिति में ग्रामीण विकास विभाग की गतिविधियों की जानकारी ली। जहां विभाग के प्रधान सचिव डॉ. जेबी एक्का ने जानकारी दी। विभाग की सभी योजनाओं की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की विस्तृत प्रस्तुति की गई। राज्यपाल ने कहा कि वे असम के 28 जिलों की यात्रा कर चुके हैं। ग्रामीण विकास की दिशा में विभाग द्वारा हासिल की गई प्रगति को देख चुके हैं। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि कुछ क्षेत्रों में योजनाओं ने अभूतपूर्व प्रगति की और अधिक सफलताएं हासिल कीं। जबकि, अन्य में सफलताएं उतनी व्यापक नहीं हैं जितनी होनी चाहिए। इसलिए, राज्यपाल ने अधिक विभागीय हस्तक्षेप की मांग की। पीएम आवास योजना के बारे में बोलते हुए राज्यपाल ने विभाग से समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित करने और लोगों के लाभ के लिए लक्ष्य हासिल करने का प्रयास करने को कहा। राज्यपाल ने विभाग से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के कल्याण के लिए लागू की जा रही योजनाओं के संबंध में समय-समय पर प्रेस वार्ता करने को भी कहा। अमृत बृक्ष आंदोलन के संबंध में, जहां राज्य ने व्यावसायिक मूल्य वाले पेड़ों

के एक करोड़ पौधे लगाने का जोरदार रिकॉर्ड बनाया। राज्यपाल ने विभाग से पौधों के बड़े होने तक कम से कम एक वर्ष तक उनकी देखभाल के लिए मनरेगा के तहत लोगों को शामिल करने को कहा। एक निश्चित ऊंचाई तक उन्होंने विभाग से एक अधिकारी तैनात करने को भी कहा जो विशेष रूप से ब्लॉक स्तर पर योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए समर्पित होगा। इसके अलावा, राज्यपाल ने विभाग से एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में पपीता, केला, एवोकैडो और अन्य नकदी फसलों जैसे बागवानी पौधों की खेती के लिए मनरेगा के तहत श्रमिकों को शामिल करने के लिए भी कहा। क्योंकि, इन फलों का बाजार मूल्य अधिक है। राज्यपाल ने विभाग से उन लाभार्थियों के बीच पीएम आवास योजना द्वारा लाए गए जीवन शैली परिवर्तन का अध्ययन करने के लिए भी कहा, जिन्हें योजना के तहत बेहतर आवास घर मिले हैं। इसकी पहुंच के संबंध में योजना के परिमाण को बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है। राज्यपाल ने विभाग से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित करने और ग्रामीणों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एसएचजी की महिला उद्यमियों की सफलता की कहानियों पर चर्चा करने को भी कहा। राज्यपाल ने विभाग से सीएसआर के माध्यम से धन जुटाने और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का भी प्रयास करने को कहा। विभाग के मंत्री रंजीत कुमार दास ने खुशी जताई और विभाग की ब्रीफिंग लेने के लिए राज्यपाल को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में विभाग ग्रामीण क्षेत्रों और वहां रहने वाले लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए तत्परता से काम कर रहा है। बैठक में राज्यपाल के आयुक्त और सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, राज्यपाल की सचिव स्वप्ना दत्ता डेका, सचिव पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग पुष्पांजलि दास, आयुक्त, पंचायत और ग्रामीण विकास जय शिवानी, मिशन निदेशक, एएसआरएलएम कृष्ण बरुवा सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

असम पुलिस के 4,807 अधिकारियों की पदोन्नति

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस के शीर्ष स्तर पर आज पदोन्नति हुई है। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने एक ट्वीट के जरिए यह जानकारी दी है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि 4807 कर्मियों को असम पुलिस में अगले उच्च रैंकों पर पदोन्नत किया गया है। जहां, आईपीएस और एपीएस के 82 अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है। वहीं, 152 डीएसपी को उच्च पदों पर पदोन्नत किया गया है। 14 एसएम एवं सीडीआई को पदोन्नत किया गया। जबकि, 131 निरीक्षकों को पदोन्नति दी गई है। 2 इंस्पेक्टर (एबी) की पदोन्नति हुई। इनके अलावा 3 सब-इंस्पेक्टरों को पदोन्नति दी गई। 333 सब-इंस्पेक्टर (एबी) पदोन्नत हुए हैं। 751 एएसआई को पदोन्नत किया गया। जबकि, 51 हेड कांस्टेबलों को पदोन्नति, 1,262 हवलदारों (एबी) को पदोन्नति,,99 एनके को पदोन्नत किया गया। साथ ही एनके (एबी) के 1,122 लोगों के प्रमोशन के साथ ही 805 एल एनके (एबी) में पदोन्नति दी गई। पदोन्नति प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों के परिवार में हर्षोल्लास का माहौल देखा जा रहा है।

आलोपति : गर्भवती महिला ने ई-रिक्शा पर जन्म दिया नवजात बच्चे को

नगरबेड़ा (विभास)। स्वास्थ्य देखभाल और सड़कों ने बरपेटा के दक्षिणी किनारे के चरक्षेत्रों के विकास की खोखली प्रकृति को फिर से उजागर कर दिया है। आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और सड़कों की कमी के कारण, बरपेटा के दक्षिणी भाग में बागबर और चेंगा निर्वाचन क्षेत्रों में कई मरीज आवश्यक चिकित्सा देखभाल से वंचित हैं और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने के लिए समय-समय पर संगी, घोड़ा गाड़ी या ई-रिस्का से ले जाना पड़ता है। हाल ही में चर आंचल के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के खोलाबांधा की एक गर्भवती महिला को कल पड़ोसी बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाले आलोपति चर लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था, जब महिला ने रास्ते में एक ई-रिक्शा में बच्चे को जन्म दिया। खोलाबांधा इलाके की रहने वाली महिला सोनिया खातून (23) को कल दोपहर प्रसव पीड़ा शुरू हुई, जिसके कारण उसके घर के पास कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं थी, इसलिए परिवार के सदस्यों ने उसे ई-रिक्शा से आलोपति चर लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने की व्यवस्था की। अस्पताल ले जाते समय

महिला ने आधे रास्ते में ई-रिक्शा में एक बच्ची को जन्म दिया। इससे महिला के शरीर से काफी खून बह गया और बच्चे के सिर में कुछ चोटें आईं। बाद में बच्चे और मां को आलोपती चर लघु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच ले जाने का आदेश दिया गया, लेकिन स्वास्थ्य केंद्र पर एकमात्र एंबुलेंस खराब होने के कारण ई-रिक्शा में लौटना पड़ा। परिवार ने कहा कि बच्चे सहित मां फिलहाल पूरी तरह स्वस्थ है। इस बीच एंबुलेंस खराब होने के कारण आज आलोपति फकीरपाड़ा की जहूरा खातून नाम की एक अन्य प्रसूता को रिक्शा से ले जाकर आलोपति चर लघु प्राथमिक अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। स्थानीय लोगों के एक वर्ग के अनुसार, पिछली बाढ़ में क्षेत्र की कई सड़कों के व्यापक क्षतिग्रस्त होने के कारण एंबुलेंस क्षेत्र के कई स्थानों पर नहीं जा पा रही हैं। सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण अलग-अलग समय पर क्षेत्र में मरीजों को लाने-ले जाने में विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा है। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से चर आंचल के स्वास्थ्य केंद्रों में जल्द से जल्द स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने और आलोपति चर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अतिरिक्त एंबुलेंस उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत की व्यवस्था करने की मांग की है।

जेमा का इलेक्ट्रिकल एक्सपो वेबसाइट का लांच

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) ने अपना सबसे बड़े प्रोजेक्ट तीन दिवसीय इलेक्ट्रॉफेस्ट 2024 को लांच किया।। जो की 3, 4 और 5 फरवरी 2024 को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष नवल किशोर सारडा ने वहां पधारे सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। सचिव साकेत राज पुगालिया ने बताया कि इलेक्ट्रॉफेस्ट पुर्वोत्तर का पहला और सबसे बड़ा एक्सपो होगा जो कि केवल विद्युतीकरण की वस्तुओं की प्रदर्शनी करेगा। एक्सपो संयोजक और सह सचिव अभिषेक केजड़ीवाल ने बताया की जेमा इस प्रदर्शनी को सफल करने के लिए किस प्रकार की तैयारी कर रही है, और भाग लेने वाली कंपनियां इससे

कैसे लाभान्वित हो सकेगी। एक्सपो मार्गदर्शक और उपाध्यक्ष गोपाल पसारी ने एक्सपो के प्रायोजकों की घोषणा कर उनको सम्मानित किया। उन्होंने एक्सपो टीम संयोजक नवीन सेठिया,अनिल दुग्गड़, अभिषेक कागलीवाल और सौरभ बोथरा के प्रयासों की भरपूर प्रशंसा की। कार्यक्रम के दूसरे भाग में जेमा की वेबसाइट का विमोचन किया गया। जिसको बनाने में संयोजक आनंद सराफ और उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह जानकारी सह सचिव अभिषेक केजरीवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

नगांव : मारवाड़ी हिंदी हाई स्कूल का 73वां स्थापना दिवस मनाया गया

नगांव (निसं)। मारवाड़ी हिंदी हाई स्कूल, हैबरगांव, नगांव का 73वां स्थापना दिवस आज धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम, आज के विशिष्ट अतिथि सुरेश कुमार टीबरीवाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता टीबरेवाल का फुलम गोमछा से अभिनन्दन किया गया। संचालन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश जाजोदिया ने स्वागत भाषण दिया तथा पूर्व प्रधानाध्यापक छोटेलाल गुप्ता ने स्कूल के इतिहास की जानकारी दी। तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि श्री टीबरेवाल ने ध्वजारोहण किया। उसके बाद जी-20 युवा मंथन का आयोजन स्कूल के छात्रों द्वारा किया गया। उसके पश्चात आयोजित स्कूल के छात्र-छात्राओं तथा शिक्षिकाओं द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगांव मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष प्रहलाद राय तोदी थे। जिन्होनें दीप प्रज्ज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि श्री तोदी का स्कूल के प्रधानाध्यापक किशोर देव ने फुलम गोमछा, संचालन समिति के अध्यक्ष

ओमप्रकाश जाजोदिया ने सेंलेंग चादर तथा उपाध्यक्ष सुनील आलमपुरीया ने स्मृति चिन्ह देकर अभिनन्दन किया। मुख्य अतिथि श्री तोदी ने सभा को सम्बोधित करते हुए स्कूल में सभी के योगदान को याद किया करते हुए स्मरण किया। 73 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर 73 छात्र - छात्राओं ने बहुत ही सुन्दर स्वागत गीत प्रस्तुत किया। छात्राओं द्वारा राजस्थानी व असामीया भाषा के गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समा बांध दी। स्कूल की शिक्षिकाओं द्वारा एक गीत मंचन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन शिक्षक व गायक कलाकार यतीन्द्र उपाध्याय ने किया। पिछले साल गुणोत्सव पर सरकार द्वारा चयनित छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर नगांव मारवाड़ी पंचायत के सचिव रतन जाजोदिया, राधेश्याम लोहिया,पत्रकार अजित महेश्वरी, राजेन्द्र मुन्दडा, सुरेन्द्र बंका, संजय मित्तल, विनोद पोद्दार, रामगोपाल जाजोदिया, सुरेश खेतावत ,जगदीश दरक, राजा पारीक उपस्थित थे। कार्यक्रम समापन पर स्कूल के प्रधानाध्यापक किशोर देव ने समापन भाषण व धन्यवाद देते हुए सभा समाप्ति की घोषणा की।

असम दूरसंचार परिमंडल में हिंदी दिवस पर पखवाड़ा का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। असम दूरसंचार परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय में 14 सितंबर से 29 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस अवसर पर बीएसएनएल के असम परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक विपुल अग्रवाल ने हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन बीएसएनएल भवन, पानबाजार में किया। इस उद्घाटन समारोह में महाप्रबंधक (प्रशासन) जीतेन्द्र बहादुर सिंह, महाप्रबंधक (कामरूप दूरसंचार जिला) सुशील कुमार चौरासीया , महाप्रबंधक (सीए) सत्येन डेका तथा सर्किल कार्यालय और कामरूप दूरसंचार जिला के कर्मचारी एवं अधिकारि गण उपस्थित थे। इस बार हिंदी पखवाड़े के दौरान प्रोत्साहन स्वरुप विभिन्न हिंदी प्रतियोगितायें कर्मचारियों व अधिकारियों के लिये आयोजित की गई है। असम सर्किल के सभी कर्मचारियों व अधिकारियों के लिये बीएसएनएल मार्केटिंग से संबंधित स्लोगन-लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। उद्घाटन समारोह में कार्यालय के महिलाओं ने एक सामूहिक गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद रमेश कुमार ने एक सुंदर कविता पाठ किया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक. महाप्रबंधक (प्रशा.), महाप्रबंधक (सीए) आदि ने वक्तव्य दिया। हिंदी पखवाड़े का उद्घाटन समारोह का संचालन श्रीमती सुमन पाल ने किया तथा में राजभाषा अधिकारी व जनसंपर्क अधिकारी सौरव बोरगोंहाई ने अपने भाषण में सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को प्रतियोगितायें में भाग लेने के लिए अनुरोध किया। श्री गोहाई ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय तौर पर महाराष्ट्र के पुणे शहर में अखिल भारतीय हिंदी दिवस के रूप में 14 और 15 सितंबर को दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था। इसके बाद हर केंद्रीय सरकारी कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा की शुरुआत की गई। इसी क्रम में असम दूरसंचार विभाग ने भी गुवाहाटी पानबाजार स्थित बीएसएनएल भवन में उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया।

रंगिया : श्री श्री बाबा रामदेव जी दशमी का आयोजन 25

रंगिया (विभास)। श्री शक्ति सेवा समिति, रंगिया द्वारा हरवर्ष की तरह इसबार भी स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में श्री श्री बाबा रामदेव जी की दशमी का आयोजन किया गया है। आगामी 25 सितंबर, सोमवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के अंतर्गत संध्या 6.30 से बाबा की पूजा अर्चना, संध्या 7.00 बजे ज्योत प्रज्वलन, इसके पश्चात बाबा की महाआरती, छप्पन भोग एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। साथ ही रात्रि 8.00 बजे से मंदिर प्रांगण स्थित गोयनका सत्संग हॉल में महाप्रसाद प्रारंभ होगा। इसके अलावा उत्सव के दौरान रात्रि 9.00 बजे से आमंत्रित कलाकार सुप्रशिद्ध गायक विकाश पारीक (सिलीगुड़ी) और तेजा पारीक (धुबड़ी) के सुमधुर गीतों एवं श्री बजरंग भजन मंडली, रंगिया के कलाकारों द्वारा भजन संध्या का आयोजन होगा। उपरोक्त जानकारी आयोजन समिति द्वारा प्राप्त हुई है।

विश्व शांति दिवस पर कविताओं का एक संग्रह *शांति की खोज* का अनावरण

रंगिया (विभास)। पिछले वर्षों की तरह इसबार भी कवि अरण्यम कश्यप के नेतृत्व में तथा भास्कर राजवंशी, भवेश कलिता, जयंत वैश्य, वैजयंती कलिता तथा दक्षिण पश्चिम अंचल के गांववासियों के सहयोग से दक्षिण पश्चिम रंगिया क्षेत्रीय हरि मंदिर प्रांगण में विश्व शांति दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्व शांति पर बच्चों की कविताओं का एक संग्रह *शांतिर दिखे एखोज* का विमोचन किया गया। कवि अरण्यम कश्यप के संकलन और संपादन में प्रस्तुत इस काव्य ग्रंथ का प्रकाशन मोहखोली निवासी तथा धार्मिक व्यक्ति नरेंद्र कलिता द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कविता लेखन प्रतियोगिता की निम्न शाखा में प्रथम पुरस्कार अनुशिका कलिता और उच्च

शाखा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार क्रमशः करवी माली, शिखांगी शर्मा और धृतिमा सरस्वती को प्राप्त हुआ। इसके अलावा इस मौके पर विश्व शांति के संदर्भ में छात्रों ने बहुत ही सुंदर व्याख्यान दिए। कार्यक्रम के दौरान जाने माने चिकित्सक प्रेरित शर्मा, रंगिया के विशिष्ट पत्रकार मोस्तफा अहमद और दिनेश अग्रवाल, सामाजिक कार्यकर्ता बिनन्द कलिता और विशिष्ट शिक्षक तपन चन्द्र कलिता ने शांति के संदर्भ में भाषण प्रदान किया तथा काव्य ग्रंथ *शांतिर दिखे एखोज* के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। आयोजक की ओर से कवि अरण्यम कश्यप ने कहा कि उनके द्वारा आगे भी इस तरह के कार्यक्रम के जरिए बच्चों तथा समाज के प्रति घनात्मक प्रभाव लाने का प्रयत्न जारी रहेगा।

विश्वनाथ : बबलू गुप्ता ने अपनी मां की याद में स्वास्थ्य विभाग को दिया एंबुलेंस

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ के एक युवक ने अपनी मां की याद में वे सरकारी तौर पर गरीब मरीजों की मदद के लिए बुधवार को एक एंबुलेंस दान की है। यह एंबुलेंस विश्वनाथ चारियाली खालपाड़ा के सुभाष चंद्र गुप्ता के पुत्र बबलू गुप्ता और मिथिलेश गुप्ता, खालपाड़ा, कमलेश्वर गुप्ता के सहयोग से दान की है। खासकर बबलू ने अपनी दिवंगत मां ललिता गुप्ता देवी को श्रद्धांजलि देते हुए एंबुलेंस दान की है। विश्वनाथ उप-मंडल स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में विश्वनाथ के संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक डॉ. योगेन चंद्र बे, जिला परियोजना प्रबंधक हरेन गोगोई, स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में एंबुलेंस को आधिकारिक तौर पर स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया गया। संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक डॉ. योगेन चंद्र बे ने एंबुलेंस प्राप्त की और विश्वनाथ के लोगों के लिए अपनी मां के नाम पर ऐसी एंबुलेंस प्रदान करने के लिए बबलू गुप्ता, उनके दो बड़े भाइयों और उनके परिवार को धन्यवाद दिया। एंबुलेंस को बालीचांग मॉडल अस्पताल भेजा जाएगा। जिला संयुक्त निदेशक डॉ. योगेन चंद्र बे ने कहा कि विश्वनाथ में असम-अरुणाचल सीमा ताकि क्षेत्र के गरीब लोग वाहन का लाभ उठा सकें। बबलू गुप्ता इस कदम से विश्वनाथ में यह चर्चा का विषय बन गया है।

सोनाराम खेल मैदान में दो दिवसीय नि:शुल्क *लायंस हाट बाजार-2* शुरू

गुवाहाटी (विभास)। समाज व मानव सेवा के कार्य में हमेशा तत्पर रहने वाली संस्था लाइंस क्लब जिला 322जी की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं जरूरतमंद लोगों के लिए *लायंस हाट बाजार-2* का आयोजन किया जा रहा है। *लायंस हाट बाजार-2* के चेयरमैन बिजय हरलालका ने बताया कि आगामी 23 व 24 सितंबर को भरलूमुख स्थित सोनाराम खेल मैदान में दो दिवसीय *लायंस हाट बाजार-2* का आयोजन किया जाएगा, जहां आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लोग नि:शुल्क खरीदारी पूरे सम्मान के साथ कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि लायंस क्लब की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से करीब 5000 से अधिक लोगों को नि:शुल्क कूपन बुक का वितरण किया गया है, जिसके जरिए करीब 10000 लोग लाभान्वित होंगे। प्रत्येक बुक में 2000 मूल्य के कूपन मौजूद है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति वहां मौजूद करीब 25 स्टॉल में अपनी व अपने परिवार की जरूरत अनुसार वस्तुएं उसकी कीमत अनुसार कूपन देकर खरीद सकता है। इसके पीछे हमारा मुख्य उद्देश्य

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को आगामी दुर्गा पूजा जैसे बड़े पर्व से पूर्व खुशियां बाटना हैं। देखा गया है कि बहुत से ऐसे लोग व परिवार है जो मुफ्त में दी गई वस्तुएं नहीं लेना चाहते। ऐसे में *लायंस हाट बाजार-2* के माध्यम से हम उन्हें यह महसूस करना चाहते हैं की वे जो भी सामान खरीद रहे उसका वे लोग कूपन के माध्यम भुगतान कर रहे हैं। लायंस 322 जी की वीडीजी प्रथम श्रीमती सीमा गोयनका ने कहा कि *लायंस हाट बाजार-2* का आयोजन गुवाहाटी स्थित लायंस क्लब की 26 शाखाओं के सामूहिक प्रयासों एवं सहयोग से किया जा रहा है। *लायंस हाट बाजार-2* का उद्घाटन कोलकाता से पधारे लायंस 322 के मल्टीपल जीएसटी समन्वयक राजकुमार अग्रवाल एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर निर्मल कुमार भूरा, शनिवार को करेंगे। वीडीजी द्वितीय पंकज पोद्दार ने बताया कि *लायंस हाट बाजार-2* में खरीदारी के अलावा कमजोर वर्ग के लोगों के लिए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग के द्वारा की नि:शुल्क भोजन की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा मारवाड़ी हॉस्पिटल व लायंस आई हॉस्पिटल के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया जाएगा, ताकि खरीदारी करने आने वाले लोग अपने स्वास्थ्य की जांच करने के अलावा भरपेट भोजन भी कर सके। वितरित किए गए प्रत्येक कूपन बुक में दो लोग प्रवेश कर सकते हैं और उनके खाने के कूपन भी उसी में ही मौजूद रहेंगे। पूर्व जिलापाल सुधीर चौधरी ने बताया कि वहां मौजूद 25 स्टालों में पुरुष, महिलाएं व बच्चों के लिए कपड़े, बर्तन, खिलौने, सर्द गर्म कपड़े, जूते, चप्पल सहित घरेलू उपयोगी वस्तुओं के स्टॉल मौजूद रहेंगे। अर्थात जिसको जो जरूरत की चीज चाहिए वह उक्त स्टॉल में पहुंचकर अपने पास मौजूद कूपन देकर वह सामान घर ले जा सकता है। वरिष्ठ लायंस सदस्य मनोज भजनका ने बताया कि इससे पहले भी वर्ष 2019 में *लायंस हाट बाजार* का आयोजन किया गया था, जो काफी सफल रहा था। उसी की तर्ज पर इस बार *लायंस हाट बाजार-2* का आयोजन किया जा रहा है। लायंस 322जी के जीएसटी समन्वयक दिलीप सराफ ने बताया कि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए लायंस क्लब की सभी 21 शाखाओं का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

महिला आरक्षण के लिए भाजपा पिछले तीन दशकों से थी प्रयासरत : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा महिला आरक्षण कानून के माध्यम से लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पिछले तीन दशकों से प्रयास कर रही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित नारी शक्ति वंदन अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित किया। पार्टी की महिला इकाई ने प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित कार्यक्रम में महिला आरक्षण विधेयक के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "आज मैं देश की सभी महिलाओं को बधाई देता हूं। कल और परसों हमने एक नया इतिहास बनते देखा। यह हमारा सौभाग्य है कि करोड़ों लोगों ने हमें वह इतिहास रचने का मौका दिया।" उन्होंने कहा कि आज हर नारी का आत्मविश्वास आसमान छू रहा है। पूरे देश की माताएं, बहनें और बेटियां आज खुशी मना रही हैं, हम सबको आशीर्वाद दे रही हैं। देश हित में बड़े फैसलों के लिए पूर्ण बहुमत की मजबूत सरकार के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला आरक्षण के लिए कानून इसलिए संभव हो सका, क्योंकि लोगों ने पूर्ण बहुमत के साथ एक स्थिर, मजबूत सरकार चुनी। उन्होंने कहा, शक्ति वंदन अधिनियम का दोनों सदनों से पास होना, इस बात का भी साक्षी है कि जब पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार होती है तो देश कैसे बड़े फैसले लेता है, बड़े पड़ावों को पार करता है। पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार है तो 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' एक सच्चाई बन गया है। इस कानून ने फिर साबित किया है कि देश को आगे ले जाने के लिए पूर्ण बहुमत वाली मजबूत और निर्णायक सरकार बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियां इस दिन को याद रखेंगी। आज देश की हर नारी का आत्मविश्वास आसमान छू रहा है। दशकों से देखा हुआ सपना आज पूरा हो गया है। मोदी ने आगे कहा, "भाजपा इस कानून के माध्यम से लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पिछले तीन दशकों से प्रयास कर रही थी।

यह हमारी प्रतिबद्धता थी और आज हमने इसे पूरा किया है।"विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने पहले संसद में महिला आरक्षण बिल फाड़ा था, उन्होंने भी नारी शक्ति के उभरने के कारण इसका समर्थन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद के दोनों सदनों द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' रिकॉर्ड मतों से पारित किया जा चुका है। जिस बात का देश को पिछले कई दशकों से इंतजार था, वो सपना अब सच हुआ है। तीन तलाक पर प्रधानमंत्री ने कहा, "हमने तीन तलाक की कुप्रथा को रोकने के लिए कानून बनाया, जिससे महिलाओं पर अत्याचार होता था। करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक की अमानवीय प्रथा से छुटकारा मिला है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम कोई सामान्य कानून नहीं है। ये नए भारत की नई लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का उद्घोष है। ये अमृतकाल में सबके प्रयास से विकसित भारत के निर्माण की तरफ बढ़ा कदम है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी के लिए इस कानून के लिए भाजपा तीन दशक से प्रयास कर रही थी। ये हमारा कमिटमेंट था। इसे हमने पूरा करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि बीते 9 वर्षों में हमने माताओं-बहनों से जुड़ी हर बंदिश को तोड़ने का प्रयास किया है। हमारी सरकार ने एक के बाद एक ऐसी योजनाएं बनाईं, ऐसे कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिससे हमारी बहनों को सम्मान, सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि का जीवन मिले। प्रधानमंत्री को बधाई देने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों सहित बड़ी संख्या में महिलाएं पार्टी कार्यालय में पहुंची थीं। प्रधानमंत्री ने लाभार्थियों के एक समूह के प्रति अपना आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें माला पहनाई और अपना आशीर्वाद दिया। भाजपा मुख्यालय में भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और स्मृति ईरानी सहित महिला मोर्चा के अन्य नेता उपस्थित थे।

कोचिंग सेंटरों के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले में दखल देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के कोचिंग सेंटरों पर कार्रवाई के मामले पर कोचिंग सेंटर्स को कोई राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कोचिंग सेंटर्स को दिल्ली हाई कोर्ट में ही अपना पक्ष रखने को कहा। दरअसल, हाई कोर्ट ने अग्निशमन विभाग को अनापत्ति प्रमाणपत्र के बिना चल रहे सभी कोचिंग सेंटर बंद करने का निर्देश दिया था। कोचिंग सेंटर्स की ओर से वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट में दलील देते हुए कहा कि हाई कोर्ट ने प्रभावित पक्ष को सुने बिना कोचिंग सेंटर्स बंद करने का आदेश दे दिया। कोचिंग सेंटर्स को कुछ राहत दी जाए। सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर ने कहा कि ऐसे कोचिंग हैं, जहां डेस्क ही नहीं है। सभी छात्र पास-पास बैठे हैं। आप यह बताएं कि 200-300 वर्ग गज में आपने कितने छात्रों का नामांकन कराया है। ऐसी स्थिति में अगर आग लग जाए तो क्या होगा। तब रोहतगी ने कहा कि हमारी तो कोई बात ही नहीं सुनी गई। वहां शिक्षक हैं, छात्र हैं। हमें ऐसे कैसे बंद कर सकते हैं। हाई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई 10 अक्टूबर को होने वाली है, तब तक हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाएं। 15 कोचिंग सेंटर पहले ही बंद हो चुके हैं।

कुम्हारों की समस्याओं को लेकर डीएम से मिले भाजपा नगर अध्यक्ष

देहरादून,(हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी महानगर के अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल के नेतृत्व में कुम्हार समाज के हस्तशिल्पकार प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को जिलाधिकारी से मुलाकात की। इस दौरान अग्रवाल ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि चकराता रोड पर ईदगाह कुमार मंडी है जहां पर अधिकांश परिवार कुमार प्रजापति समाज से आते हैं जिनका विशेष व्यापार एवं परिवार का भरण पोषण मात्र हाथ के द्वारा मिट्टी के बर्तनों एवं मूर्तियों पर आधारित होता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से इन बर्तनों और मिट्टी की मूर्तियों को बनाने के लिए विशेष मिट्टी की आवश्यकता होती है जो कि बाहर अन्य राज्यों से मंगवानी पड़ती है। अन्य राज्यों से आने पर चेक पोस्टों पर गाड़ी को रोका जाता है और अवैध वसूली होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भी शिल्प कलाकारों को प्रेरित कर रहे हैं। अतः आप इस समस्या के समाधान हेतु उचित व्यवस्था करें, ताकि हमारे कुम्हार भाइयों को कोई व्यवधान उत्पन्न हो।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए महिला सशक्तिकरण के लिए अहम फैसले: जेपी नड्डा

-संसद में महिला आरक्षण विधेयक पारित होने पर भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हुआ भव्य स्वागत

अजय त्यागी

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों से महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करने वाला विधेयक (नारी शक्ति वंदन विधेयक) पारित होने पर भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा ने भाजपा मुख्यालय में आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। इस विधेयक के पारित होने पर महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने खुशी जताई। मुख्यालय में इस मौके पर मौजूद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित ये फैसले भारत के परिदृश्य और नियति में बदलाव लाएंगे। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा " हम सबके लिए बहुत ऐतिहासिक घड़ी है। इस क्षण के हम सब चश्मदीद गवाह बने हैं, ये हमारा सौभाग्य है। इस पल का हम सबको लंबे समय से इंतजार था। दूरदृष्टि, अटूट निश्चय और पक्के इरादे के साथ ' नारी शक्ति वंदन विधेयक' को प्रधानमंत्री जी ने समय पर पारित कराया है। इसके लिए हम उनका अभिनंदन करते हैं।" उन्होंने कहा कि भाजपा ने नारी शक्ति के सशक्तिकरण के लिए एक नहीं, बल्कि अनेक कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बहुत से कार्यक्रम चलाए। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 12 करोड़ बहनों को इज्जत घर (शौचालय) दिए गए। इसके लिए यूनिसेफ ने भी आपको गेम चेंजर कहा। इसके साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश महिलाओं के नाम से ही उनके मकान रजिस्टर्ड किए जा रहे हैं। इसके साथ-साथ देश में लंबे समय से लंबित समस्याओं का निराकरण भी प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक तरीके से किया है।

सज्जन शक्ति का तीर्थस्थल बनेगा सेवा न्यास : अरविंद मार्डीकर

– बालासाहब देवरस और भाऊराव देवरस के पैतृक निवास के जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ

बालाघाट, (हि.स.)। बालासाहब एवं भाऊराव देवरस सेवा न्यास के उपाध्यक्ष अरविंद मार्डीकर ने शुक्रवार को कहा कि मध्य प्रदेश के बालाघाट स्थित देवरस सेवा न्यास भारत तथा विश्व की सज्जनशक्ति का तीर्थस्थल होगा। अरविंद मार्डीकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सरसंघचालक बालासाहब देवरस और वरिष्ठ प्रचारक भाऊराव देवरस के बालाघाट के कारंजा स्थित पैतृक निवास के जीर्णोद्धार कार्य के भूमि पूजन के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले न्यास परिसर में मार्डीकर ने भगवान दत्तात्रेय का पूजन पूरे विधि-विधान से करने के बाद भूमिपूजन किया। इस मौके पर न्यास के उपाध्यक्ष मार्डीकर ने प्रेरणा मंडप में सेवा न्यास के कार्यों की जानकारी दी। मार्डीकर ने कहा कि सभी के सहयोग से हम सेवा न्यास परिसर को केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की सज्जन शक्ति के लिए आधुनिक तीर्थस्थली बना सकते हैं। कार्यक्रम में उमेश आगाशे सहसचिव, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सिवनी के विभाग संघचालक श्रीरंग देवरस, बालाघाट के जिला संघचालक वैभव कश्यप, भाजपा जिला अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल और क्षेत्र के निवासी विलास जुगादे, अनिल जोशी, लांजी समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

अमर्यादित टिप्पणी के लिए भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी पर हो कार्रवाई: विपक्ष

नई दिल्ली, (हि.स.)। विपक्ष ने अमर्यादित टिप्पणी के लिए भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी पर कार्रवाई की मांग की है। बिधूड़ी ने लोकसभा में गुरुवार को बसपा सदस्य दानिश अली के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की थी। दूसरी ओर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बिधूड़ी को उनके बयान के लिए फटकार लगाई है। लोकसभा में चन्द्रयान-3 मिशन पर चर्चा के दौरान रात करीब 11 बजे भाजपा सदस्य रमेश बिधूड़ी ने दानिश अली के द्वारा टोके जाने पर उनके खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की थी। इस दौरान चेयर पर कुडिकुन्नील सुरेश थे। उन्होंने इन शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटाने का आदेश दिया। सूत्रों के मुताबिक लोकसभा अध्यक्ष ने बिधूड़ी से बात की है और उन्हें उनके बयान के लिए फटकार लगाई है। दूसरी ओर विपक्ष बिधूड़ी के बयान को लेकर उनपर कार्रवाई की मांग कर रहा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को कहा कि इस तरह की असंसदीय भाषा साथी सांसद के लिए आजतक नहीं सुनी गई। वो भी नई संसद में कार्यवाही के दौरान कही गई। बिधूड़ी पर कार्रवाई होनी चाहिए। रमेश बिधूड़ी के बयान पर विपक्ष की ओर से आपत्ति जताए जाने पर गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने खेद प्रगट किया था। उन्होंने कहा था कि वे अशब्दों को नहीं सुन पाए, लेकिन बिधूड़ी ने ऐसा कुछ कहा है तो उसे कार्यवाही से हटा दिया जाए। इसके बाद उन्होंने बिधूड़ी के अपशब्दों के प्रयोग पर खेद प्रगट किया। बिधूड़ी का बयान सोशल मीडिया पर गुरुवार वायरल हो रहा है। कई सांसदों ने इसे ट्वीट कर इस पर सवाल उठाया। उनपर कार्रवाई की मांग की जा रही है।

अजीत ने शरद गुट के विधायकों को अयोग्य घोषित करने के लिए याचिका की दाखिल

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों में टकराव बढ़ गया है। राकांपा के अजीत पवार गुट ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के समक्ष एक याचिका दाखिल कर शरद पवार गुट के विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। हालांकि इस संबंध में राहुल नार्वेकर ने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। जानकारी के अनुसार राकांपा से अलग होकर अजित पवार राज्य सरकार में शामिल हो गए हैं। इसके बाद शरद पवार गुट की ओर से विधानसभा अध्यक्ष के पास याचिका दायर कर पार्टी विरोधी गतिविधियां करने वाले अजीत पवार गुट के विधायकों को तत्काल निलंबित करने की मांग की थी। विधानसभा अध्यक्ष के पास शरद पवार गुट की याचिका अभी भी लंबित है। इसी दौरान अजित पवार गुट ने भी विधानसभा अध्यक्ष के पास याचिका दाखिल कर राकांपा पर अधिकार जताता है। याचिका में कहा गया है कि असली राकांपा उनकी है। ऐसे में इन दोनों याचिकाओं पर अध्यक्ष राहुल नार्वेकर क्या निर्णय लेते है, इस पर राजनीतिक दलों की निगाहें लगी हैं। हालांकि राकांपा के दोनों गुटों के बीच असली राकांपा किसकी और चुनाव चिन्ह की लड़ाई भी चुनाव आयोग तक पहुंच गई है। चुनाव आयोग इस मुद्दे पर 6 अक्टूबर को सुनवाई करेगा।

दिल्ली- एनसीआर में बनी देश की सबसे बड़ी टनल

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की सबसे बड़ी टनल बनकर तैयार है। इस टनल के बनने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट के आसपास और दूसरे इलाके में आप आसानी से ट्रैवल कर सकेंगे। इस सड़क को फिलहाल अर्बन एक्सटेंशन रोड का नाम दिया गया है। द्वारका और दिल्ली एयरपोर्ट के पास लगभग 3.8 किलोमीटर की यह टनल लगभग तैयार है। एनएचएआई के सूत्रों की मानें तो इस साल दिसंबर तक पूरी तरह यह टनल बनकर तैयार हो जाएगी। पता चला कि देश में सबसे उच्चतम तकनीक से यह टनल बनाया गया है। दावा यह किया जा रहा है कि इसे टॉप डाउन तकनीक से बनाया गया है, जो अभी तक की सबसे लेटेस्ट तकनीक है। आइए जानने की कोशिश करते हैं कि आखिर ये टॉप डाउन तकनीक क्या है? टॉप डाउन तकनीक में जमीन के अंदर से पहले मिट्टी नहीं निकाली जाती है। सबसे पहले साइड से दीवार को प्लेस किया जाता है। इसके बाद सड़क के बीच पिलर डाला जाता है। इन सबके बीच पिलर और दीवार के बीच स्लैब रखा जाता है। उसके बाद नीचे से मिट्टी निकाली जाती है। इस तकनीक के इस्तेमाल से उपर चल रहे ट्रैफिक पर कम से कम असर पड़ता है। एयरपोर्ट के पास ही ब्रिजवासन रेलवे स्टेशन है जहां से दक्षिण भारत के कई शहरो के लिए ट्रेन गुजरती है। ऐसे में बिना रेलवे ट्रैफिक को रोके यह टनल बनाया गया है। यदि आप एयरपोर्ट इलाके से दिल्ली के अलीपुर बार्डर तक जाना चाहें तो वहा तक की दूरी फिलहाल 40 किलोमीटर की है। हरियाणा से सोनीपत से सटे अलीपुर और एयरपोर्ट के बीच की इस दूरी को तय करने में अमूमन 1 से 1.5 घंटे तक का समय लग जाता है। नया एक्सप्रेस वे के बनने के बाद इसी दूरी को पूरा करने में महज 20 से 30 मिनट का समय लगेगा। इल लिहाज से यदि देखें तो सोनीपत में रहने वाले लोग महज 30 मिनट में एयरपोर्ट पहुंच सकते हैं

आम आदमी पार्टी की मांग आगामी लोकसभा चुनाव से ही मौजूदा स्थिति में लागू हो महिला आरक्षण

अजय कुमार

नई दिल्ली। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले विधेयक को संसद में पेश किए जाने के तरीके पर आम आदमी पार्टी आपत्ति जताई। पार्टी ने राज्यसभा में आरोप लगाया कि सरकार की नीयत प्रस्तावित कानून को लागू करने की नहीं बल्कि सिर्फ श्रेय लेने की है। इसके साथ ही पार्टी ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिला आरक्षण आगामी लोकसभा चुनाव से ही मौजूदा स्थिति में लागू करने की मांग की आप सदस्य संदीप पाठक ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले संविधान विधेयक, 2023 पर उच्च सदन में चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि यह विधेयक हड़बड़ी में लाया गया और इसके लिए सरकार की पर्याप्त तैयारी नहीं थी। पाठक ने कहा कि विधेयक को जिस तरीके से पेश किया गया, उसकी क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा कि सरकार इसे पेश करने में पूरी गोपनीयता बरत रही थी और विपक्ष के नेताओं को भी इसकी जानकारी मीडिया से मिली। उन्होंने कहा कि यह सरकार मीडिया का ध्यान भटकाती रहती है और एक उद्योगपति से जुड़े मुद्दे के जोर पकड़ने पर उसने वन नेशन वन इलेक्शन (एक देश एक चुनाव) की चर्चा शुरू कर दी। पाठक ने कहा कि देश और समाज के लिए यह एक महत्वपूर्ण विधेयक है और वह इसका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने महिला आरक्षण का विचार रखा था जिसे पूरा होने में 35 साल लग गए। आप सदस्य ने इसे गुमराह करने वाला विधेयक करार दिया और आशंका पैदा की कि किसानों की आय दोगुनी करने, काला धन लाने, करोड़ों की संख्या में रोजगार मुहैया कराने जैसे जुमलों के साथ कहीं महिला आरक्षण का मुद्दा भी जुमला न बन जाए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के लागू होने में जनगणना और परिसीमन जैसे अवरोध लगाए गए हैं। पाठक ने कहा कि सरकार के अनुसार प्रस्तावित कानून 2029 से लागू होगा लेकिन उसके पहले ही कोई अड़चन आ जाए तो और देरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि आरक्षित सीटों के रोटेशन (बारी-बारी से सीटों का आरक्षण) को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि परिसीमन को राजनीति का औजार नहीं बनाया जाना चाहिए। आप सदस्य ने कहा कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी के अंदर ही विरोधाभास है और उसके कई वरिष्ठ नेताओं ने इस मुद्दे पर अलग-अलग राय व्यक्त की है।

लॉरेंस के बाद अब जग्गू भगवानपुरिया गैंग ने ली जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कनाडा में गैंगस्टर सुखदूल सिंह उर्फ सुक्खा दुनेके की हत्या के मामले में अब जग्गू भगवानपुरिया गैंग की एंट्री हो गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के द्वारा सोशल मीडिया पर हत्या की जिम्मेदारी लिए जाने के बाद अब जग्गू भगवानपुरिया गैंग ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली है। बता दें कि सुक्खा दुनेके की बीते बुधवार को कनाडा में गोलियों से भून कर हत्या कर दी गई थी। हमलवारों ने उस पर करीब 15 गोलियां दागी थीं। सुक्खा से पहले हरदीप सिंह निज्जर की हत्या भी कनाडा में की गई थी। निज्जर की हत्या को लेकर ही भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आ गई है। वहीं अब जग्गू भगवानपुरिया गैंग ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके लिखा है कि वाहेगुरू जी का खालसा, वाहेगुरू जी की फतेहड्ड मैं आप सबको बताना चाहता हूं कि ये जो विनिपेग शहर, कनाडा में सुक्खा दुनेके का कत्ल हुआ है, उसकी जिम्मेदारी मैं जग्गू भगवानपुर, दरमन काहलों और अमृत बल लेते हैं। ये काम हमारे भाइयों ने किया है। हमने अपने भाई संदीप नंगल अंबिया के मर्डर का बदला ले लिया है। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि सुक्खा दुनेके के कहने पर ही हमारे भाई का कत्ल हुआ था। आज हमने सबके वहम निकाल दिए हैं। बाकी और भी हमारे एंटी हैं, वो भी तैयार रहें। किस्की मौत कहां आ जाए, किसी को पता नहीं। जग्गू भगवानपुरिया गैंग से पहले लॉरेंस गैंग ने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा था कि हां जी सत श्री काल, राम राम सारेयां नूं। ये सुक्खा दुनेके, जो बंबीहा ग्रुप का इंचार्ज बना फिरता था, उसका मर्डर हुआ है कनाडा के विनिपेग शहर में। उसकी जिम्मेदारी लारेंस बिश्नोई गैंग लेता है। इस हेरोइन एडिक्टेड नशेड़ी ने सिर्फ पैसों के लिए बहुत से घर उजाड़े थे। हमारे भाई गुरलाल बराड़, विक्की मिड्डूखेड़ा के मर्डर में इसका हाथ था।

मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण का सरकारी फैसला 24 घंटे के अंदर रद्द

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण का सरकारी फैसला 24 घंटे के अंदर रद्द कर दिया गया है. सरकार आपके द्वार अभियान के तहत मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण को लागू करने का निर्णय सरकार ने बुधवार 20 सितंबर को लिया। सरकार के इस फैसले को 24 घंटे के अंदर ही रद्द कर दिया गया है. मुख्यमंत्री कार्यालय से ही इस फैसले को रद्द करने का आदेश दिया गया है. फैसले में कुछ बदलाव किये जाने थे और शुद्धि पत्र जारी किया जाना था लेकिन मुख्यमंत्री और बाल विकास मंत्री के गणेशोत्सव में व्यस्त होने के कारण फैसला रद्द कर दिया गया है. बताया गया है कि इस अभियान का नियंत्रण महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव करने वाले थे. महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त, जिले के कलेक्टर अभियान के प्रमुख थे। अब इसमें बदलाव होने जा रहा है. मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा ऐसा आदेश दिये जाने पर गुरुवार को सरकार का फैसला रद्द कर दिया गया. यह मुख्यमंत्री का विशेष अभियान है, इसलिए किसी वरिष्ठ अधिकारी को अभियान का प्रमुख बनाना उचित होगा। क्योंकि कलेक्टर और अन्य विभाग प्रमुखों को ऐसे निर्देश देने में सहूलियत होगी।

दिल्ली में हो सकती है गरज के साथ बारिश

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बूंदाबांदी, गर्मी और उमस के मौसम में उतार चढ़ाव जारी है। गर्मी और उमस से राहत की फिलहाल उम्मीद कम है। भारत मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली के आसमान में बादल छाए रहेंगे। कल की तरह आज भी अधिकतम तापमान 37 डिग्री से ज्यादा रहने की उम्मीद है। जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री से ज्यादा रहने का पूवार्नुमान है। कुछ इलाकों में बूंदाबादी और हल्की बारिश के आसार हैं। राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को कुछ स्थानों पर हुई हल्की बारिश से शहर और इसके आसपास के निवासियों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दक्षिण हरियाणा और उत्तरी राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में भिन्न तीव्रता का टी-स्टॉर्म बन रहा है। बीती रात में भी आसमान में बादल छाए रहने और बहुत हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का पूवार्नुमान व्यक्त किया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि शहर में आज न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत से दो डिग्री अधिक था। वहीं अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री रहा जो समान्य से तीन डिग्री अधिक है। सीपीसीपी दिल्ली द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों का औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गुरुवार को 114 अंक दर्ज किया गया जो मध्यम श्रेणी में आता है। जबकि पिछले कुछ दिनों से प्रदूषण का स्तर सामान्य बना रहा है।

मायावती ने महिला आरक्षण बिल का किया स्वागत, इस कानून का और इंतजार ठीक नहीं

लखनऊ,(हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने महिला आरक्षण बिल के दोनों सदनों में पास होने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस कानून का और इंतजार ठीक नहीं है, इसे तुरंत लागू होना चाहिए। बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा, 'महिला आरक्षण बिल संसद के दोनों सदनों से पारित हो जाने का स्वागत, किन्तु देश इसका भरपूर व जोरदार स्वागत करता अगर उनकी अपेक्षाओं के मुताबिक यह अविलम्ब लागू हो जाता। अब तक लगभग 27 वर्षों की लम्बी प्रतीक्षा के बाद अनिश्चितता का अब आगे और लम्बा इंतजार करना कितना न्यायसंगत ? वैसे देश की आबादी के बहुसंख्यक ओबीसी समाज की महिलाओं को आरक्षण में शामिल नहीं करना बहुजन समाज के उस बड़े वर्ग को न्याय से वंचित रखना है। इसी प्रकार एससी व एसटी समाज की महिलाओं को अलग से आरक्षण नहीं देना भी उतना ही अनुचित व सामाजिक न्याय की मान्यता को नकारना है। किन्तु जहां चाह है वहां राह है, इसीलिए सरकार ओबीसी समाज को इस महिला आरक्षण बिल में शामिल करे। एससी व एसटी वर्ग की महिलाओं को अलग से आरक्षण मिले। इस विधेयक को तत्काल प्रभाव से लागू करने के सभी जरूरी उपाय किये जाएं। धार्मिक अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं की भी उपेक्षा अनुचित है।

वरुण गांधी ने अमेठी के संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस निलंबन पर नाराजगी जतायी

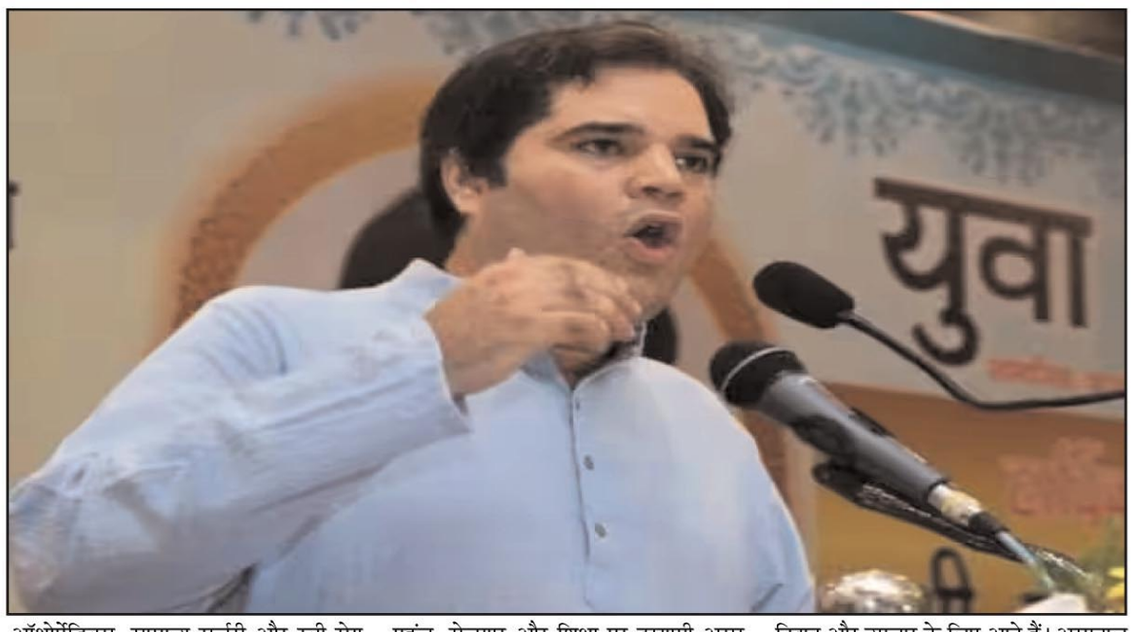

अमेठी (ईएमएस)। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने व्यापक और निष्पक्ष जांच के बिना अमेठी के संजय गांधी अस्पताल का परिचालन लाइसेंस निलंबित करने पर गहरी नाराजगी जताते हुए यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्र लिखा है।

उन्होंने शुक्रवार को ब्रजेश पाठक को लिखे गए पत्र को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें टैग कर शेयर करते हुए पोस्ट में कहा कि गहन जांच के बिना अमेठी में संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस का निलंबन उन लोगों के साथ अन्याय है जो अपनी आजीविका के लिए संस्थान पर निर्भर हैं। जबकि जवाबदेही महत्वपूर्ण है यह जरूरी है कि स्पष्टता और निष्पक्षता के सिद्धांतों को बरकरार रखा जाए। पाठक को लिखे अपने पत्र में वरुण गांधी ने लिखा कि मैं यह पत्र आपको हाल ही में अमेठी में संजय गांधी अस्पताल के परिचालन लाइसेंस के निलंबन के संबंध में चिंता के साथ लिख रहा हूं। इस अस्पताल का शिलान्यास पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1982 में किया था। यह कई दशकों तक अमेठी और इसके पड़ोसी जिलों में लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सहायता के एक दृढ़ स्तंभ के रूप में खड़ा रहा है। यह संस्थान वर्षों से कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, ऑथोर्पेडिक्स, सामान्य सर्जरी और स्त्री रोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिहाज से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। इसके लाइसेंस को निलंबित करने के निर्णय का क्षेत्र की स्वास्थ्य देखभाल पहुंच, रोजगार और शिक्षा पर दूरगामी असर पड़ेगा। जरूरी है कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सैकड़ों लोग संजय गांधी अस्पताल पर निर्भर हैं। अमेठी और इसके आसपास के जिलों से यहां हर दिन सैकड़ों लोग परामर्श, निदान और उपचार के लिए आते हैं। अस्पताल के लाइसेंस निलंबन से क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण शून्य पैदा हो जाएगा, जिसका हमारे नागरिकों की भलाई पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

प्रधानमंत्री आज काशी में पांच हजार महिलाओं से करेंगे संवाद

वाराणसी,(हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को काशी के संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में पांच हजार महिलाओं से महिला आरक्षण पर संवाद करेंगे। महिलाओं के आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद के दोनों सदनों से पास हो चुका है। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में वाराणसी और आसपास के जिलों की प्रबुद्ध वर्ग की महिलाएं भी शामिल होंगी। स्थानीय अधिकारियों और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के मुताबिक प्रधानमंत्री 23 सितंबर, शनिवार को लगभग छह घंटे के लिए अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आएंगे। प्रधानमंत्री गंजारी में पूर्वांचल के पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास करेंगे। यहां जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलिकॉप्टर से संपूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय पहुंचेंगे। यहां भाजपा महिला मोर्चा, महिला जनप्रतिनिधि और प्रबुद्ध वर्ग की महिलाएं प्रधानमंत्री की अगवानी करेंगी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर महिलाओं से संवाद करेंगे। इसके बाद सड़क मार्ग से सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर पहुंचेंगे। यहां अटल आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं की प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे और उनसे संवाद करेंगे। इसके बाद मुख्य सभागार में आयोजित काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के समापन समारोह में शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री शाम करीब 6.30 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान करेंगे। प्रधानमंत्री की अगवानी के लिए 23 सितंबर को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री वाराणसी में प्रवास के दौरान त्रिस्तरीय सुरक्षा के घेरे में रहेंगे। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में 15 आईपीएस अफसरों की ड्यूटी लगाई गई है। आसपास के जिलों से 12 अपर पुलिस आयुक्त, 25 डीएसपी, 30 इंस्पेक्टर, 750 एसआई, 850 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल, एक कंपनी पीएसी, पांच कंपनी सीएपीएफ की तैनाती की गई है।

भोपाल में भोजताल झील पर वायु प्रदर्शन तीस को

प्रयागराज, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना इस वर्ष अपनी 91वीं वर्षगांठ मनाने जा रही है। देश के विभिन्न हिस्सों में वायु सेना दिवस मनाए जाने की नवीन परम्परा को कायम रखते हुए इस वर्ष मध्य वायु कमान भोपाल में 30 सितम्बर को वायु प्रर्दशन करने जा रही है। यह जानकारी शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय प्रयागराज के जनसम्पर्क अधिकारी शान्तनु प्रताप सिंह ने देते हुए बताया कि इस वायु प्रदर्शन का आयोजन भोपाल के भोजताल झील पर किया जाएगा और आम जनता भी इस प्रदर्शन को देख सकेगी। इस वायु प्रदर्शन का अभ्यास 26 से 28 सितम्बर तक जारी रहेगा। भोजताल झील के आसपास से आम जनमानस इस शानदार प्रदर्शन का आनंद उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम सिविल प्रशासन और वायु सेना की मध्य वायु कमान एवं अनुरक्षण कमान द्वारा आपसी सहयोग एवं साझेदारी के साथ आयोजित किया जाएगा। भारतीय वायुसेना की प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान द्वारा भोपाल की स्थानीय जनता के लिए इस प्रदर्शन में विमानों द्वारा अत्यंत ही रोमांचकारी एवं साहसिक एयरोबेटिक करतब का प्रदर्शन किया जाएगा।

केंद्रीय निर्वाचन आयोग के टीम की जिलों के उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक

रांची,(हि.स.)। भारत निर्वाचन आयोग के वरीय अधिकारियों की टीम ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 को लेकर सभी जिलों के उपायुक्तों सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी के साथ शुक्रवार को समीक्षा बैठक की। बैठक में केंद्रीय निर्वाचन आयोग के वरीय उप चुनाव आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा, वरीय उप चुनाव आयुक्त नितेश कुमार व्यास और उप चुनाव आयुक्त मनोज कुमार साहू, झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रविकुमार मौजूद थे। इस दौरान मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ तैयार चुनाव प्रश्न बैंक नामक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। पुस्तक के अंग्रेजी और हिंदी संस्करण का विमोचन भारत निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों की ओर से किया गया। इस पुस्तक में चुनाव प्रक्रिया से संबंधित 1200 से अधिक बहुविकल्पीय प्रश्नों का समावेश है। साथ ही निर्वाचन आयोग की जागरुकता गीत 'मैं भारत हूं' का झारखंड की स्थानीय भाषाओं के संस्करण को लॉन्च किया गया।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की ओर से तैयार किए गए इस गीत के स्थानीय संस्करण को मुंडारी, कुड़ुख, हो, संथाली तथा खड़िया भाषा में तैयार किया गया है। इसके अलावा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड कार्यालय की ओर से तैयार किये जा रहे इंटीग्रेटेड लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम नवाचार के तहत चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के लिए तैयार किए गए विशेष आईटी टूल को भी लांच किया गया। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के समक्ष इसका डेमो भी प्रदर्शित किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के द्वारा किये जा रहे प्रयासों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के पदाधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। एक स्थानीय होटल में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 को लेकर समीक्षा बैठक चल रही है।

दो सब स्टेशन बनाकर नगर परिषद क्षेत्र में तेज किया जाएगा सफाई अभियान : मनीष कुमार

नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने डीसी के समक्ष भूमि आवंटन का रखा प्रस्ताव

रामगढ़, (हि.स.)। रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र में सफाई अभियान को और तेज किया जाना है। इसके लिए कचरा उठाओ हेतु दो सब स्टेशन बनाए जाएंगे। इस अभियान को लेकर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने एक नई योजना तैयार की है। शुक्रवार को उन्होंने बताया कि रामगढ़ नगर परिषद का क्षेत्रफल काफी बड़ा है। लेकिन कचरा उठाओ के बाद उसे छावनी क्षेत्र में बने डंपिंग यार्ड में ही कचरा डंप करना पड़ता है। इससे सफाई कर्मियों का समय तो काफी अधिक लगता ही है साथ ही नगर परिषद पर आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है। कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि इन दोनों समस्याओं से निजात पाने के लिए नगर परिषद के वार्ड नंबर 6 और 20 में सब स्टेशन बनाया जाएगा। इस सब स्टेशन में नगर परिषद क्षेत्र से उठाओ किए गए कचरे को रखा जाएगा। इस सबस्टेशन में कंप्रेस मशीन से कचरा को कंप्रेस कर दिया जाएगा। इसके बाद जब सब स्टेशन में लगी गाड़ी कचरे से भर जाएगी, तो उसे फिर छावनी क्षेत्र में बने डंपिंग यार्ड में डंप कर दिया जाएगा। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि सब स्टेशन को लेकर वार्ड नंबर 6 और 20 में भूमि चिन्हित कर ली गई है। चिन्हित स्थल के आवंटन के लिए डीसी के समक्ष प्रस्ताव भेजा गया है। जैसे ही उपायुक्त कार्यालय से आदेश प्राप्त होगा तत्काल सबस्टेशन बना दिया जाएगा।

झारखंड में सचिव 2.50 करोड़ और मंत्री 15 करोड़ तक की नई योजनाओं की देंगे मंजूरी

रांची, (हि.स.)। राज्य सरकार ने झारखंड कार्यपालिका नियमावली 2000 में फिर से संशोधन किया है और सचिवों के अधिकार में कटौती की है। अब राज्य में नई योजनाओं की स्वीकृति के लिए राज्य के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव व सचिव सिर्फ 2.50 करोड़ तक की लागत वाली योजनाओं की ही स्वीकृति दे सकेंगे जबकि राज्य के मंत्री 2.50 करोड़ से ऊपर व 15 करोड़ तक की योजनाओं की स्वीकृति दे पायेंगे। इस संबंध में कैबिनेट की मंजूरी के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने शुक्रवार को संकल्प जारी कर दिया है और सभी विभागों को दिशा-निर्देश भी दिया है। 15 करोड़ से अधिक एवं 25 करोड़ तक की योजनाओं की स्वीकृति विभागीय मंत्री के अनुमोदन के बाद राज्य योजना प्राधिकृत समिति करेगी जबकि 25 करोड़ से ऊपर की योजनाओं की मंजूरी राज्य मंत्रिपरिषद से हो सकेगी।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी का चुनाव सम्पन्न, 10 निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों को मिले प्रमाणपत्र

-राजेंद्र साहू बने चेयरमैन, प्रियशंकर सचिव

नवादा, (हि स)। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के नवादा जिला इकाई के 10 कार्यकारिणी के निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों को चुनाव पदाधिकारी सह नवादा के सदर एसडीओ अखिलेश कुमार ने शुक्रवार को प्रमाण पत्र देकर शपथ ग्रहण भी कराया ।उन्हें पद तथा गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इसके साथ ही कराए गए चुनाव में राजेंद्र प्रसाद साहू को चेयरमैन, प्रियशंकर सिन्हा को सचिव, गोपाल प्रसाद को वाइस चेयरमैन ,विजय कुमार सिंह को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया ।सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ । निर्वाचित अधिकारियों को भी चुनाव पदाधिकारी सदर एसडीओ ने शपथ ग्रहण कराया। एसडीओ अखिलेश कुमार की देखरेख में संपन्न हुआ। बिहार के राज्यपाल द्वारा निर्धारित 10 सदस्यीय कार्यकारणी के लिए निर्विरोध निर्वाचित सदस्यों के नाम की घोषणा चुनाव पदाधिकारी नवादा के एसडीओ अखिलेश कुमार ने की । जिसमें राजेंद्र प्रसाद साहू,डॉ संजय कुमार सुमन उर्फ साकेत बिहारी,विनय यादव,गोपाल प्रसाद,सुरेश प्रसाद बर्मन,विजय कुमार,प्रियशंकर सिंहा,चंद्रमैलेश्वर प्रसाद ,राजेंद्र प्रसाद,राजन गुप्ता आदि शामिल है। चुनाव पदाधिकारी सदस्य अखिलेश कुमार ने बताया कि सभी सदस्यों को शुक्रवार को प्रमाण पत्र देकर विधिवत तरीके से शपथ ग्रहण कराई गई ।अध्यक्ष सहित सभी पदों पर चुनाव भी संपन्न कराया गया। इस अंतरराष्ट्रीय संगठन में सेवा के लिए तत्पर युवाओं को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने का भी आह्वान किया गया है ।ताकि नवादा रेड क्रॉस सोसाइटी समाज सेवा कर देश में अपना नाम रोशन कर सके। नवादा के प्रसिद्ध चिकित्सक पूर्व सिविल सर्जन डॉ विमल कुमार सिंह को प्रांतीय प्रतिनिधि के रूप में चयनित किया गया। उन्हें भी प्रमाण पत्र देकर शपथ ग्रहण कराया जाएगा।

राष्ट्रकवि दिनकर के पुत्र केदारनाथ सिंह का निधन

बेगूसराय, (हि.स.)। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के पुत्र केदारनाथ सिंह का शुक्रवार को इलाज के दौरान दिल्ली में निधन हो गया। करीब 87 वर्षीय केदारनाथ सिंह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे तथा दिल्ली में ही इलाजरत थे। अचानक निधन की खबर सुनते ही बेगूसराय जनपद में शोक की लहर फैल गई है। उल्लेखनीय है कि दिनकर जी के दो पुत्रों में छोटे केदारनाथ सिंह ने अपने राष्ट्रकवि पिता के स्मृति को अक्षुण्ण रखने में तन-मन समर्पित कर रखा था। अपने सिमरिया स्थित आवास को उन्होंने एक तरह से संग्रहालय का रूप दे दिया। जिसमें कि दिनकर जी द्वारा पढ़ी जाने वाली रामायण सहित अन्य पुस्तक ही नहीं, उनके द्वारा लिखी पुस्तक भी उपलब्ध थी। दिनकर जी के वस्त्र, छड़ी, बिछावन, बक्सा को भी करीने से सजा कर केदारनाथ सिंह ने रखवाया था। दिनकर जी के जन्म तिथि और पुण्यतिथि सहित अन्य अवसर पर आने वाले अधिकारी, जनप्रतिनिधि और साहित्यकार ना केवल दिनकर जी के स्मृति चिन्ह से रूबरू होते थे। बल्कि उपस्थित रहने वाले केदारनाथ सिंह अपने पिता के संस्मरण से भी रूबरू कराते थे।

प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र में राज्यस्तरीय जांच परीक्षा का आयोजन

पूर्वी चंपारण,(हि.स.)। जिला मुख्यालय स्थित मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र में शुक्रवार को राज्य स्तरीय जांच परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमे बीपीएससी,एसएससी,रेलवे और बैंकिंग सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षा के तैयारियों में जुटे 84 छात्र छात्राओ ने हिस्सा लिया। परीक्षा का संचालन समन्वयक प्रो.अमरजीत कुमार चौबे ने किया ।मौके पर प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक प्रो.(डॉ.)अरुण कुमार मौजूद रहे ।वही परीक्षा के वीक्षण और व्यवस्थापन में शिक्षक आलोक श्रीवास्तव,सुधीर कुमार,मुन्ना कुमार,संतोष और लालू कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया ।उल्लेखनीय है,कि इसके पूर्व पहली राज्यस्तरीय परीक्षा जुलाई माह में संपन्न हुई थी ।यह दूसरी राज्यस्तरीय परीक्षा है उक्त परीक्षा का उद्देश्य राज्य स्तर पर विद्यार्थियों की क्षमता का आकलन कर उनमें आत्मविश्वास पैदा करना है।

उपविकास आयुक्त ने आधारभूत संरचना विकास से संबंधित बैठक में दिये कई आवश्यक निर्देश

सहरसा,(हि.स.)। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को सहरसा के उप विकास आयुक्त ने कार्यालय में आधारभूत संरचना विकास से संबंधित बैठक की। सर्वप्रथम कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल, सहरसा की समीक्षा की गयी। उन्होंने बताया कि सभी अपूर्ण योजना का कार्य प्रगति पर है जिसे ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल, सहरसा एवं सिमरी बख्तियारपुर के योजनाओं की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में एमएमजीएसवाई के अधिकांश योजनाओं की धीमी प्रगति पर खेद प्रकट किया गया। इस संबंध में दोनों कार्यपालक अभियंताओं को निदेश दिया गया कि जो संवदेक कार्य नहीं कर रहे हैं ।उस पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया एवं प्रगतिशील योजनाओं को अविलंब पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, सहरसा के योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें मंडल कारा में जो भी योजनाएं पूर्ण नहीं हुई है। उन्हें जल्द से जल्द पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावे बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड, सहरसा, बिहार शैक्षणिक आधारभूत संरचना निगम कोशी प्रमंडल, सहरसा, उप महाप्रबंधक परियोजना बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड कोशी प्रमंडल, सहरसा, कार्यपालक अभियंता जल निस्सरण प्रमंडल, सहरसा, वरीय परियोजना निदेशक उडको, सहरसा, कार्यपालक अभियंता कोशी तटबंध कोपरिया, सुपौल, निर्मली, चन्द्रायण परियोजना अभियंता, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम, सहरसा, विद्युत कार्यपालक अभियंता, सहरसा एवं सिमरी बख्तियारपुर, विद्युत कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल,सहरसा एवं विद्युत संचरन प्रमंडल, मधेपुरा की योजनाओं की समीक्षा की गयी। निर्देश दिया गया कि जो भी कार्यान्वित योजनाएं है उसे जल्द से जल्द ससमय पूर्ण कराएं।

लैंड फॉर जॉब मामले में समन पर तेजस्वी ने कहा, हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता

पटना, (हि.स.)। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने खुद पर लैंड फॉर जॉब मामले में समन जारी होने के बाद शुक्रवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये कोई पहला और आखिरी मामला नहीं है। ये सब चलता रहेगा। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। इन सब मामलों में कोई दम नहीं है। अब इन सब चीजों पर ध्यान के बजाए हम तो बस अपना काम कर रहे हैं और बिहार के विकास पर ध्यान दे रहे हैं। उल्लेखनीय है लैंड फॉर जॉब्स मामले में लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ती दिख रही है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत 17 आरोपितों के खिलाफ समन जारी किया है। सभी को चार अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने को कहा है। सीबीआई की चार्जशीट पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। अब तक इस मामले में राजद सुप्रीमो लालू यादव के छोटे बेटे एवं बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी का नाम नहीं था। इससे पहले सीबीआई ने पिछले साल जो चार्जशीट दाखिल की थी, उसमें लालू-राबड़ी एवं अन्य पर आरोप लगाए गए थे। जब इस केस की जांच आगे बढ़ी तो तेजस्वी के दिल्ली की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में एक कीमती बंगले की जानकारी सामने आई। इसका नौकरी के बदले जमीन घोटाले से लिंक निकला।

इसके बाद सीबीआई ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर कर तेजस्वी यादव को भी इस केस में आरोपी बनाया है। इसके बाद अब समन जारी किया गया है। ऐसे में यदि अगली पेशी में कोर्ट उनकी गिरफ्तारी का आदेश देता है तो तेजस्वी को तुरंत जमानत लेनी होगी। नहीं तो उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है। यह मामला लालू के रेल मंत्री रहते यानी साल 2004 से 2009 के बीच का है। इस समय देश में यूपीए की सरकार थी। उस वक्त लालू ने रेलवे में नियमों को ताक पर रखकर कई लोगों को नौकरियां दी गई थीं। इसके बदले में लालू परिवार के सदस्यों के नाम पर बेशकीमती जमीन लिखवाई गईं। अब सीबीआई के साथ ईडी भी इस कथित घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू की जांच कर रही है।

संपादकीय

कनाडा में खालिस्तान

खालिस्तान समर्थक उग्रवादियों की पैरोकारी करते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने भारत पर जो बेहद गंभीर आरोप चस्पा किया है, उससे न केवल राजनयिक टकराव पैदा हुआ है, बल्कि भारतीय छात्रों और अनिवासी भारतीयों पर खतरे मंडराने लगे हैं। कनाडा ने हमारे एक वरिष्ठ राजनयिक को देश छोडने का आदेश दिया है, तो हमारे विदेश मंत्रालय ने भी कनाडाई राजनयिक को 'देशनिकाला' दे दिया है। यह लोकतांत्रिक और सहयोगी देशों के लिए सुखद स्थितियां नहीं हैं। भारत सरकार को अपने नागरिकों के लिए सतर्कता का परामर्श जारी करना पड़ा है। कनाडा भारतीयों, खासकर पंजाबियों के लिए, दूसरा घर रहा है, लेकिन अब खालिस्तानियों की निश्चित पनाहगाह भी बन गया है। कनाडा नाटो और यूरोपीय संघ का सदस्य-देश है, तो जी-20 समूह में भारत के साथ भी शामिल है। शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने द्विपक्षीय संवाद किया था, जिसके दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय दूतावासों और मंदिरों पर खालिस्तानी उग्रवादियों के हमलों का मुद्दा उठाया था। कनाडाई प्रधानमंत्री को सचेत किया गया था कि भारत इन हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उसके बावजूद प्रधानमंत्री ट्रूडो ने अपनी संसद में संगीन आरोप लगाए कि कनाडा के नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या भारतीय एजेंसियों ने कराई थी। उन्हें यह भी कहना पड़ा कि कनाडा भारत को उकसाना नहीं चाहता, लेकिन वह गंभीरता से इस पर सोचे। यदि प्रधानमंत्री ट्रूडो की सोच खालिस्तान समर्थक नहीं थी, तो उन्होंने यह आरोप किन साक्ष्यों के आधार पर चस्पा किया? उन्होंने भारतीय राजनयिक को 'देशनिकाला' क्यों दिया? उनके देश में खालिस्तान समर्थक उग्रवादी सरेआम सक्रिय क्यों हैं? क्या कनाडा ही खालिस्तान बन गया है? भारतीय हिंदू छात्रों और अनिवासी भारतीयों को कनाडा छोड़ कर चले जाने की धमकियां क्यों दी जा रही हैं? क्या खालिस्तानी गुरपतवंत पन्नू अब तय करेगा कि कनाडा में कौन बसेगा और किसे देश छोड़ देना चाहिए? ट्रूडो बताएं कि ऐसा क्यों है? क्या 2.30 लाख छात्रों और करीब 7 लाख अनिवासी भारतीयों के प्रति कनाडाई प्रधानमंत्री की कोई जवाबदेही और जिम्मेदारी नहीं है? यदि प्रधानमंत्री ट्रूडो के आरोपों में जरा-सा भी तथ्य होता, तो अमरीका समेत यूरोपीय देश उनके आरोप का समर्थन करते और भारत पर दबाव बनाते। हालांकि पश्चिमी देश छोटे-मोटे मुद्दों पर ही भारत का पांव दबाने लगते हैं, लेकिन कारोबार, बाजार और रणनीतिक साझेदारी के मद्देनजर भारत के ही मुखापेक्षी रहे हैं। बहरहाल कनाडा के वरिष्ठ पत्रकार और भारतवंशी लोग लगातार आग्रह कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री ट्रूडो को साक्ष्यों के आधार पर बात करनी चाहिए। अमरीका समेत कुछ देश भी तथ्यों के आधार पर जांच की मुखर मांग करने लगे हैं। यदि ट्रूडो खालिस्तान के इतने वैचारिक, सामाजिक, राजनीतिक हमदर्द हैं, तो कनाडा में ही 'खालिस्तान' बसा सकते हैं। कनाडा में व्यापक भूभाग हैं, जहां खालिस्तान बसाया जा सकता है। कनाडा में सिख, हिंदू और मिश्रित भारतीयों की आबादी खूब है। कनाडा की अर्थव्यवस्था के आधार ही भारतीय हैं। भारत के साथ हजारों करोड़ रुपए का कनाडा व्यापार करता है, लेकिन ट्रूडो ध्यान रखें कि खालिस्तान की पैरोकारी 'आत्मघाती' साबित हो सकती है, क्योंकि यह उग्रवाद और अलगाववाद, अंततः, आतंकवाद ही है और कनाडाई प्रधानमंत्री ने वैश्विक संगठनों के घोषणा पत्रों पर हस्ताक्षर भी किए हैं, जिनमें आतंकवाद का मुद्दा भी शामिल रहा है। सवाल यह भी है कि क्या प्रधानमंत्री ट्रूडो को अपनी 'अल्पमत सत्ता' बचाने को खालिस्तानियों की पैरोकारी करनी पड़ रही है? दरअसल उन्हें खालिस्तान समर्थक राजनीतिक दल के 24 सांसदों का समर्थन हासिल है, जिसके आधार पर उनकी सरकार का बहुमत बनता है और वह कनाडा के प्रधानमंत्री बने हुए हैं। यह भी गौरतलब है कि भारत ने कभी भी, किसी भी देश की, संप्रभुता में न तो हस्तक्षेप किया और न ही पहला हमला किया। यदि भारत देशद्रोहियों, दुश्मनों और आतंकियों के खिलाफ सख्ती करता है अथवा उनकी हत्या भी कर देता है, तो ऐसी कार्रवाई में गलत क्या है? क्या अमरीका, चीन, रूस और इजरायल ने अपने देश के दुश्मनों को, अपनी सीमाओं के बाहर जाकर, नहीं मारा? चीन ने कनाडा में ही अपने आलोचकों की हत्या की है, तब ट्रूडो की जुबान क्यों चिपक कर रह गई? ध्यान रहे कि भारत किसी भी देश में अपने खिलाफ हिंसक हरकतों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा।

कनाडा ने हमारे एक वरिष्ठ राजनयिक को देश छोड़ने का आदेश दिया है, तो हमारे विदेश मंत्रालय ने भी कनाडाई राजनयिक को 'देशनिकाला' दे दिया है। यह लोकतांत्रिक और सहयोगी देशों के लिए सुखद स्थितियां नहीं हैं। भारत सरकार को अपने नागरिकों के लिए सतर्कता का परामर्श जारी करना पड़ा है। कनाडा भारतीयों, खासकर पंजाबियों के लिए, दूसरा घर रहा है, लेकिन अब खालिस्तानियों की निश्चित पनाहगाह भी बन गया है। कनाडा नाटो और यूरोपीय संघ का सदस्य-देश है, तो जी-20 समूह में भारत के साथ भी शामिल है। शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने द्विपक्षीय संवाद किया था, जिसके दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय दूतावासों और मंदिरों पर खालिस्तानी उग्रवादियों के हमलों का मुद्दा उठाया था। कनाडाई प्रधानमंत्री को सचेत किया गया था कि भारत इन हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उसके बावजूद प्रधानमंत्री ट्रूडो ने अपनी संसद में संगीन आरोप लगाए कि कनाडा के नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या भारतीय एजेंसियों ने कराई थी। उन्हें यह भी कहना पड़ा कि कनाडा भारत को उकसाना नहीं चाहता, लेकिन वह गंभीरता से इस पर सोचे। यदि प्रधानमंत्री ट्रूडो की सोच खालिस्तान समर्थक नहीं थी, तो उन्होंने यह आरोप किन साक्ष्यों के आधार पर चस्पा किया? उन्होंने भारतीय राजनयिक को 'देशनिकाला' क्यों दिया? उनके देश में खालिस्तान समर्थक उग्रवादी सरेआम सक्रिय क्यों हैं? क्या कनाडा ही खालिस्तान बन गया है? भारतीय हिंदू छात्रों और अनिवासी भारतीयों को कनाडा छोड़ कर चले जाने की धमकियां क्यों दी जा रही हैं।

कुछ अलग

रैगिंग की रोटेशन

शिक्षा की जमीन पर भी आई यह आपदा, उसकी पलकों पर भविष्य की निगरानी भटक गई। जिन्हें पढक़र अपनी और देश की बुनियाद मजबूत करनी, वे संस्थान की रोशनी में अंधेरों को बुलारहे हैं। रैगिंग की रोटेशन में बदनाम होते शिक्षण संस्थानों की फेहरिस्त जिस तरह लंबी हो रही है, उससे शिक्षा के स्तर और अध्ययन का सफर कहीं बाधित है। आईआईटी मंडी और नेरचौक मेडिकल कालेज के बाद टांडा मेडिकल कालेज के बागीचे में रैगिंग के दस्तावेज सड़ रहे हैं। एक बार फिर काचरू रैगिंग मामले के जख्म टीएमसी परिसर में कुरेद दिए गए। चौदह साल पहले अमन काचरू प्रकरण में बदनाम हुए परिसर के भीतर पुनः आठ सीनियर प्रशिक्षुओं ने भावी डाक्टरों के साथ न केवल अमानवीय व्यवहार किया, बल्कि अपने प्रोफेशन की धज्जियां भी उड़ा दीं। दरअसल मामला असाइनमेंट से भी जुड़ा है, जहां वरिष्ठ हो चुके छात्र अपने जूनियर को उनका काम निपटाने का दबाव डालते हुए इस नौबत तक पहुंच गए कि इनकार के लिए रैगिंग हथियार बन गया। कुछ प्रशासनिक लीपा पोती के बीच जिस तरह आईआईटी और नेरचौक एमसी की खबर सुस्ता गई, उसी तरह टीएमसी के आरोपी छात्र भी इस कृत्य से बरी हो जाएंगे, लेकिन ऐसी हरकतों से यह तो साबित हो रहा है कि हिमाचल में उच्च शिक्षा या प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के अध्ययन की परिपाटी कितनी लचर व आवारा हो चुकी है। यही आवारगी कल ऐसे डाक्टरों के सुपुर्द अस्पतालों की कार्यशैली को कर देगी। आवारगी का यही दस्तूर लज्जाजनक तरीके से पूरे विभाग की नाक काटने के लिए काफी है। मामला आज अगर टीएमसी का है, तो कल इसी प्रवृत्ति से निकल कर बीमारों और तीमारदारों से अभद्रता और उपेक्षापूर्ण व्यवहार तक पहुंच जाएगा। एक के बाद एक रैगिंग के मामलों ने छात्रों की प्रोफेशनल सोच पर सवालिया निशान चस्पां कर दिया है। प्रश्नों की सूची तो इन कालेजों के फ्रेम में भी नजर आ रही है और संस्थानों के प्रबंधन की ओर भी इशारा कर रही है। आईआईटी मंडी यूं तो अपनी प्रतिष्ठा व रैगिंग में हिमाचल के तमाम संस्थानों में सबसे ऊपर है, लेकिन रैगिंग के पेंच ने बदनामी का एक बड़ा कारण इसे भी सौंप दिया।

33 फीसदी आरक्षण के कोटे में पिछड़े और मुस्लिम समुदायों की महिलाओं को विधान मंडलों में आरक्षण का प्रावधान रखा जाए

महिला आरक्षणः नारी शक्ति का अभिनंदन

प्रमोद भार्गव

केंद्र सरकार ने गणेश चतुर्थी के दिन इस शुभ पहल को करके देष की आधी आबादी का अभिनंदन किया है। लोकसभा में 27 साल से लंबित 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' नाम से महिला आरक्षण संबंधी विधेयक पेश कर दिया। इस विधेयक के पारित होने के बाद संसद के दोनों सदनों से लेकर विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत हो जाएगी। विधेयक के कानून में बदलने और क्रियान्वित होने के बाद वर्तमान स्थिति के हिसाब से लोकसभा में महिलाओं के लिए 181 और राज्य विधानसभाओं में 1374 सीटें आरक्षित हो जाएंगी।

भारतीय परंपरा में किसी नए भवन में स्त्री का प्रवेश शुभ माना जाता है। इसी दृष्टिकोण के चलते संसद के नए भवन में पहला पग महिलाओं के सम्मान में उठा है। केंद्र सरकार ने गणेश चतुर्थी के दिन इस शुभ पहल को करके देष की आधी आबादी का अभिनंदन किया है। लोकसभा में 27 साल से लंबित 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' नाम से महिला आरक्षण संबंधी विधेयक पेश कर दिया। इस विधेयक के पारित होने के बाद संसद के दोनों सदनों से लेकर विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत हो जाएगी। विधेयक के कानून में बदलने और क्रियान्वित होने के बाद वर्तमान स्थिति के हिसाब से लोकसभा में महिलाओं के लिए 181 और राज्य विधानसभाओं में 1374 सीटें आरक्षित हो जाएंगी। इन सीटों पर महिला प्रत्याषी ही चुनाव लड़ सकेंगी। फिलहाल इस आरक्षण की सुविधा 15 वर्श के लिए होगी, लेकिन मांग के अनुसार इसे बढ़ाया भी जा सकता है। इसी साल पांच राज्य विधानसभाओं के अलावा मई 2024 में लोकसभा के चुनाव भी होने हैं। इसलिए नारी सषक्तिकरण के इस उपाय को महिला मतदाताओं के धुरवीकरण के साधन के रूप में भी देखा जा रहा है। देष में इस समय करीब 44 करोड़ महिला मतदाता हैं। हालांकि यह विधेयक दोनों सदनों से पारित हो भी जाता है तब भी इसे नई जनगणना और नए परिसीमन के बाद 2026 से लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसलिए कालांतर में होने वाले चुनावों में इसे अमल में तो नहीं लाया जा सकेगा, लेकिन भाजपा के लिए महिला मतदाताओं को आकर्षित करने का काम यह विधेयक अवश्य कर जाएगा। इसके कानून बनते ही ऐसे कई दोहरे चरित्र के चेहरे हाशिये पर चले जाएंगे, जो पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, गाहे-बगाहे बीते 27 साल से गतिरोध पैदा किए हुए थे। महिला आरक्षण विधेयक का मूल प्रारूप संयुक्त मोर्चा सरकार के कार्यकाल के दौरान गीता मुखर्जी ने तैयार किया था। लेकिन अक्सर इस विधेयक को लोकसभा सत्र के दौरान अंतिम दिनों में पटल पर रखा गया। इससे यह संदेह हमेषा बना रहा कि एचडी देवगौड़ा, इन्द्रकुमार गुजराल और अटलबिहारी वाजपेयी सरकारें गठबंधन के दबाव और राजनीतिक असहमतियों के चलते ठोस इच्छा षक्ति नहीं जता पाई थीं। हालांकि 9 मार्च 2010 में कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार ने जरूर इस विधेयक को राज्यसभा में पेष कर पास करा

लिया था, लेकिन मनमोहन सिंह इसे लोकसभा से पारित नहीं करा पाए थे। जबकि उनके पास लोकसभा में स्पश्ट बहुमत था। इस सरकार को अपने ही सहयोगी दलों के जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ा था। सहयोगी गठबंधन के सांसदों ने पिछड़ी और मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने के प्रावधान के बहाने, इस विधेयक को अटका दिया था। यहां तक की समर्थक दलों ने कांग्रेस को समर्थन वापसी की धमकी भी दे दी थी। हालांकि प्रजातंत्र में तार्किक असहमतियां, संवैधानिक अधिकारों व मूल्यों को मजबूत करने का काम करती हैं, लेकिन असहमतियां जब मुट्ठीभर सांसदों की अतार्किक हठधर्मिता का पर्याय बन जाएं तो ये संसद की गरिमा और सदन की शक्ति को ठेंगा दिखाने वाली साबित होती हैं। उस समय विधेयक से असहमत दलों की प्रमुख मांग थी, '33 फीसदी आरक्षण के कोटे में पिछड़े और मुस्लिम समुदायों की महिलाओं को विधान मंडलों में आरक्षण का प्रावधान रखा जाए।' जबकि संविधान के वर्तमान स्वरूप में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति के समुदायों को आरक्षण की सुविधा हासिल है। ऐसे में पिछड़े वर्ग की महिलाओं को लाभ कैसे संभव है? हमारे लोकतांत्रिक संविधान में धार्मिक आधार पर किसी भी क्षेत्र में आरक्षण की व्यवस्था नहीं है। लिहाजा इस बिना पर मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण की सुविधा कैसे हासिल हो सकती है? आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल की सरकारों ने सच्चर व रंगनाथ मिश्र आयोग की सिफारिशों को आधार मानते हुए मुसलमान व ईसाईयों को नौकरियों में धर्म आधारित आरक्षण की व्यवस्था की थी, लेकिन न्यायालयों ने इन्हें संविधान-विरोधी फैसला जताकर खारिज कर दिया था। दरअसल इस कानून के वजूद में आ जाने के बाद अस्तित्व का संकट उन काडरविहीन दलों को है, जो व्यक्ति और जाति आधारित दल हैं। इसी कारण लालू, मुलायम और शरद यादव इस बिल के विरोध में दृढ़ता से खडे.हो गए थे। उत्तर प्रदेश और बिहार में जातियता के बूते क्रियाशील इन यादवों की तिकड़ी का दावा रहता है कि इस अलोकतांत्रिक विधेयक के पास होने के बाद पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के लिए जम्हूरियत के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे। जबकि इनकी वास्तविक चिंता यह नहीं है? दरअसल 33 फीसदी आरक्षण के बाद बाहुबलि बने पिछड़े वर्ग के आलाकमानों का लोकसभा व विधानसभा क्षेत्रों में राजनीतिक आधार तो सिमटेगा ही, सदनों में संख्याबल की दृष्टि से भी इन दलों की ताकत घट जाएगी। अन्यथा ये सियासी दल वाकई उदार और पिछड़ी व मुस्लिम महिलाओं के ईमानदारी से हिमायती हैं, तो सभी आरक्षित सीटों पर इन्हीं वर्गों से जुड़ी महिलाओं को उम्मीदवार बना सकते हैं? बल्कि अनारक्षित सीटों का भी इन्हें प्रतिनिधित्व सौंप सकते हैं? दरअसल इन कुटिल राजनीतिज्ञों के दिखाने और खाने दांत अलग-अलग हैं। गोया तय है कि अल्पसंख्यकों की बेहतर नुमाइंदगी की वकालात के इनके दावे थोथे हैं। इन दलों का दोहरा चरित्र इस बात से भी जाहिर होता रहा है कि जब देश की पंचायती राज्य व्यवस्था में महिलाओं का 33 फीसदी से 50 फीसदी आरक्षण बढ़ाने का विधेयक लाया गया था तब ये सभी दल एक राय थे। यही नहीं जब नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए 50 फीसदी आरक्षण का विधेयक लाया गया था, तब भी इन दलों की सहमति बनी रही। लेकिन जब लोकसभा व विधानसभा की बारी आती है तो यही दल गतिरोध पैदा करने लग जाते हैं। क्योंकि यह विधेयक कानूनी स्वरूप ले लेता है तो इनके निजी राजनैतिक हित प्रभावित होंगे। इनका लोकसभा और विधानसभा में पुरूशवादी वर्चस्व का दायरा 33 फीसदी घट जाएगा। राजनेताओं के लिए यह विधेयक इसलिए भी वजूद का संकट है, क्योंकि जिन लोक व विधानसभा क्षेत्रों से ये लोग लगातार विजयश्री हासिल करते चले आ रहे हैं, वह क्षेत्र यदि महिला आरक्षण के दायरे में आ गया तो इन्हें चुनाव लड़ना भी मुश्किल हो जाएगा? तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी ने भी मुस्लिम समुदाय को बरगलाए रखने के नजरिये से इस विधेयक का विरोध किया था। भ्रष्टाचार में लिप्त ऐसे नेता भी इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, जिनके लिए सांसद अथवा विधायक के रूप में लोकसेवक बने रहना, सुरक्षा कवच का काम करता है।

स्वयं सहायता समूह से आत्मनिर्भर बनती महिलाएं

मार्च 2022 तक के आंकड़ों के अनुसार देश भर में करीब 118 .3 लाख समूह संचालित हो रहे हैं, जिसने करीब 14 .2 करोड़ ग्रामीण परिवारों को सशक्त किया है। ख़ास बात यह है कि सरकार इन समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान और वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है। सरकार ने समूहों से जुड़ी सभी महिलाओं की वार्षिक आय को वर्ष 2024 तक एक लाख रुपए तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के गठन और अन्य सहायता के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संसाधन भी मुहैया कराये जाते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाना, स्थानीय स्तर पर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराकर शहरों होने वाले पलायन को रोकना और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना प्रमुख लक्ष्य रहा है। जिसका धरातल पर सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहा है।

देश की नई संसद भवन ने नारी शक्ति को नमन करते हुए सबसे पहले महिला आरक्षण बिल को पास किया है। दरअसल महिलाओं विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आज़ादी के बाद से ही कई प्रकार की योजनाएं संचालित की जाती रही हैं। इसमें स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की परिकल्पना ने धरातल पर महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया है। इसके माध्यम से महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनने में बहुत सहायता मिली है। यही कारण है कि देश के तमाम राज्यों में स्वयं सहायता समूह संचालित किये जा रहे हैं। जिससे जुड़कर महिलाएं आर्थिक रुप से स्वावलंबी बन रही हैं और अपने परिवार और बच्चों का भविष्य संवार रही हैं। आमतौर पर इन समूहों में सदस्यों की संख्या 10 से 20 तक होती है। मार्च 2022 तक के आंकड़ों के अनुसार देश भर में करीब 118.3 लाख समूह संचालित हो रहे हैं, जिसने करीब 14.2 करोड़ ग्रामीण परिवारों को सशक्त किया है। ख़ास बात यह है कि सरकार इन समूहों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान और वित्तीय सहायता भी प्रदान करती है। सरकार ने समूहों से जुड़ी सभी महिलाओं की वा[र्षिक] आय को वर्ष 2024 तक एक लाख रुपए तक करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अतिरिक्त महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के गठन और अन्[य] सहायता के लिए राष्ट्रीय ग्रामी[ण] आजीविका मिशन के तहत संसाधन [भी] मुहैया कराये जाते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाना, स्थानीय स्तर पर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराकर शहरों होने वाले पलायन को रोकना और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना प्रमुख लक्ष्य रहा है। जिसका धरातल पर सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहा है। राजस्थान के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूह संचालित किये जा रहे हैं। इसमें बीकानेर जिला स्थित लूणकरणसर ब्लॉक का बिंझरवाड़ी गांव भी शामिल है। जहां सफलतापूर्वक स्वयं सहायता समूह संचालित की जा रही है। इसमें गांव के गरीब परिवारों को जहां आर्थिक सहायता मिल रही है वहीं गांव के हर परिवार का भी विकास हो रहा है। माना जाता है कि गांव 600 साल पुराना है और सबसे पहले इस गांव में बिंजर जाति के लोग आबाद हुए थे। जिसके कारण इस गांव का नाम बिंझरवाड़ी हो गया है। गांव के 33 वर्षीय मुनि राम का कहना है कि भले ही यह गांव अनुसूचित जाति बिंजर समुदाय के नाम से आबाद हुआ है। लेकिन गांव में अलग अलग जातियों के लोग भी आबाद हैं। इनमें 40 घर ब्राह्मण जाति के, 50 राजपूत समुदाय के, 200 घर मेघवाल समुदाय के हैं। जबकि बिंजर समुदाय के 400 परिवार आबाद हैं। विभिन्न समुदायों की महिलाओं ने स्वयं सहायता समूह का गठन कर रखा है। जिससे उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। गांव की महिलाओं ने इंदिरा गांधी स्वयं सहायता समूह और लक्ष्मी बाई समूह जैसे नामों से कई समूह बनाए हैं। प्रत्येक समूह में 10 से 20 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। गांव के ही एक स्थान पर हर महीने की 10 तारीख को दोपहर 12 बजे से 2 तक समूह की सभी महिलाएं मीटिंग करती हैं। जहां न केवल समूह से जुड़े कामकाज पर चर्चा होती है और आगे की रणनीति बनाई जाती है, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा की जाती है। इसमें महिलाएं अपने पारिवारिक जीवन में आने वाली चुनौतियों को भी रखती हैं, जिस पर सभी महिलाएं मिलकर चर्चा के माध्यम से सामूहिक रूप से हल निकालने का प्रयास करती हैं। इस प्रकार यह मीटिंग न केवल काम तक सीमित होता है बल्कि आने वाली कठिनाइयों से पार पाने का भी सरल माध्यम बन जाता है। यह महिलाएं आपस में ही समूह के नियमों का सख्ती से पालन करती हैं। यही कारण है कि जो महिला मीटिंग में देरी से पहुंचती है तो उसे 5 रुपए पेनल्टी देनी पड़ती है और जो महिला बिना कारण मीटिंग से अनुपस्थित रहती है, उसे 10 रुपए पेनल्टी के रूप में भरनी पड़ती है, [स]ाथ ही उनके न आने के कारणों को एक [डाय]री में नोट की जाती है। समूह द्वारा अर्जित [क]ी गई बचत राशि को महिलाएं [आ]वश्यकता अनुसार खर्च करती हैं। जिस महिला को पारिवारिक कारणों से पैसों की ज़रूरत होती है, उसे इसके द्वारा काफी मदद मिलती है। इस संबंध में समूह की एक कार्यकर्ता 45 वर्षीय कृष्णा का कहना है कि स्वयं सहायता समूह के माध्यम से न केवल महिलाएं सशक्त हो रही हैं बल्कि उनके द्वारा गांव के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। समूह के जरिए गांव के 400 घरो में शौचालय बनवाए गए हैं और बालिकाओं के शैक्षणिक विकास के लिए भी राशि खर्च की गई है। इसके अतिरिक्त बालिकाओं के विकास के लिए और उन्हें 10वीं तथा 12वीं कक्षा की तैयारी के लिए भी आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। ऐसे अनेक सहयोग किए गए हैं जिससे ग्रामीण गरीब परिवार को आर्थिक सहायता मिले और उनके बच्चों की शिक्षा में किसी प्रकार का रुकावट न आये। इसके अलावा महिलाओं ने इस स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अपने स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी समय समय पर आवाज़ें उठाई हैं। सरकार की ओर से भी स्वयं सहायता समूह को मज़बूत और सशक्त बनाने के लिए समय समय पर आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। समूह के गठन के तीन महीना पूरा होने के बाद उसे धनराशि प्रदान की जाने लगती है। वहीं जो महिलाएं रोजगार करना चाहती है उन्हें बैंक से आसान किस्तों पर 50000 से 110000 तक का ऋण भी दिया जाता है। राजस्थान सरकार की ओर से भी 2023-24 के बजट में महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए 5 लाख नए परिवारों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है।

देश दुनीया से

कनाडा की घरेलू राजनीति और भारत

पिछले दिनों कनाडा और भारत के संबंधों में तलखी आई है। वैसे विश्व राजनीति में कनाडा की कोई विशेष महत्ता नहीं है। लेकिन भारत और कनाडा के संबंध बहुत पुराने हैं, इसलिए यह तलखी चिन्ताजनक कही जा सकती है। कनाडा में इस समय लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा (एलपीसी) की सरकार है। वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो हैं। लेकिन लिबरल पार्टी के पास सरकार चलाने के लिए पूर्ण बहुमत नहीं है। उसे एक दूसरे राजनीतिक दल न्यू डैमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के समर्थन पर निर्भर रहना पड़ता है। एनडीपी के अध्यक्ष जगमीत सिंह हैं, जो कभी भारत से ही कनाडा गए थे और बाद में वहीं के नागरिक बन गए। एनडीपी के अतिरिक्त ट्रूडो की अपनी पार्टी एलपीसी में भी पंजाबी मूल के कुछ सदस्य हैं। भारत विरोधी शक्तियां पिछले कुछ सालों से पंजाबियों में से कुछ लोगों को भारत के विरोध में अपने लक्ष्य के लिए संगठित कर रही हैं। कनाडा में भी ये प्रयास कुछ दशकों से चल रहे थे। कनाडा के कुछ राजनीतिक दल भी अपने स्थानीय राजनीतिक हितों के लिए इससे जुड़ गए। एलपीसी का नाम भी उन्हीं राजनीतिक दलों में आता है। कम से कम इस पार्टी पर नियंत्रण रखने वाले कुछ नेता तो जुड़ गए ही थे। इसके संकेत 1985 में एयर इंडिया जहाज को कनाडा के कुछ नागरिकों द्वारा बम से उड़ा दिए जाने के समय से ही मिलने शुरू हो गए थे। इसमें भारतीय मूल के कनाडा के सैकड़ों नागरिक मारे गए थे। लेकिन उस समय के कनाडाई प्रधानमंत्री पीअरे ट्रूडो जहाज को बम से उड़ाने वाले अपराधियों को सजा दिलवाने के बजाय उनको बचाने में ज्यादा रुचि ले रहे थे। यहां यह जानना रुचिकर होगा कि जस्टिन ट्रूडो उसी पीअरे ट्रूडो के पुत्र हैं। ट्रूडो परिवार ने कनाडा की राजनीति में उन दिनों से ही अपनी प्राथमिकताएं तय कर ली थीं। यदि ज्यादा गहराई से विचार किया जाए तो ट्रूडो की पार्टी का वैचारिक आधार कल्चरल माक्र्सवाद कहा जा सकता है। कल्चरल माक्र्सवाद स्थापित सामाजिक मूल्यों, संस्थाओं को समाप्त करना और अराजकता पैदा करना होता है। अराजकता से उत्पन्न शून्य में नए मूल्य रचना होता है। इटली के एक माक्र्सवादी चिन्तक एन्टोनी ग्रामकी ने यह सिद्धान्त अपने बन्दी काल में 1935 के आसपास स्थापित किया था। ग्रामकी का कहना था कि कार्ल माक्र्स का यह सिद्धान्त कि दुनिया भर में मजदूर क्रांति करेंगे, ठीक नहीं है। यदि ऐसा होता तो रूस में 1917 की क्रान्ति के बाद दुनिया भर में क्रान्ति फैलनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ग्रामकी का मानना था कि रूस में भी क्रान्ति मजदूरों ने नहीं की थी। रूस में तो उस समय उद्योग नाम मात्र ही थे। वहां का समाज तो कृषि आधारित था। ग्रामकी की स्थापना थी कि रूस में लेनिन ने प्रोफेशनल क्रान्तिकारियों की सहायता से सत्ता परिवर्तन किया था जिसे मजदूरों की क्रान्ति कह कर प्रचारित कर दिया गया। यही कारण था कि क्रान्ति का यह रथ वहीं रुक गया था। ग्रामकी का कहना था कि क्रान्ति तो बुद्धिजीवी करते हैं। क्रान्ति के लिए पहले से स्थापित संस्कृति और जीवन मूल्यों को नष्ट करना होता है। यह इतना आसान नहीं होता। इसे विश्वविद्यालयों में बुद्धिजीवी ही कर सकते हैं। स्थापित संस्कृति और मूल्यों में परिवार सबसे पुरानी संस्था है। यदि परिवार समाप्त कर दिया जाए तो समाज में अराजकता फैल सकती है। लेकिन 2016 के बाद कल्चरल माक्र्सवाद के पैरोकार उससे भी आगे बढ़ गए। उनका कहना है कि पिछड़ेपन की सबसे बड़ी निशानी लिंग या जैंडर है। मैं पुरुष हूं या स्त्री, इसका निर्धारण करने का अधिकार केवल मुझे है।

सोवियत संघ के पतन के बाद ग्रामकी का यह सिद्धांत अमेरिका के विश्वविद्यालयों में पुनः प्रकट होने लगा। लेकिन कल्चरल माक्र्सवाद के पैरोकारों को लगता है भारत इस क्रांति के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा है। यह सनातन राष्ट्र हजारों सालों के झंझावातों को झेलता हुआ भी अपनी आत्मा या चिति को बचाए हुए है। यह गतिशील भी है और सनातन भी है। इसलिए जब तक भारत को विखंडित नहीं किया जाता, तब तक कल्चरल माक्र्सवाद का यह रथ दलदल से बाहर नहीं निकल सकेगा। शायद हमारे अपने उच्चतम न्यायालय में भी यह बहस शुरू हो गई है कि किसी के लिंग का निर्धारण करने का अधिकार किसी दूसरे को नहीं है। प्रोफेशनल आंदोलनकारियों की सहायता से भारत में अराजकता फैलाने का काम कुछ साल पहले अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में शुरू किया था।

दृष्टिकोण

सिंथेटिक ट्रैक्स को सैरगाह मत बनाओ

हिमाचल प्रदेश में बहुत धन व श्रम खर्च करके एथलेटिक्स के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेलों के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बरबाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त ने फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे दी है। सोचो, राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले हिमाचल के एथलीट पंद्रह दिन कहां ट्रेनिंग करेंगे। हिमाचल प्रदेश में खेल के साथ इस तरह की बदतमीजी आम बात हो गई है। करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बरबाद करने पर क्यों आमादा हैं? क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे ताकि इन अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाओं को बचाया जा सके। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद, मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहड़ू, रामपुर, सोलन, चैल व नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों-उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदानों का हाल कुछ ठीक नहीं है। कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हॉकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर के प्रयासों ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है जो काबिले-तारीफ है। बिलासपुर के लुहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है। इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी-किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में सेना के जवानों का खुफिया ऑपरेशन; आठ आतंकियों को किया ढेर, पांच गिरफ्तार

पेशावर ।
पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दो खुफिया जानकारी पर आधारित ऑपरेशन के तहत जवानों ने आठ आतंकियों को मार गिराया। वहीं पाच आतंकियों को सेना के जवानों ने गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन की जानकारी देते हुए सेना ने बताया कि पहला ऑपरेशन बन्नू जिले के जनी खेल सामान्य क्षेत्र में किया गया था। सेना के जवानों और आतंकियों के बीच गोलीबारी में छह आतंकियों की मार गिराया गया तो वहीं पांच को गिरफ्तार किया गया है। सेना की मीडिया एजेंसी ने बताया के अनुसार गोलीबारी में मारे गए आतंकी सुरक्षाबलों के खिलाफ जुड़े कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। इसमें पिछले महीने ही जनी खेल में एक सैन्य काफिले में हमला करने का मामला भी शामिल है, जिसमें सुरक्षाबलों के नो जवान मारे गए थे। उत्तरी वजीरिस्तान आदिवासी जिले के दत्ता खेल जनरल इलाके में खुफिया ऑपरेशन के तहत सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए। मारे गए आतंकियों के पास से हथियार भी बरामद किया गया। आतंकवादी को निष्क्रिय करने के लिए क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान शुरू किया गया था। सेना की मीडिया एजेंसी ने बताया कि पाकिस्तान में आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए सुरक्षाबल पूरी कोशिश कर रही है।

राजा चार्ल्स तृतीय ने ब्रिटेन और फ्रांस की दोस्ती मजबूत करने का आह्वान किया

पेरिस । ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय ने ब्रिटेन और फ्रांस से 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए अपनी दोस्ती को फिर से मजबूत करने का आह्वान किया है। फ्रांस की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर गए चार्ल्स तृतीय ने वर्सेल्स पैलेस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन द्वारा आयोजित राजकीय रात्रिभोज के दौरान यह टिप्पणी की। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन और फ्रांस के बीच स्थायी संबंध की सराहना कर , चार्ल्स तृतीय ने कहा कि ब्रिटिश और फ्रांसीसी लोगों के बीच संबंध असंख्य थे और 1904 में दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित एंटेंटे कॉर्डियल की जीवनधारा का प्रतिनिधित्व करते थे। चार्ल्स तृतीय ने कहा, हमारे संबंध निश्चित रूप से हमेशा पूरी तरह से सीधे नहीं रहे हैं, उन्होंने कहा कि दोनों देशों का लंबा और जटिल इतिहास है।

न्यूज ब्रीफ

जेलेंस्की बोले- अमेरिकी मदद के बिना जंग हार जाएंगे: रिपब्लिकन सांसद यूक्रेन को पैसे देने के खिलाफ; 9 लाख करोड़ की मदद कर चुका यूएस

वॉशिंगटन। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की जंग शुरू होने के बाद दूसरी बार अमेरिका पहुंचे। यहां उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन से मुलाकात की। इस बीच जेलेंस्की ने कहा- यूक्रेन के लिए अमेरिका की मदद बहुत जरूरी है। अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी के एक सांसद ने बताया- जेलेंस्की ने उनसे कहा है कि अगर हमें मदद नहीं मिलेगी तो हम जंग हार जाएंगे। जेलेंस्की के दौरे के समय विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने घोषणा की कि यूक्रेन को जंग के लिए अमेरिका 128 मिलियन डॉलर (1061 करोड़ रूपए) दे रहा है। इसके साथ ही अमेरिका का डिफेंस विभाग 198 मिलियन डॉलर (1642 करोड़ रूपए) के हथियार और इक्विपमेंट्स भी देगा। अमेरिका ने अब तक पहले यूक्रेन को 110 अरब डॉलर यानी करीब 9 लाख 11 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की मदद की है जिसमें 43 अरब डॉलर के हथियार शामिल हैं। दरअसल, यूक्रेन को दी जा रही लगातार मदद का अमेरिका में विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन के सांसद विरोध कर रहे हैं। इनका कहना है कि इन पैसों को अमेरिका की बॉर्डर सिक्योरिटी पर खर्च करना ज्यादा बेहतर रहेगा। यूक्रेन में हो रहे भ्रष्टाचार से अमेरिका का पैसा बर्बाद हो सकता है। पैकेज की घोषणा के बाद जेलेंस्की ने अमेरिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा- हमारे सैनिकों को अभी इसी की जरूरत है। यह एक पावरफुल पैकेज है। उन सभी अमेरिकी लोगों को धन्यवाद जो इन मुश्किल 575 दिन से यूक्रेन और वहां के नागरिक के साथ खड़े हैं। जेलेंस्की का अमेरिका का दौरा उस समय हुआ जब रूस यूक्रेन पर फिर से लगातार मिसाइल हमले कर रहा है। रूस के मिसाइल हमलों की वजह से खेरसॉन में कम से कम 3 लोगों की मौत हुई है और कई लोग घायल हुए हैं। अमेरिका के बाद अब जेलेंस्की सपोर्ट की उम्मीद में कनाडा के दौरे पर हैं। फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से ही अमेरिका यूक्रेन का समर्थन कर रहा है। अमेरिका समय-समय पर यूक्रेन को आर्थिक मदद देता रहा है। सितंबर की शुरुआत में अमेरिका ने यूक्रेन को डिप्लीटेड यूरेनियम से लैस गोला-बारूद (जिसमें यूरेनियम की मात्रा कम हो) भेजने की घोषणा की थी। इन्हें फायर करने के लिए अमेरिका यूक्रेन को अब्राम टैंक भी दे रहा है, जिसकी पहली डिलीवरी अगले हफ्ते होने की संभावना है। ये हथियार रूसी टैंकों को तबाह करने में सक्षम होंगे। डिप्लीटेड यूरेनियम वाले हथियारों को बैन करने के लिए बना इंटरनेशनल कोलिशन ये पहला मौका नहीं है, जब अमेरिका यूक्रेन को कोई विवादित हथियार भेज रहा है। इससे पहले अमेरिका ने क्लस्टर हथियारों की सप्लाई की थी, जिसका यूक्रेन जंग में इस्तेमाल कर रहा है। कम यूरेनियम वाले इस तरह के हथियारों को लेकर कई बार बहस हो चुकी है। इंटरनेशनल कोलिशन ने यूरेनियम वाले हथियारों को बैन करने की भी मांग की थी, क्योंकि इनसे कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों का खतरा होता है।

विवेक रामास्वामी ने चीन को दिखाई टेढ़ी नजर, कहा- भारत के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी ने चीन पर निशाना साधा है।

उन्होंने चीन से आर्थिक स्वतंत्रता की घोषणा का आह्वान किया है। उन्होंने भारत सहित अन्य देशों के साथ विस्तारित संबंधों को बेहतर बनाने का प्रस्ताव रखा है। रामास्वामी गृह राज्य ओहियो पहुंचे थे। यहां उन्होंने विदेश नीतियों पर बात की। विवेक रामास्वामी ने कहा कि हमारे पास स्पष्ट दृष्टिकोण है। हम चीन के साथ आर्थिक स्वतंत्रता की घोषणा करेंगे और अमेरिकी समृद्धि को बढ़ाने पर ध्यान देंगे। मैं यहां आप लोगों से झूठ नहीं कहूंगा कि हम सब चीजें तुरंत हासिल कर लेंगे। हम चीन से अलग होने के बारे में गंभीर हैं। लेकिन इसके लिए हमें भारत के साथ रिश्ता मजबूत करना होगा। रामास्वामी ने कहा कि अगर वह अमेरिका के राष्ट्रपति बनते हैं तो चीनी स्वतंत्रता के चार मुख्य तत्व होंगे। पहला जलवायु परिवर्तन एजेंडे से आजादी, जो सिर्फ तमाशा और धोखा है। दूसरा सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन बढ़ाकर। तीसरा, सैन्य खर्चे बढ़ाकर और चौथा चीनी दवा आपूर्ति खत्म करके हम चीन से आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकते हैं। राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की पहली प्राथमिक बहस के दौरान रामास्वामी के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद विभिन्न जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि उनकी लोकप्रियता बढ़ रही है। नवीनतम जनमत सर्वेक्षण से पता चलता है कि वह अगस्त के प्रदर्शन से 12 अंक ऊपर हैं। साथ ही उनके विरोधियों द्वारा उनकी आलोचना भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। हाल ही में रामास्वामी ने एक स्थानीय मीडिया से कहा था कि जब से मैंने दूसरी बहस में अच्छा प्रदर्शन किया है।

कनाडा ने भारतीय डिप्लोमैट्स की जासूसी की

किससे मिले, क्या बात की, ट्रैक किया ; निज्जर हत्याकांड की जांच के लिए भारत आए थे अफसर

कनाडा ।
भारत पर खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाने से पहले कनाडा ने भारत के डिप्लोमैट्स की जासूसी की थी। कनाडा के एक अधिकारी ने ये जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि कनाडा वहां मौजूद भारतीय अधिकारी और डिप्लोमैट्स की निगरानी कर रहा था। इसके अलावा फाइव आइज देशों के सदस्य ने भी इंटेलिजेंस जुटाने में कनाडा की मदद की थी। कनाडाई मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय डिप्लोमैट्स के कम्युनिकेशन यानी वो किससे मिले, किससे बात की, इन सबको ट्रैक किया गया था। कनाडाई अधिकारी के हवाले से इस बात का भी दावा किया है कि जब भारतीय अधिकारियों पर बंद दरवाजे के पीछे दबाव डाला गया तो उन्होंने निज्जर की हत्या में भारत सरकार के दखल के सबूत होने की बात से इनकार नहीं किया।

इस साल 2 बार भारत आए कनाडा के एनएसए

इसके अलावा मीडिया रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि निज्जर की हत्या की जांच में सहयोग मांगने के लिए कनाडा के अधिकारी कई बार भारत दौरे पर गए थे। कनाडा की एनएसए जोडी थॉमस अगस्त में 4 दिन के दौरान पर भारत में थईं। इसके अलावा वो इस साल भी कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ 5 दिन के लिए भारत आई थीं।

ट्रूडो बोले- भारत पर आरोप जल्दबाजी में नहीं लगाए

कनाडा के पीएम ट्रूडो ने न्यूयॉर्क में यूएन जनरल असेंबली की मीटिंग के बाद कहा था कि उन्होंने भारत पर आरोप किसी जल्दबाजी में नहीं, बल्कि पूरी गंभीरता के साथ लगाए हैं। हालांकि, कनाडा ने अपने आरोपों को लेकर अब तक कोई सबूत पेश नहीं किया है।

भारत ने कनाडाई लोगों के लिए वीजा सर्विस रोकी कनाडा के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवा पर रोक लगा दी थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था- कनाडा में हमारे डिप्लोमैटिक यूनिट को धमकियां मिल रही हैं। वे अपना काम नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि वीजा सर्विसेज सस्पेंड की गई हैं। साथ ही बागची ने कनाडा पर आतंकियों को पनाह देने का आरोप भी लगाया था।

भारत बोला- कनाडा के आरोप बेतुके

कनाडा की तरफ से लगाए गए सभी आरोपों को भारत लगातार खारिज करता आया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कनाडा के सभी आरोप बेतुके हैं। इसी तरह के आरोप कनाडाई प्रधानमंत्री ने हमारे पीएम मोदी के सामने भी रखे थे और उन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था। इस तरह के निराधार आरोप खालिस्तानी आतंकवादियों और चरमपंथियों से ध्यान हटाने की कोशिश है। इन्हें कनाडा में पनाह दी गई है और ये भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा हैं। इधर, खबर यह भी आई कि विदेश मंत्री जयशंकर ने बुधवार को पीएम मोदी से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें जयशंकर ने पीएम को पूरे मामले पर ब्रीफ किया है।

कोर्ट ने गैर-इस्लामिक शादी के मामले में जेल में बंद इमरान को भेजा समन, बुशरा बीबी से जुड़ा है मामला

इस्लामाबाद । इस्लामाबाद की स्थानीय अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बुशरा बीबी के साथ कथित तौर पर गैर इस्लामी विवाह से संबंधित एक मामले में 25 सितंबर को तलब किया है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, सिविल जज कुदरतुल्लाह ने अटक जेल के अधीक्षक को पूर्व पीएम को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान जेल में बंद हैं। उन्हें तोशाखाना मामले में आरोपी पाए जाने के बाद उन्हें जेल में डाला गया था। इमरान खान को उनके लाहौर वाले आवास जमन पाक रेसिडेंस से पांच अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। मौजूदा समय में इमरान खान पर अपनी तीसरी पत्नी बुशरा बीबी से इद्दत के दौरान निकाह करने का आरोप है। इद्दत एक इस्लामिक शब्दावली है, जिसमें अपने पति से तलाक लेने या उसकी मृत्यु के बाद दूसरी शादी करने से पहले महिला के इंतजार करने की एक निर्दिष्ट समय-सीमा होती है। इमरान खान ने जुलाई में अपने और अपनी पत्नी के खिलाफ दायर की गई अदालत की एक याचिका को चुनौती दी थी।इस याचिका में बताया गया था कि इमरान ने तीसरी शादी अपनी पत्नी के इद्दत के दौरान की थी। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार 18 जुलाई को इस्लामाबाद के एक न्यायिक मजिस्ट्रेट कुदरतुल्लाह ने नौ पन्नों का फैसला जारी किया था, जिसमें इमरान खान की अवैध निकाह की याचिका को स्वीकार्य की थी। जज ने भी इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को अदालत में पेश होने के लिए कहा है। अपनी याचिका में पूर्व पीएम इमरान खान ने बताया कि यह पाकिस्तान दंड संहिता (पीपीसी) की धारा 496 के अंतर्गत अपराध नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह से मुकदमें को जारी रखना कानून का दुरुपयोग करना है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, यूक्रेन संकट को क्यों नहीं सुलझा पाई भारत ने बताई वजह

न्यूयॉर्क ।
यूक्रेन युद्ध को एक साल से भी ज्यादा समय बीत चुका है लेकिन अभी तक इसका हल नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में भारत ने इसे लेकर गंभीर सवाल उठाया है। भारत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सवाल उठाना चाहिए कि यूक्रेन युद्ध को सुलझाने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पूरी तरह से अप्रभावी क्यों रही बता दें कि संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद पर अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी है। हालांकि मौजूदा हालात में यह निकाय पूरी तरह से बेअसर साबित हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार की उठाई मांग

संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन में शांति और सुरक्षा के मुद्दे पर खुली बहस में बोलते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) संजय वर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ठहरकर सोचना चाहिए और यह सवाल पूछना चाहिए कि क्या हम यूक्रेन में किसी संभावित समधान के करीब हैं अगर ऐसा नहीं है तो ऐसा क्यों है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, यूक्रेन संकट के समाधान में पूरी तरह से अप्रभावी हो गया है संजय वर्मा ने कहा कि बहुपक्षवाद को प्रभावी बनाने के लिए पुरानी और पुरातन संस्थाओं में सुधार और पुनर्निर्माण की जरूरत है, वरना उनकी विश्सनीयता घटती रहेगी।

बातचीत से ही विवाद का हल संभव

संजय वर्मा ने कहा कि यूक्रेन की स्थिति पर भारत ने लगातार चिंता जताई है और कहा है कि दिल्ली ने हमेशा इस बात की वकालत की हे कि मानव जीवन की कीमत पर कभी भी कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता। पीएम मोदी ने कहा भी है कि यह युग, युद्ध का नहीं है। यह विकास और सहयोग का समय है। हमने आग्रह किया है कि दुश्मनी को तुरंत खत्म करके बातचीत और कूटनीति के रास्ते समाधान के प्रयास किए जाने चाहिए। संजय वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मतभेदों और विवादों को सुलझाने का एकमात्र रास्ता बातचीत ही है, भले ही समय कितना भी कठिन क्यों ना हो।

दुनिया में बढ़ रहा संकट

यूक्रेन संकट के चलते भोजन, ईंधन और ऊर्वरकों की बढ़ती कीमतों पर भी भारत ने चिंता जाहिर की और कहा कि इससे बड़े पैमाने पर दुनिया प्रभावित हो रही है, खासकर वैश्विक दक्षिण के देश इससे विशेष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। वर्मा ने कहा कि वैश्विक दक्षिण के देशों की आवाज सुनी जानी चाहिए और उनकी चिंताओं को समझा जाए। जी20 की अध्यक्षता के दौरान हमने सुनिश्चित किया कि वैश्विक दक्षिण के देशों की चिंताओं और आर्थिक नुकसान को जी20 एजेंडे में सबसे आगे लाया जाए। बता दें कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में काउंसिल प्रेसीडेंसी के तहत आयोजित हुई खुली बहस में संबोधित किया।

न्यूयॉर्क हाईवे पर टायर में खराबी के कारण चार्टर बस फिसलकर तटबंध से नीचे गिरी; दो की मौत, कई घायल

न्यूयॉर्क ।

न्यूयॉर्क हाईवे पर स्कूली बच्चों को बैंड कैंप ले जा रही एक चार्टर बस फिसलकर तटबंध से नीचे गिर गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत तो अन्य घायल हो गए। यह बस उन कारवान में से एक थी, जो लॉन्ग आईलैंड के फार्मिंगडेल हाई स्कूल से मार्चिंग बैंड, कलर गार्ड और डांसरों को पूर्वोत्तर पेंसिलवेनिया के ग्रीले में एक कैंप की वार्षिक यात्रा पर ले जा रही थी। यह घटना तब घटी, तब बस अपने गणतव्य स्थान से महज 30 मिनट की दूरी पर थी।

गवर्नर कैथी होचुल ने बताया कि बस के टायर में खराबी होने के कारण यह सड़क किनारे जा गिरी। इस हादसे में मरने वाले दो लोगों में हाई स्कूल के बैंड डायरेक्टर 43 वर्षीय जीना पेलेटियर और 77 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक बेट्रिस फरारी शामिल हैं। फर्मिंगडेल स्कूल का 15 वर्षीय छात्र इस घटना के समय बस में सो रहा था। घटना के दौरान उसे जोरदार झटका महसूस हुआ, जिससे उसकी नींद खुल गई। उसने बताया कि उसे ऐसा लगा जैसे उसने कोई सपना देखा हो। ऐसा महसूस हुआ जैसे की बस पलट रही है।

बच्चे ने कहा, मेरे साथ बैठा हुआ बच्चा खून से लथपथ था, चारो तरफ खून ही खून था। उसने बताया कि वह बस की खिड़की के सहारे बाहर निकला। इस हादसे में उसे केवल चोटें और खरोच लगी। बस से बाहर निकलने पर उसे उसका बैगपैक और खोया हुआ एक जूता मिला।

गवर्नर होचुल ने बताया बस हाईवे के पूर्व और पश्चिम की ओर जाने वाली लेन के बीच एक खड़ी ढलान से 50 फीट नीचे गिर गई। हादसे में बस की छत उखड़ गई। सीढ़ी की मदद से बचावकर्मी बस की खिड़की तक पहुंचने में कामयाब रहे। उन्होंने बताया कि बस में सवार 40 छात्रों में कई नए छात्र भी थे। इस हादसे के बाद वार्षिक यात्रा पर जाने वाली अन्य बसें लॉन्ग आइलैंड वापस लौट आईं। क्षेत्रीय अस्पतालों में घायलों का इलाज कराया गया।

अमेरिका बोला- निज्जर की हत्या की जांच हो: मीडिया रिपोर्ट में दावा जी20 समिट में अमेरिका-ब्रिटेन ने पीएम मोदी के सामने उठाया था मामला

वॉशिंगटन ।
खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कनाडा ने इस हत्या का आरोप भारत पर लगाया है। अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर जेक सुलिवन ने व्हाइट हाउस में मीडिया से कहा कि वह इस हत्या के मामले में भारत के खिलाफ जांच में कनाडा के प्रयासों का समर्थन करते हैं। सुलिवन ने आगे कहा- कोई भी देश हो इस तरह के कामों के लिए किसी को भी स्पेशल छूट नहीं मिलेगी। दावा किया है कि जी20 समिट के दौरान बाइडेन सहित फाइव आइज देशों ने कनाडा के आरोपों पर चिंता जताई थी। इन देशों के प्रमुखों ने पीएम मोदी के सामने निज्जर की मौत का मुद्दा उठाया था।

फाइव आइज इंटेलिजेंस शेयरिंग अलायंस है। इसमें शामिल अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा आपस में खुफिया सूचनाएं साझा करते हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने 18 सितंबर को निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाया था। भारत ने दावों को बेतुका कहकर सिरे से खारिज कर दिया था।

अमेरिका के एनएसए ने कहा- हम कनाडा के समर्थन में

अमेरिका के एनएसए सुलिवन ने कहा- जैसे ही हमने कनाडाई प्रधानमंत्री से आरोपों के बारे में सार्वजनिक रूप से सुना, हम स्वयं सार्वजनिक रूप से सामने आए और उनके बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की, जो कुछ हुआ उसकी तह तक जाने के लिए हम कनाडा का पूरा समर्थन करते हैं। सुलिवन ने कहा, यह हमारे लिए चिंता का विषय है। यह ऐसी चीज है जिसे हम गंभीरता से लेते हैं। हम अपने बुनियादी सिद्धांतों की रक्षा करेंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा था कि इस मुद्दे पर अमेरिका और कनाडा के बीच मतभेद चल रहा है। सुलविन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। सुलिवन ने कहा- कनाडा ने जो आरोप लगाए हैं। हम चाहेंगे कि इस जांच को आगे बढ़ाया जाए और अपराधियों को सजा दी जाए। सार्वजनिक रूप से यह बात सामने आने के बाद से ही अमेरिका इसी बात पर कायम है। मैं डिप्लोमेट्स के बीच निजी बातचीत के बारे में नहीं बताने जा रहा हूं, लेकिन हम अपने कनाडाई समकक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। हम उनके साथ करीबी तौर पर परामर्श कर रहे हैं।

बाइडेन के गणतंत्र दिवस पर भारत आने पर कमेंट नहीं

सुलिवन ने जनवरी में राष्ट्रपति जो बिडेन की संभावित भारत यात्रा पर एक सवाल का जवाब देने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, इस वक्त मेरे पास इस तरह की कोई जानकारी नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन जनवरी या उसके आसपास भारत यात्रा पर जाएंगे।

भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने 20 सितंबर को कहा था कि जी-20 समिट से इतर प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय बैठक के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को अगले साल 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है।

चीन के वुहान लैब को यूएन से फंड नहीं मिलेगा

अमेरिकी हेल्थ सर्विस का फैसला, इसी लैब से कोरोना वायरस लीक होने का शक

वॉशिंगटन।
अमेरिका ने चीन की वुहान वायरोलॉजी लैब की फंडिंग बंद कर दी है। अमेरिका की हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विस ने वुहान लैब की डायरेक्टर जनरल डॉ. वांग को एक लेटर के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी है। 10 साल यह फंडिंग बंद रहेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक- इस बात के कई सबूत मौजूद हैं कि कोरोना वायरस वुहान की इस लैब से ही लीक हुआ था। शक ये भी है कि चमगादड़ों पर किए जा रहे किसी टेस्ट के दौरान यह वायरस लीक हुआ था।

लैब ने नहीं दिया जवाब - अमेरिका ने जुलाई में दी जाने वाली फंडिंग रोकने का फैसला किया था। इसके पहले वुहान लैब से संपर्क करने की कोशिश की गई थी, लेकिन वहां से कोई जवाब ही नहीं मिला। इसके बाद बाइडेन एड़मिनिस्ट्रेशन ने इस फंडिंग पर 10 साल के लिए रोक लगा दी।

वुहान लैब को जारी लेटर में अमेरिका ने कहा- हमने कुछ सवाल इस लैब को भेजे थे। इस पर लैब की तरफ से कोई माकूल जवाब नहीं मिला। उन्होंने कुछ शर्तों को पूरा नहीं किया और इसकी जिम्मेदारी भी कबूल नहीं की। लैब किसी तरह के सहयोग के लिए भी राजी नजर नहीं आया। लिहाजा, उसकी फंडिंग बंद करने का फैसला लिया गया।

अमेरिकी अधिकारी ने कहा- वुहान लैब से ही फैला कोरोना - कोविड पर अमेरिकी हाउस सेलेक्ट सबकमिटी के चैयरमेन ब्रेड वेनस्ट्रुप ने लेटर की कॉरी जारी की। कहा- खुफिया जानकारी और सबूतों से पता चलता है कि कोविड-19 वुहान लैब में गड़बड़ी की वजह से ही फैला। अगर हम इस तरह के ऑर्गनाइजेशन की फंडिंग जारी रखते हैं तो इससे फ्यूचर में इसी तरह की महामारियां फैलने का खतरा बढ़ जाएगा।

वेनस्ट्रूप ने आगे कहा- हमारी हेल्थ अथॉरिटिज को वुहान लैब के खतरनाक हालात के बारे में जानकारी थी। लैब ने तमाम गलत चीजों और सबूतों को छिपाया। इसके बाद गलत बातें फैलाईं। इन सभी मामलों की बारीकी से जांच होनी चाहिए।

7 साल में 14 लाख डॉलर दिए - रिपोर्ट्स के मुताबिक- अमेरिका ने 2014 से 2021 के बीच नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ और यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट से वुहान लैब को 14 लाख डॉलर (करीब 12 करोड़ रुपए) ज्यादा की फंडिंग की।

वुहान लैब से लीक हुआ वायरस - करीब तीन साल पहले चीन के वुहान से फैला कोरोना वायरस लैब में बनाया गया था। यह दावा अमेरिकी वैज्ञानिक एंड्रू हफ ने अपनी किताब द ट्रुथ अबाउट वुहान में किया था। उनका कहना है कि अमेरिकी सरकार चीन में कोरोना वायरस बनाने के प्रोजेक्ट को फंड कर रही थी। हफ इस लैब में काम भी कर चुके हैं। कोरोना महामारी की शुरुआत से ही वुहान लैब से कोरोना लीक होने की कई थ्योरी आ चुकी हैं। यहां काम करने वाले रिसर्चर्स विशेष रूप से कोरोना वायरस की प्रजातियों को स्टडी करते हैं। ऐसे में किसी वैज्ञानिक के जरिए इसका संक्रमण फैलने की आशंका है। हालांकि, हमेशा से ही चीनी सरकार और वुहान लैब ने इन आरोपों को खारिज किया है। हफ का कहना है कि चीन को पहले दिन से यह पता था कि कोरोना कोई नेचुरल वायरस नहीं है, बल्कि इसे जेनेटिकली मॉडिफाई कर बनाया गया है। तभी यह लैब से लीक हुआ है। इसके बावजूद सुरक्षा और लोगों को आगाह करने में ढील दी गई। चीन ने न सिर्फ बीमारी के आउटब्रेक के बारे में झूठ बोला, बल्कि उसे प्राकृतिक साबित करने की हर कोशिश की। हैरानी की बात यह है कि अमेरिकी सरकार ने भी दुनिया से झूठ बोला। हफ ने 2014 से 2016 तक इको-हेल्थ अलायंस में वाइस प्रेसिडेंट के तौर पर काम किया है। यह कंपनी पिछले 10 सालों से एनआईएच से फंडिंग लेकर चमगादड़ों में मिलने वाले कई तरह के कोरोना वायरस पर रिसर्च कर रही है।

चंबल नदी के तेज बहाव में बहे छह युवक, तीन को बचाया

धौलपुर (हिंस)। पूर्वी राजस्थान के धौलपुर में चंबल नदी में नहाने गए तीन किशोर तेज बहाव में बह गए। हादसा शुक्रवार दोपहर आगरा-मुंबई हाईवे स्थित पुराने चंबल सड़क पुल के पास हुआ। हादसे के बाद में पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीम बचाव कार्य में जुटीं हैं। लेकिन शाम तक पानी बहे किशोरों का कोई पता नहीं चल सका। अपर पुलिस अधीक्षक ओपी मीणा ने बताया कि शुक्रवार दोपहर धौलपुर के पुराना शहर निवासी गोलू एवं लकी के साथ में उनकी रिश्तेदारी में आए चार अन्य किशोर शहजाद, इरशाद, मुबारक और सूफीयाना चंबल नदी में नहाने गए। दोपहर को चंबल नदी पर बने पुराने सड़क पुल के नीचे नहाते समय इनमें से एक किशोर गहरे पानी में डूबने लगा। उसको बचाने के लिए सभी लोग पानी में उतर गए तथा तेज बहाव में बहने लगे। कुछ ही दूर पर धौलपुर-भरतपुर पेयजल परियोजना के इंटेक वेल के पास खंभा नंबर तीन पर नीचे लटक रही बिजली की केबल को तीन किशोरों ने पकड लिया। जबकि तीन अन्य पानी के तेज बहाव में बहते चले गए। केबल पकड कर लटक रहे किशोरों शहजाद आयु 18 वर्ष निवासी ग्वालियर, गोलू आयु 16 वर्ष निवासी धौलपुर तथा इरशाद 18 वर्ष निवासी मुरैना ने शोर मचाया, तो स्थानीय लोगों ने पहले रस्सा फेंका तथा बाद में पुलिस की मदद से स्टीमर से उनको बाहर निकाल लिया। जबकि उनके साथी एवं रिश्तेदार मुबारक आयु 19 वर्ष निवासी ग्वालियर, लकी आयु 16 वर्ष निवासी धौलपुर तथा सूफीयाना आयु 18 वर्ष निवासी बाडी चंबल के पानी में तेज बहाव में बह गए। हादसे की सूचना पर मौके पर पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीमें बचाव कार्य में जुटीं हैं। दोहपर के बाद में बरसात होने तथा चंबल के पानी के तेज बहाव के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

खालिस्तान पर हो रही सिर्फ राजनीति : मनिंदरजीत बिट्टा

जोधपुर (हिंस)। ऑल इंडिया एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा ने कहा कि खालिस्तान पर सिर्फ राजनीति हो रही है। अव्वल तो कभी खालिस्तान बनेगा नहीं और अगर ऐसी नौबत आई तो उसके लिए हमारे जैसे देशभक्तों की लाश पर से गुजरना होगा। बिट्टा जोधपुर में निजी कार्यक्रम में शिरकत करने आए हुए हैं। वे यहां आज पत्रकारों से रूबरू थे। उन्होंने कहा कि पूरा सिख समाज एकजुट हों, गुरुद्वारा साहिब संगत एकत्रित कर ले और कहे हमें खालिस्तान नहीं चाहिए। इसके बाद आप देखिए यह आंदोलन पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें पाकिस्तान से नहीं मिलना, ये देश के दुश्मन है जिनकी गलतियों से 1984 में दंगे हुए और ऑपरेशन ब्लू स्टार हुआ। उनकी गलतियों से 36 हजार बेगुनाह लोगों का पंजाब में कत्ल ए आम हुआ। उन्होंने कहा मैं भारतीय

पहले हूं और सिख बाद में। मेरे लिए राष्ट्र ही सबसे पहले था और राष्ट्र ही सबसे पहले रहेगा। उन्होंने कहा कि कोई सिख भाई सड़क पर आए या ना आए, गुरुद्वारा कमेटियां इसके खिलाफ बोले या ना बोले, लेकिन बिट्टा हमेशा इसके खिलाफ बोलता रहेगा और इसके लिए कई गोलियां और बम खाने को भी तैयार है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बिट्टा को कौम का गद्दार कहते है, भले ही कहो, लेकिन मैं देश का गद्दार नही बनूंगा। धर्म के ठेकेदारों को सड़क पर आकार खालिस्तान का समर्थन करने वाले इन देशद्रोहियों को कहना ही होगा कि तुम गलत हो और तुम्हारे कारण ही हमारे बच्चे फंसे हैं। कनाडा में आतंकवादियों के मरने पर मातम मनाया जा रहा है लेकिन मैं कह दूं कि इन लोगों ने जो हमें सुंदर पहनावा गुरु महाराज ने दिया है उसको भी बिगाडने का काम किया। सरदार बनाना है तो जगजीत सिंह अरोड़ा और एयर मार्शल अर्जन सिंह जैसे बनो, जो राष्ट्र के लिए सेवा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कनाड़ा सरकार खालिस्तानियों के खून से बनी है और अभी वहां इलेक्शन है इसीलिए इस मुद्दे को हवा दी जा रही है। समाज के लोगों को ही सामने आकर खालिस्तानियों को जवाब देना होगा हर बार हम केंद्र की मोदी सरकार के भरोसे नहीं रह सकते।

पंजाबी कलाकारों के भारत और कनाडा दौरे रद्द

चंडीगढ़ (हिंस)। भारत और कनाडा के संबंधों में पैदा हुई खटास का असर पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री पर भी पड़ना शुरू हो गया है। पंजाबी कलाकारों के भारत और कनाडा दौरे रद्द हो गए हैं। भारत के मानचित्र से पंजाब और जम्मू-कश्मीर को हटाने की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद विवादों में आए कैनेडियन सिंगर शुभनीत सिंह उर्फ शुभ का भारत दौरा रद्द हो गया है। पंजाबी मूल के सिंगर शुभनीत लंबे समय से कनाडा में रह रहे हैं और वह 23 सितंबर से शो करने के लिए भारत आने वाले थे। शुक्रवार को शुभ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर अपनी प्रतिक्रिया दी। शुभनीत उर्फ शुभ की यह प्रतिक्रिया, बोट-स्पीकर कंपनी मुंबई द्वारा स्पॉन्सरशिप वापस लेने और 23 सितंबर से लेकर 25 सितंबर तक शो के रद्द होने के बाद आई है। शुभ का सिर्फ मुम्बई ही नहीं, पूरे भारत का दौरा रद्द हो गया है। उनके दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु सहित विभिन्न 12 शहरों में शो होने थे। बुक मॉय शो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी दी है। यह शो कॉर्डेलिया क्रूज पर आयोजित होना था। शुभ को 23-25 सितंबर तक मुंबई में अपना शो करना था। इसके बाद 6 अक्तूबर को चंडीगढ़ और 7 अक्तूबर को लुधियाना में भी प्रस्तुति देनी थी। पंजाबी गायक शंकर साहनी ने भी अपना कनाडा दौरा रद्द कर दिया है। साहनी ने शुक्रवार सुबह एक वीडियो जारी करके कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव का माहौल पैदा होने से पंजाब सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। पंजाब और कनाडा एक-दूसरे के पूरक हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए उन्होंने निकट भविष्य में शुरू होने वाले कनाडा के सभी टूर व कार्यक्रम रद्द करने का फैसला किया है। शंकर साहनी को कनाडा में कई लाइव शो करने थे।

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दादी से मिलकर लिया आशीर्वाद, की ईश्वरीय ज्ञान चर्चा

सिरोही (हिंस)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में आयोजित चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार सुबह गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा इसके बाद काफिले के साथ प्रकाश स्तंभ पर पहुंचें, जहां कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि द्वारा की गई सेवाओं की जानकारी दी। उन्हें बताया कि कैसे दादी ने बहुत छोटे स्तर से संस्थान की सेवाओं को विश्व पटल पर पहुंचाया। इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा दादी गुलजार की स्मृति में बने अव्यक्त लोक पहुंचे जहां पीआरओ बीके कोमल ने उन्हें बताया कि कैसे दादी ने 50 साल तक परमात्मा के संदेशवाहक की भूमिका निभाई। परमात्म की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाया। लाखों लोगों को परमात्म की अनुभूति कराई। इस दौरान सीएम ने दादी को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद शिव भोलानाथ का भंडारा पहुंचे। जहां सौर ऊर्जा से भोजन बनने की प्रक्रिया को समझा। इसके बाद मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी से मुलाकात की और दादी से ज्ञान चर्चा की। दादी से आशीर्वाद लिया और उनकी कुशलक्षेम पूछी।

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री से मांगा कर्ज की राशि के खर्च का ब्योरा

मुख्यमंत्री मान के पत्र का राज्यपाल पुरोहित ने दिया जवाब

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने आरडीएफ के मुद्दे पर मुख्यमंत्री भगवंत मान के पत्र का जवाब देते हुए अब नए मुद्दे पर सरकार को घेरा है। राज्यपाल ने आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार के कार्यकाल के दौरान लिए गए कर्ज तथा कर्ज की राशि के इस्तेमाल को लेकर रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दो दिन पहले राज्यपाल पुरोहित को पत्र लिखकर कहा था कि पंजाब का केंद्र की तरफ ग्रामीण विकास निधि के रूप में 5637 करोड़ रुपए बकाया है। यह राशि पंजाब को दिलवाने के लिए राज्यपाल केंद्र सरकार से बातचीत करें। शुक्रवार को राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने इस पत्र का जवाब देते हुए कहा है कि वह पंजाब के लोगों की सेवा करने के अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री के समक्ष आरडीएफ का मामला उठाने में हस्तक्षेप के लिए मुख्यमंत्री के अनुरोध को स्वीकार करते हैं। राज्यपाल ने यह भी कहा कि मामला वर्तमान में कोर्ट में है और मुख्यमंत्री ने उन्हें इस मामले में शामिल

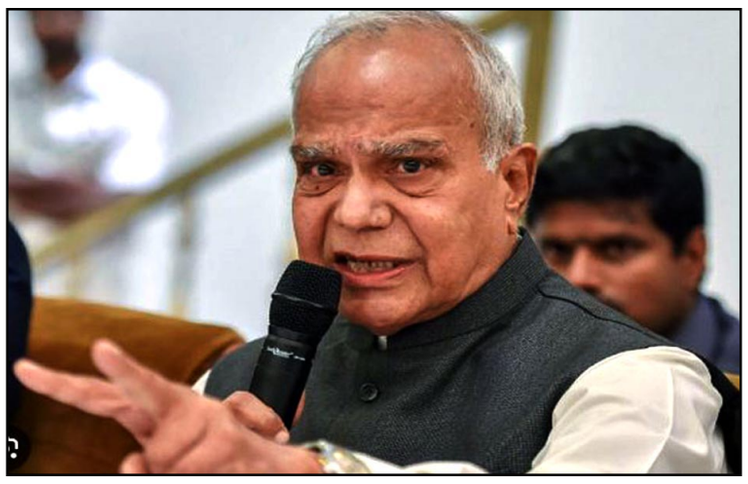

करने से पहले ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा दिया था। राज्यपाल ने कानून की उचित प्रक्रिया का सम्मान करने और मामले पर न्यायिक निर्णय की प्रतीक्षा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कोई भी आगे की कार्रवाई करने से पहले न्यायिक प्रक्रिया के परिणाम की प्रतीक्षा करना ही उचित होगा। राज्यपाल ने राज्य की वित्तीय स्थिति के संबंध में बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान पंजाब पर लगभग 50 हजार करोड़ का कर्ज बढ़ गया है। आरडीएफ मामले के हल के लिए आगे बढ़ते हुए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री से ऋण की इस भारी-भरकम राशि के उपयोग संबंधी विस्तृत जानकारी देने को कहा है। राज्यपाल का मानना है कि यह जानकारी उन्हें प्रधानमंत्री के समक्ष मामले को प्रभावी ढंग से पेश करने और यह दर्शाने में सक्षम बनाएगी कि धन का उपयोग पंजाब के लोगों के लिए एक जिम्मेदार तरीके से और उनके कल्याण के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब और इसके निवासियों के सर्वोत्तम हितों को बनाए रखने के प्रति वे पूरी तरह से समर्पित हैं। राज्य के वित्त और संसाधनों से संबंधित मामलों में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की उनकी प्रतिबद्धता पंजाब के लोगों की निष्ठापूर्वक सेवा करने की उनकी अटूट दृढ़ता को दर्शाती है।

गोवा के मुख्यमंत्री सावंत बोले, कांग्रेस पार्टी चलाने के लिए राजस्थान बना एटीएम

अलवर (हिंस)। देश में कांग्रेस पार्टी चलाने के लिए राजस्थान एटीएम का काम कर रहा है। पार्टी को राजस्थान से पैसे पहुंचाए जाते हैं। यह कहना है गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत का। वे शुक्रवार को भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दौरान भिवाड़ी में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी चलाने के लिए राजस्थान एटीएम बन चुका है। यहां से पैसे पहुंच जाते हैं। जिसे देखते हुए आमजन यहां भाजपा की सरकार चाहता है। आमजन कुशासन की इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहता है। उन्होंने कहा कि पैसे का भ्रष्टाचार तो सुना था लेकिन यहां तो सरकारी कार्यालय में ही भ्रष्टाचार का गोल्ड मिल रहा है। साथ ही माइंस का घोटाला राजस्थान में

जोरों पर है क्योंकि माइंस से बड़ा रेवेन्यू सरकार को प्राप्त होता है। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या उन्होंने सरकार बनाने के समय जो वादे जनता से किए थे वह वादे पूरे किए जबकि भाजपा जो वादे चुनाव में करती है उन्हें पूरा करती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पिछले 5 साल में 19 बार पेपर आउट हुए। राजस्थान सरकार पेपर लीक वाली सरकार बन गई है। यहां सरकार के मंत्री द्वारा पेपर लीक कराए गए। यहां हर चीज में घोटाला है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वह कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंक और राजस्थान में भी डबल इंजन की सरकार लाएं। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान में दलितों पर हुए अत्याचार के कुछ मामले भी बताएं साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं का बखान किया। इस अवसर पर उनके साथ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया सहित अनेक नेता मौजूद रहे।

केंद्र, राज्य सरकार की योजनाओं से हर कोई लाभान्वित : सुधीर सिंगला

गुरुग्राम (हिंस)। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला के कार्यालय पर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत आम जनता के लिए शुक्रवार को कैंप लगाया गया। इस कैंप में पहुंचे लोगों ने योजना से संबंधित खुद को पंजीकृत कराया। साथ ही विधायक ने लोगों को अपील की कि वे खुद को पंजीकृत कराकर योजना का लाभ लें। यहां लोगों को सरकारी की योजनाओं का लाभ लेने के प्रति जागरुक, प्रेरित करते हुए विधायक ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से जनहित में अनेक योजनाओं को लागू किया गया है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि शुरुआत में प्रधान मंत्री ने प्रत्येक परिवार के लिए कम से कम एक मूलभूत बैंक खाता, वित्तीय साक्षरता, ऋण, बीमा और पेंशन सुविधा तक पहुंच के साथ देश के सभी परिवारों को बैंकिंग सेवाओं तक सार्वजनिक पहुंच प्रदान की। इसके अंतर्गत ऐसा कोई व्यक्ति जिसका कोई बचत बैंक खाता न हो, वह बिना किसी न्यूनतम शेष की आवश्यकता के एक खाता खोल सकता है। पीएमजेडीवाई में बैंक सुविधा से वंचित व्याक्तियों को बैंकिंग सेवाओं की सहज उपलब्धकता तथा वित्तीडय साक्षरता कार्यक्रम के जरिए वित्तीय उत्पोदों के बारे में जागरूकता सृजित करने की व्यथवस्थाई की गई है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि अटल पेंशन योजना प्रधानमंत्री द्वारा 9 मई, 2015 को आरंभ की गई थी।

किसानों ने मांगों को लेकर लघु सचिवालय में किया प्रदर्शन

जींद (हिंस)। लघु सचिवालय में शुक्रवार को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी किसानों ने मांगों से संबंधित राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। प्रदर्शन से पहले किसानों ने रोष सभा करते हुए धरना दिया। जिसकी अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान सभा के राज्य प्रधान बलबीर गुरसर, फूल सिंह श्योकंद, रामफल कंडेला, छज्जूराम कंडेला ने संयुक्त रूप से की। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन महीने से पूरे हरियाणा प्रदेश की जनता बाढ़ और सूखे से जूझ रही है। सबसे सोचनीय बात यह है कि बाढ़ का प्रकोप अत्यधिक बारिश से नहीं बल्कि बाहर से आने वाले पानी को नियंत्रित करने में हुई विफलता का परिणाम रहा है। यदि समय रहते सरकारी प्रशासन अपनी जिम्मेदारी वहन करते हुए सभी ड्रेनों, नालों, नदियों आदि की सफाई सुनिश्चित करता तो बाढ़ से हुए जान-माल और फसलों की भयंकर बर्बादी से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि दूसरी दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि बाढ़ के दौरान सरकार और प्रशासन तो नदारद रहे और जितने भी बचाव और राहत के कार्य हुए वह लोगों ने सामुहिक प्रयासों से ही किए। इनमें किसान और किसान संगठनों की बहुत ही सराहनीय भूमिका रही है। बारिश न होने से आधे से ज्यादा प्रदेश सूखे की चपेट में हैं। फसलें सूख गई हैं और कई इलाकों में तो पीने के पानी तक की किल्लत लोगों को झेलनी पड़ रही है। हरियाणा सरकार ने बर्बाद हुई फसलों और अन्य हानि के संबंध में आभी तक मात्र कुछ घोषणाओं के कुछ भी ठोस नहीं किया है। प्रदेशभर में 6.5 लाख एकड़ से ज्यादा फसलें डूब गई, कितने पशु मारे गए, ढाणियां खराब हुई, ट्यूबवैल मोटरें खत्म हो गई, किसानों को दोबारा से धान लगाना पड़ा। आजतक सहायता प्रदान करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। अभी तक सूखे के प्रकोप को तो घोषित भी नहीं किया गया है। जिसके चलते प्रदेश के किसान व खेत, मजदूर तबकों में भारी रोष व्याप्त है।

कश्मीर में राजनीतिक दलों ने नजरबंदी से मीरवाइज उमर फारूक की रिहाई का किया स्वागत

श्रीनगर (हिंस)। कश्मीर में राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को चार साल से अधिक की नजरबंदी से हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक की रिहाई का स्वागत किया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने *एक्स* के माध्यम से कहा कि मैं मीरवाइज उमर फारूक को नजरबंदी से रिहा करने के लिए प्रशासन के इस कदम का स्वागत करता हूं। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन उन्हें स्वतंत्र रूप से घूमने, लोगों के साथ बातचीत करने और अपनी सामाजिक, धार्मिक जिम्मेदारियों को फिर से शुरू करने की अनुमति देगा। मीरवाइज उमर फारूक की रिहाई का स्वागत करते हुए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी *एक्स* पर लिखा कि आखिरकार मीरवाइज उमर फारूक अपनी हिरासत खत्म होने के बाद एक स्वतंत्र व्यक्ति की तरह चलेंगे। एक धार्मिक प्रमुख के रूप में पूरे जम्मू-कश्मीर में उनका बहुत सम्मान किया जाता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनकी रिहाई का श्रेय लेने के लिए भाजपा के विभिन्न राजनीतिक संगठनों के बीच पहले से ही खींचतान शुरू हो गई है। अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि मैं मीरवाइज उमर फारूक को ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में शुक्रवार की नमाज का नेतृत्व करने की अनुमति देने के फैसले के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एलजी मनोज सिन्हा को धन्यवाद देना चाहता हूं। आशा है कि मीरवाइज साहब समाज को सकारात्मक तरीके से आकार देने में अपनी भूमिका निभाएंगे। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के मुख्य प्रवक्ता सलमान निजामी ने कहा कि आज सरकार ने मीरवाइज उमर फारूक साहब को श्रीनगर की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में सामूहिक प्रार्थना का नेतृत्व करने की अनुमति देने का फैसला किया है।

नारी शक्ति वंदन विधेयक से नारी का आत्म-सम्मान बढ़ेगा : कविता जैन

सोनीपत (हिंस)। पूर्व मंत्री डॉ. कविता जैन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत इच्छाशक्ति की बदौलत देश में महिला आरक्षण बिल सर्वसम्मति से पारित हुआ है। नारी शक्ति वंदन विधेयक से नारी का आत्म-सम्मान बढ़ेगा। इस कदम से देश में महिलाएं के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अनुकूल वातावरण तैयार कर पाएंगी। कविता जैन ने भाजपा महिला कार्यकर्ताओं के साथ राज्यसभा में विधेयक पारित होने की कार्रवाई देखी। शुक्रवार को अलग अलग कार्यक्रमों में महिलाओं को संबोधित किया और कहा कि महिला आरक्षण बिल महिला सशक्तिकरण का संकल्प सिद्धि की ओर बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बदौलत महिलाओं को सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक क्षेत्र में अनुकूल माहौल देने के मजबूत प्रयास हो रहे हैं। पंचायती राज, शहरी निकाय संस्थाओं में महिला को उचित प्रतिनिधित्व देने के बाद अब लोकसभा से लेकर विधानसभा स्तर पर भी महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने से देश, समाज भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी कैबिनेट व बिल के समर्थन में आए सभी लोकसभा, राज्यसभा सदस्यों का धन्यवाद किया। महिला कार्यकर्ताओं में कविता चौधरी, इंदू वेलचा, सुनीता लोचब, दीपा, मीनू सेनी, पूनम, काजल, रीनू शर्मा, किरण बाला, प्रेमलता शामिल रही।

उदयपुर-जयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस आज से शुरू

उदयपुर (हिंस)। बहुप्रतीक्षित उदयपुर-जयपुर वाया अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ 24 सितंबर को होने जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से इसे हरी झंडी दिखाएंगे। शुभारंभ से पूर्व शुक्रवार को वंदे भारत ट्रेन का उदयपुर-जयपुर के बीच ट्रायल रन किया गया। चीफ डिपो मैनेजर प्रदीप कुमार ने ट्रायल रन के दौरान पत्रकारों को ट्रेन की विशेषताओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह ट्रेन उदयपुर के पर्यटन जगत के लिए सोने पे सुहागा साबित होगी। जहां एक ओर पर्यटकों को सफर के समय की बचत होगी, वहीं ट्रेन में उपलब्ध सुविधाएं भी उन्हें लुभाएंगी। ट्रायल रन के दौरान ट्रेन की औसत गति 110 किलोमीटर प्रति घण्टा रखा गया है। ट्रायल रन के तहत ट्रेन उदयपुर स्टेशन से प्रात: सात

बजकर पचास मिनट पर रवाना हुई जो भीलवाड़ा पौने दस बजे, अजमेर ग्यारह बजकर चालीस मिनट होते हुए जयपुर दोपहर एक बजकर पचास मिनट बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार लौटते वक्त जयपुर से दोपहर ढाई बजे रवाना होकर उदयपुर रात आठ बजकर चालीस मिनट बजे पहुंचेगी। 24 सितंबर को उद्घाटन के बाद इस ट्रेन के नियमित ठहराव राणा प्रताप नगर, मावली जंक्शन, चंदेरिया, भीलवाड़ा, अजमेर, किशनगढ़ प्रस्तावित किये गए हैं। उदयपुर से रवाना होकर जयपुर पहुंचने और जयपुर से रवाना होकर उदयपुर पहुंचने का समय ट्रायल रन वाला ही रहेगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अभी यह गाड़ी छह घण्टे में उदयपुर से जयपुर पहुंच रही है, कुछ समय बाद जब इसकी स्पीड 130 किलोमीटर प्रति होगी तब यह सफर एक घण्टा और कम हो जाएगा। ट्रायल रन से पहले उदयपुर स्टेशन पर क्षेत्रीय रेलवे अधिकारी महेंद्र देपाल ने रेलवे कार्मिकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ट्रायल रन के लोको पायलट मुबारिक हुसैन और सुशील कुमार सहयोगी रहे। ट्रेन मैनेजर सुमेर सिंह, टीआई जितेंद्र मीना, काउंसलर प्रेमशंकर जोशी रहे। इस ट्रेन में पहली बार हुआ है जब एसी स्कॉर्टिंग स्टाफ में महिला भी शामिल है। अजमेर डिवीजन में इलेक्ट्रिकल विभाग की पहली महिला स्टाफ शिल्पा दवे को वंदे भारत में संबंधित जिम्मेदारी दी गई है।

एपल के दिल्ली-मुंबई स्टोर सुबह 8 बजे से खुले : आईफोन लेने के लिए स्टोर के बाहर लाइन, शुरुआती कीमत 79,990

नई दिल्ली।

आईफोन 15 सीरीज के फोन मिलने शुरू हो गए हैं। भारत में एपल के दिल्ली और मुंबई के दोनों ऑफिशियल स्टोर सुबह 8 बजे से खुल गए हैं। आम तौर पर यह 11 बजे खुलते हैं। स्टोर के बाहर कस्टमर्स की लाइन लगी है।

मुंबई के बीकेसी स्टोर पर एक कस्टमर ने बताया कि वह कल दोपहर 3 बजे से लाइन में लगा हुआ था। न्यूज एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं भारत के पहले एपल स्टोर से पहला आइफोन लेने के लिए 17 घंटे से लाइन में लगा हुआ हूं।

ऐसा पहली बार है कि डिलीवरी के पहले दिन से ही मेड इन इंडिया आईफोन मिल रहे हैं। वैसे तो भारत में साल 2016 से ही आईफोन बन रहे हैं, लेकिन इनकी मैन्युफैक्चरिंग लॉन्चिंग के बाद शुरू होती थी। इस बार लॉन्चिंग से पहले ही इसका प्रोडक्शन शुरू हो गया था।

12 सितंबर को लॉन्च हुई थी आईफोन 15 सीरीज

कैलिफोर्निया की टेक कंपनी एपल ने 12 सितंबर को अपने वंडरलस्ट इवेंट में 79,990 रुपए की शुरुआती कीमत में आईफोन 15 सीरीज को लॉन्च किया था। कंपनी ने वॉच सीरीज 9 और वॉच अल्ट्रा 2 भी पेश की है। एपल ने पहली बार चार्जिंग के लिए टाइप-सी पोर्ट दिया है।

टाइटेनियम की बॉडी

इस बार आईफोन-15 में 48 मेगापिक्सल का मेन कैमरा दिया गया है। आईफोन-15 और 15 प्लस में बायोनिक चिप दी गई है। वहीं आईफोन-15 प्रो और प्रो मैक्स में प्रो चिप मिलेगी। प्रो मॉडल्स की बॉडी में टाइटेनियम का इस्तेमाल किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

सैम्ही होटल्स 6.75 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्टः सेंसेक्स में 160 अंकों से ज्यादा की तेजी, सरकारी बैंकों के शेयरों में खरीदारी

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 160 अंक चढ़कर 66,400 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, निफ्टी में करीब 50 अंकों की तेजी है। यह 19,800 के करीब कारोबार कर रहा है। सरकारी बैंकों के शेयरों में तेजी है। होटल और एसेट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म सैम्ही होटल्स की शेयर बाजार में ठीक ठाक एंट्री हुई है। एनएसई पर कंपनी का शेयर इश्यू प्राइस के मुकाबले 6.75 प्रतिशत ऊपर 134.50 रुपए पर लिस्ट हुआ है। जबकि बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 3.61 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 130.55 रुपए पर हुई। इसका इश्यू प्राइस 126 रुपए था। जैगल प्रीपेड ओशन सर्विसेज लिमिटेड का शेयर गिरावट में लिस्ट हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर इश्यू प्राइस के मुकाबले 1.22 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 162 रुपए पर लिस्ट हुआ। जबकि एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 164 रुपए प्रति शेयर पर हुई। कंपनी ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 156-164 रखा था। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड और साई सिल्क्स (कलामंदिर) लिमिटेड के आईपीओ बंद होंगे। सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 730 करोड़ जुटाना चाहती है। वहीं, साई सिल्क्स आईपीओ के जरिए 1,201 करोड़ जुटाना चाहती है। दोनों कंपनियों के आईपीओ 20 सितंबर को ओपन हुए थे। 4 अक्टूबर को दोनों कंपनियों के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। इससे पहले 21 सितंबर को बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 570 अंक की गिरावट के साथ 66,230 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में भी 159 अंकों की गिरावट रही, यह 19,742 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में गिरावट और सिर्फ 7 में बढ़त देखने को मिली थी।

फेस्टिव सीजन में बढ़ेगी कंज्यूमर स्पेंडिंगः 56 प्रतिशत लोग लग्जरी चीजों पर एक्स्ट्रा खर्च करने को तैयार, ट्रैवल के लिए फ्लाइट बुकिंग भी ज्यादा

नई दिल्ली। इस त्योहारी सीजन में कंज्यूमर स्पेंडिंग के बढ़ने की उम्मीद है। डेलॉयट ने कंज्यूमरसिग्नल्स नाम की रिसर्च में बताया कि उसके सर्वे में शामिल 56 प्रतिशत लोग फेस्टिव सीजन में एक्स्ट्रा खर्च करने के लिए तैयार हैं। कस्टमर्स इस दौरान उत्सव और लग्जरी की वस्तुओं की खरीददारी ज्यादा करेंगे। इसके अलावा इस शॉर्ट टर्म (फेस्टिव सीजन) में कपड़े, पर्सनल केयर, सजावट के सामान और एंटरटेनमेंट की वस्तुओं की बिक्री ज्यादा होगी। साथ ही डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट बुकिंग में बढ़ोतरी से पता चलता है कि लोग घूमने पर भी ज्यादा खर्च करेंगे। इन सब से कंज्यूमर एस्पेंडिंग में अच्छी बढ़ोतरी होगी। डेलॉयट के पार्टनर और कंज्यूमर इंडस्ट्री लीडर राजीव सिंह ने कहा कि भारतीय इकोनॉमी की पॉजिटिव ग्रोथ के चलते लोगों में प्रीमियम और लग्जरी वस्तुओं पर खर्च करने की आदत बढ़ी है। उन्होंने बताया कि जरूरत के खर्चे से लग्जरी खर्चे की ओर कस्टमर्स का यह शिफ्ट कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी तक बढ़ गया है। इससे टियर-2 और टियर-3 शहरों के रिटेल, ऑटोमोटिव, ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी जैसे सेक्टर्स जुड़े लोगों को फायदा मिलेगा। इस बार बीते साल से ज्यादा खर्च करेंगे 70 प्रतिशत लोगः ग्लोबल टेक फर्म द ट्रेड डेस्क ग्लोबल टेक फर्म द ट्रेड डेस्क की हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, 70 प्रतिशत भारतीय त्योहारों के सीजन में खर्च बढ़ाने के लिए तैयार हैं। ऐसे लोग पिछले साल के मुकाबले 35 प्रतिशत ज्यादा हैं। इस उत्साह की वजह ये है कि सर्वे में शामिल 53 प्रतिशत लोगों की माली हालत सुधरी है। प्रोफेशनल सर्विसेज नेटवर्क डेलॉय और स्ट्रैट्जी कंसल्टिंग फर्म रेडसीर के मुताबिक, पिछले साल 45 दिन के त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं ने 3.2 लाख करोड़ रुपए खर्च किए थे। इस साल ये आंकड़ा करीब 25 प्रतिशत बढ़कर 4 लाख करोड़ से ऊपर निकल सकता है। ये कोविड से पहले के मुकाबले 60 प्रतिशत ज्यादा है। 2019 के त्योहारों में 2.5 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

अमेरिकी फर्मों के लिए निर्यात पॉवरहाउस के रूप उभर रहा है भारत : बीसीजी रिपोर्ट

मुंबई।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका चीन से अपने आयात में काफी कमी करने जा रही है जिससे भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए उभरते भविष्य के निर्यात पॉवरहाउस में से एक है। भारत, मेक्सिको और दक्षिण पूर्व एशिया तेजी के साथ निर्यात विनिर्माण पॉवरहाउस के रूप में उभर रहे हैं। यह तीनों ही प्रतिस्पर्धी लागत संरचनाएं, प्रचुर श्रम संसाधन तथा विविध उद्योगों के स्तर और क्षमताओं में वृद्धि कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि संभावनाशील व्यापक घरेलू बाजार होने का भारत के लिए अतिरिक्त लाभ है। बीसीजी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत तेजी से इंजनों और टरबाइन के उत्पादक के रूप में विकसित हो रहा है। भारत के लिए एक बड़े घरेलू बाजार के होने से अतिरिक्त लाभ भी हैं।

रिपोर्ट में अमेरिका में लगातार असेंबली की ऊंची लागत और श्रमिकों की कमी बने रहने की चिंता को रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, अंतिम असेंबली और प्रणालियों को मेक्सिको और कंपोनेंट्स को जर्मनी ले जाने का एक विकल्प होगा जो त्वरित लीड समय और लचीलेपन में सुधार को संयुक्त करता है। लागत को कम करने पर केन्द्रित दूसरा विकल्प असेंबली और खरीदी को भारत को भेजने का होगा। यह मेक्सिको- जर्मनी के विकल्प और यथास्थिति के मुकाबले धीमा होगा लेकिन इसमें संभावित लागत में 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत की बचत है।

रिपोर्ट में कहा है, लागत के मामले में भारत बहुत प्रतिस्पर्धी है और उसने हाल में ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार समझौतों पर वार्ता की है। हालांकि भारत का अभी प्रमुख निर्यातक के रूप में उभरना शुरू ही हुआ है, तब भी उसके पास विनिर्माण का व्यापक आधार है जो अपने घरेलू बाजार के लिए विद्युत वाहनों से लेकर भारी मशीनरी, रसायन और उपकरण की आपूर्ति करता है।

एक अध्ययन के अनुसार भारत एक निर्यात प्लेटफॉर्म के रूप में प्रत्यक्ष विनिर्माण लागत में बहुत सुदृढ़ लाभ की स्थिति में है। बीसीजी की गणना के अनुसार अमेरिका पहुंचने पर भारत निर्मित सामग्री की औसत लागत उत्पादकता, लॉजिस्टिक, शुल्कों और ऊर्जा के लिए समायोजित कारखाना वेतन सहित अमेरिका में सामग्री के निर्मित होने से 15 प्रतिशत कम है। तुलनात्मक रूप से चीनी आयात से यह लागत लाभ केवल 4 प्रतिशत है।

परिणामस्वरूप भारत पिछले पांच वर्षों में वैश्विक विनिर्माण में एक विजेता के रूप में उभर कर आया है। अमेरिका को उसका निर्यात 23 अरब डॉलर बढ़ गया है जो कि 2018 से 2022 तक 44 प्रतिशत की वृद्धि है। इसी समय अवधि के दौरान अमेरिका का चीन से आयात 10 प्रतिशत कम हुआ है।

2018 से 2022 में चीन से अमेरिका में यांत्रिकी मशीनरी का आयात 28 प्रतिशत कम हुआ है। लेकिन मेक्सिको से 21 प्रतिशत, आसियान से 61 प्रतिशत और भारत से 70 प्रतिशत बढ़ा है।

कर्ज नहीं चुकाने वाले 25 लाख रुपये के बकायेदार भी अब होंगे डिफॉल्टर, नियमों में बदलाव का प्रस्ताव

मुंबई । आरबीआई ने जानबूझकर कर्ज नहीं चुकाने वालों को लेकर नियमों में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव किया है। इसमें जानबूझकर कर्ज नहीं लौटाने वालों (डिफॉल्टर) की परिभाषा भी तय की गई है। इस श्रेणी में उन लोगों को रखा गया है, जिन पर 25 लाख रुपये या उससे अधिक का कर्ज है और भुगतान क्षमता होने के बावजूद उन्होंने उसे लौटाने से इन्कार कर दिया। आरबीआई ने नए दिशानिर्देश के मसौदे पर संबंधित पक्षों से 31 अक्तूबर तक सुझाव मांगा है।इसमें अन्य बातों के अलावा कर्जदाताओं के लिए दायरे का विस्तार करने का प्रस्ताव है। नएनिर्देश के तहत बैंक या वित्तीय संस्थान कर्ज लेने वालों को डिफॉल्टर यानी जानबूझकर बकाया राशि नहीं लौटाने वाले की श्रेणी में डाल सकते हैं।पहचान प्रक्रिया को बेहतर कर सकते हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि जरूरत पड़ने पर कर्जदाता बकाया राशि की तेजी से वसूली के लिए उधार लेने/गारंटी देने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करेगा। जानबूझकर चूक करने वाले कर्ज सुविधा के पुनर्गठन के पात्र नहीं होंगे। वे किसी अन्य कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल नहीं हो सकते हैं। कर्जदाता किसी खाते को एनपीए के रूप में रखे जाने के 6 महीने में डिफॉल्टरों से संबंधित पहलुओं की समीक्षा करेगा।

रूपर्ट मर्डोक ने फॉक्स और न्यूज कॉर्प से इस्तीफा दिया

70 साल से चेयरमैन थे, बेटे को मिली जिम्मेदारी; इस साल 92 की उम्र में पांचवी शादी की थी

वॉशिंगटन।

मीडिया टाइकून रूपर्ट मर्डोक ने फॉक्स कॉर्प और न्यूज कॉर्प के चेयरमैन के पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे उनका 70 साल से अधिक समय का करियर अब खत्म हो गया है। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका तक फैला एक मीडिया साम्राज्य बनाया था।

यह खबर 92 वर्षीय मर्डोक की उस योजना को रद्द करने के कुछ महीने बाद आई है, जिसमें फॉक्स और न्यूज कॉर्प को मर्ज किया जाना था। रूपर्ट मर्डोक के पास दोनों कंपनियों में लगभग कंट्रोलिंग स्टेक हैं, उन्हें दोनों कंपनियों का मानद चेयरमैन नियुक्त किया जाएगा। वर्तमान में उनकी नेटवर्थ फोर्ब्स के मुताबिक 17.4 बिलियन डॉलर है। उन्होंने इसी साल मार्च में पांचवी शादी की थी।

बेटे को मिली जिम्मेदारी – कंपनियों ने बताया कि, उनकी जगह उनके बेटे लाचलान मर्डोक लेंगे। लाचलान न्यूज कॉर्प के चेयरमैन का पद संभालेंगे और फॉक्स कॉर्प के चेयरमैन और सीईओ बने रहेंगे। लाचलान मर्डोक ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरे पिता यानी रूपर्ट मर्डोक बतौर एमेरिटस चेयरमैन दोनों कंपनियों को सलाह देना जारी रखेंगे। रूपर्ट मर्डोक ने इस साल मार्च में 92 साल की उम्र में 66 साल की एन लेस्ली स्मिथ से पांचवी शादी की थी। लेस्ली स्मिथ की भी ये तीसरी शादी थी। इन दोनों की मुलाकात पिछले साल सितंबर के महीने में कैलिफोर्निया में हुई थी। रूपर्ट मर्डोक पिछले साल अपनी चौथी पत्नी से अलग हुए थे। मर्डोक की पहली तीन पत्नियों से छह बच्चे हैं। उन्होंने पिछले साल अपनी चौथी पत्नी से तलाक लिया था। 2016 में मर्डोक ने 85 साल की उम्र में 65 साल की मॉडल जेरी हॉल की शादी की थी। ये शादी 6 साल ही चली थी और दोनों 2022 में अलग हो गए थे। मर्डोक की पहली शादी पैट्रिसिया बुक से 1956 में हुई थी। यह शादी 1967 तक ही चली दूसरी शादी 1967 में अन्ना मारिया टोर्व से हुई और 1999 तक चली।

ग्लेनमार्क फार्मा के शेयर में 6 प्रतिशत की गिरावट

ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज में निरमा 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद रही, 5,654 करोड़ में डील

मुंबई।

ग्लेनमार्क फार्मा के शेयर में शुरुआती कारोबार में 6 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। एक दिन पहले खबर आई थी कि ग्लेनमार्क फर्मा की सब्सिडियरी कंपनी ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज में निरमा 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने जा रहा है। एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक ये डील कुल 5,651 करोड़ रुपए में 615 रुपए/शेयर के हिसाब से हुई है। ग्लेनमार्क फार्मा स्टॉक 828.05 के पिछले बंद के मुकाबले 815.95 पर खुला और 6.30 प्रतिशत गिरकर 775.85 के स्तर पर आ गया। डील पूरी होने के बाद ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज में ग्लेनमार्क फार्मा की 7.84 प्रतिशत हिस्सेदारी बचेगी। इस डील के जरिए कंपनी का अपना कर्ज चुकाना चुकाना चाहती है। कंपनी के चेयरमैन ग्लेन सालदान्हा ने कहा कि इससे लॉन्ग टर्म टारगेट पूरे करने में मदद मिलेगी। निरमा के मैनेजिंग डायरेक्टर हिरेन पटेल ने कहा: निरमा 2006 से फार्मास्युटिकल क्षेत्र में सक्रिय रूप से है। हम इस डील को लेकर उत्साहित हैं और मानते हैं कि यह हमारे फार्मास्युटिकल बिजनेस को ग्रोथ के अगले फेज में ले

जाने में मदद करेगी। निरमा ग्रुप की स्थापना डॉ. करसनभाई पटेल ने की थी। इसका मुख्यालय अहमदाबाद में है। ये इंडस्ट्रियल केमिकल्स, डिटर्जेंट, साबुन, सीमेंट सेक्टर और रियल एस्टेट डेवलपमेंट में मौजूद है। इस अधिग्रहण के साथ ग्रुप ने एपीआई सेगमेंट में एंट्री की है और इंजेक्शन, पेरेंटल और नेत्र संबंधी उत्पादों सहित फार्मा में अपनी मौजूदा उपस्थिति का विस्तार किया है।

शक्कर व्यापारियों को हर हफ्ते देनी होगी स्टॉक की जानकारी : इससे रिटेल मार्केट में कीमतें नियंत्रित होगी, जमाखोरी पर भी रोक लगेगी

नई दिल्ली।

अब शक्कर व्यापारियों को हर हफ्ते सोमवार को अपने स्टॉक की जानकारी अनिवार्य रूप से देनी होगी। सरकार ने रिटेल मार्केट में शक्कर की कीमतों को कंट्रोल में रखने और जमाखोरी से निपटने के लिए नोटिफिकेशन के जरिए यह आदेश जारी किया।

नोटिफिकेशन में कहा गया कि शुगर के ट्रेडर/होलसेलर, रिटेलर, बिग चेन रिटेलर और प्रोसेस करने वालों को उनके पास जमा शक्कर के स्टॉक की लेटेस्ट जानकारी फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन के पोर्टल पर अनिवार्य रूप से देनी होगी।

शक्कर का रियल टाइम डेटा मिलेगा – यह व्यवस्था पूरी तरह से डिजिटल है। इससे हर तरह की जमाखोरी और सट्टेबाजी पर लेन-देन में रोक लगेगी। इससे शक्कर के मार्केट को सुचारु रूप से चलाने में मदद करेगा। पोर्टल पर रियल-टाइम डेटा रहने के चलते स्टॉक की सही जानकारी सरकार के पास होगी।

इससे कीमतों के बढ़ने से जुड़ी अफवाहों को कम किया जा सकेगा। साथ ही जरूरत पड़ने पर इसके लिए फैसला लेने में भी मदद मिलेगी। सरकार ने मंथली कोटा के नियमों और जरूरी कानूनों का पालन करने के लिए चीनी मीलों से कहा है। नियम नहीं मानने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने कहा- चीनी का पर्याप्त स्टॉक – सरकार ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी के बावजूद देश में इसकी खुदरा कीमतें स्थिर हैं। फिलहाल घरेलू स्टॉक में मौजूदा जरूरतों के लिए और आने वाले फेस्टिवल सीजन के लिए शक्कर के स्टॉक में कोई कमी नहीं है। अगस्त 2023 में हुए 83 लाख मीट्रिक टन का प्रोडक्शन और अक्टूबर 2023 में पेराई होने के बाद चीनी का स्टॉक काफी बेहतर हो जाएगा। इसके अलावा सरकार ने डोमेस्टिक बिक्री कोटा की पहली किश्त भी जारी कर दी है। इसे चीनी मिलें अभी से ही बेचना शुरू कर सकती हैं। सरकार ने कहा है कि इसके लिए कोटा और बढ़ाई जाएगी।

क्रेडिट सुईस को हर महीने 8 करोड़ पेमेंट करेगी स्पाइसजेट

20 अक्टूबर को अगली सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने चेयरमैन को भी पेश होने के आदेश दिए

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने नकदी संकट से जूझ रही स्पाइसजेट एयरलाइन्स के मंथली ड्यूज रीपेमेंट को 5 लाख डॉलर को बढ़ाकर 1 मिलियन डॉलर कर दिया है। शीर्ष अदालत ने एयरलाइन्स को अगले 6 महीने तक हर महीने क्रेडिट सुइस को 1 मिलियन डॉलर (करीब 8 करोड़) देने के आदेश दिए हैं।

6 महीने के बाद स्पाइसजेट अपने ड्यूज का पेमेंट हर महीने 5 लाख डॉलर कर सकती है। दरअसल, एयरलाइन्स पहले से ही हर महीने 5 लाख डॉलर पेमेंट कर रही है, लेकिन क्रेडिट सुइस चाहता है कि ड्यूज के पेमेंट को बढ़ाकर 1.5 मिलियन डॉलर किया जाए।

अब इस मामले की अगली सुनवाई 20 अक्टूबर को होगी, जिसमें स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह को कोर्ट ने व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने के भी आदेश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी के बाद 12 करोड़ का पेमेंट

इससे पहले 11 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था अगर चेयरमैन अजय सिंह पेमेंट नहीं करते हैं, तो उन्हें तिहाड़ (जेल) भेज दिया जाएगा। इसके बाद स्पाइसजेट ने क्रेडिट सुइस को 1.5 मिलियन डॉलर (करीब 12 करोड़) का पेमेंट किया।

जान-बूझकर कंसेंट की शर्तों को नहीं मानने का है आरोप

इस मामले में 14 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अजय सिंह के खिलाफ अवमानना नोटिस जारी किया था। कोर्ट फाइलिंग के मुताबिक, अजय सिंह ने जान-बूझकर कंसेंट की शर्तों को नहीं माना। साथ ही उन्होंने 199.25 करोड़ रुपए का भुगतान कोर्ट के आदेश के बावजूद नहीं किया।

क्या है मामला

स्विट्जरलैंड बेस्ड कंपनी टेक्निक्स (क्रेडिट सुइस) के साथ स्पाइस जेट ने साल 2011 में विमान इंजन के मेंटेनेंस के लिए 10 साल की डील की थी। साल 2013 में क्रेडिट सुइस ने स्पाइसजेट पर समय पर पेमेंट नहीं करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया था।

मामले की सुनवाई करते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने स्पाइसजेट को 2021 तक बंद कर देने का आदेश दे दिया था। हाइकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ स्पाइसजेट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की थी। इसके बाद इस मामले को दोनों पक्षों को आपसी सहमती से सुलझाने को कहा था।

मई 2022 में क्रेडिट सुइस और एयरलाइन के बीच समझौता हुआ था। जिसके तहत स्पाइसजेट को एडवांस पेमेंट और बकाया पेमेंट के रूप में करीब 199 करोड़ रुपए क्रेडिट सुइस को एक निश्चित समय के भीतर देने की बात हुई थी।

जवान के बाद बॉलीवुड में काम नहीं करेंगी साउथ एक्ट्रेस नयनतारा

बॉलीवुड के किंग खान की फिल्म "जवान" इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। इस फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसलिए शाहरुख की "जवान" भी "पठान" जितनी ही कमाई करती नजर आ रही है। फिल्म ने रिलीज के बाद से कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। लेकिन यह बात सामने आई है कि इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहीं साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस नयनतारा डायरेक्टर एटली से नाराज हैं। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि वह "जवान" के बाद किसी भी बॉलीवुड फिल्म में काम नहीं करेंगी। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक नयनतारा को अब "जवान" के बाद किसी भी बॉलीवुड फिल्म में काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। वह डायरेक्टर एटली कुमार से नाराज हैं, क्योंकि "जवान" में दीपिका पादुकोण का रोल काटकर उनका रोल बढ़ा दिया गया है। इसलिए नयनतारा का रोल किनारे कर दिया गया है। नयनतारा "जवाब" का प्रमोशन करते हुए ज्यादा नजर नहीं आ रही हैं। इतना ही नहीं, फिल्म की सफलता के बाद मुंबई में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी नयनतारा मौजूद नहीं थीं। इस कॉन्फ्रेंस में शाहरुख, दीपिका, विजय सेतुपति, सान्या मल्होत्रा, रिद्धि डोगरा और एटली शामिल हुए। इसी बीच फिल्म "जवान" 7 सितंबर को रिलीज हो गई। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 75 करोड़ की कमाई की। इसलिए "जवान" पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई। फिल्म ने अब तक 518 करोड़ की कमाई कर ली है। साथ ही 14वें दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ की कमाई की है। अगर "जवान" को दर्शकों का ऐसा ही रिस्पॉन्स मिलता रहा तो यह जल्द ही "पठान" का रिकॉर्ड तोड़ देगी। फिल्म "पठान" ने कुल 543 करोड़ की कमाई की।

करीना कपूर ने ओटीटी पर भी दिखाया अपना जलवा

इस समय कई बॉलीवुड कलाकार डिजिटल दुनिया का इंतजार कर रहे हैं। अब बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर-खान ने भी ओटीटी दुनिया में डेब्यू कर लिया है। हाल ही में उनकी फिल्म "जाने जान" ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। यह फिल्म उनके जन्मदिन के मौके पर रिलीज हुई है। पहले दिन ही कई लोगों ने इस फिल्म को देखकर लुत्फ उठाया है। फिल्म "जाने जान" में करीना कपूर-खान के साथ अभिनेता जयदीप अहलावत और विजय वर्मा भी हैं। अगर आप भी इस वीकेंड फिल्म "जाने जान" देखने का प्लान कर रहे हैं तो जानिए कैसी है फिल्म। फिल्म "जाने जान" एक मर्डर मिस्ट्री है। अब ये फिल्म काफी पॉपुलर है। रिलीज के बाद फिल्म को जबरदस्त रिव्यू मिले हैं। फिल्म माया डिसूजा नाम की एक महिला की कहानी बताती है, जो अपने अतीत से भाग रही है। माया डिसूजा की एक बेटी तारा भी है, जिसके बेहतर भविष्य के लिए माया कड़ी मेहनत कर रही हैं। हालाँकि, इसी बीच माया के हाथों एक हत्या हो जाती है। माया अपने ही पति इंस्पेक्टर अजीत म्हात्रे की जान ले लेती है। माया के घर के पास रहने वाले शिक्षक नरेन को पता चलता है कि हत्या हो गई है। नरेन ने माया की मदद करने का फैसला किया।

अब इस मर्डर की जांच शुरू होती है और कहानी में एंट्री होती है पुलिस ऑफिसर करण आनंद उर्फ विजय वर्मा की। करण जांच करने के लिए माया के घर पहुंचता है और वहां उसकी मुलाकात अपने पुराने सहपाठी से होती है। उस-का सहपाठी कोई और नहीं बल्कि माया का पड़ोसी नरेन है।

अब जब करण मर्डर की जांच कर रहा है तो क्या उसे सबूत मिलेंगे? क्या नरेन करण को सच बताएगा या माया का बचाव करेगा? माया ने अजित को क्यों मारा? इन सभी सवालों के जवाब पाने के लिए आपको यह फिल्म देखनी होगी। इस फिल्म में सभी कलाकार बेहतरीन हैं। इस फिल्म में करीना कपूर ने बहुत अच्छी एक्टिंग की है। हालाँकि, उनकी भूमिका को और अधिक निखारा जा सकता था। फिल्म की कहानी करीना द्वारा निभाए गए किरदार "माया" के इर्द-गिर्द घूमती है। करीना के लिए खुद को एक नई भूमिका में पेश करने का यह एक बेहतरीन मौका था। हालांकि करीना कुछ खास कमाल नहीं कर पाई हैं। हालाँकि, वह अपनी भूमिका में यादगार हैं। वहीं, विजय वर्मा भी किरदार में ज्यादा ढलते नहीं दिखे। विजय और करीना की जोड़ी पर्दे पर कुछ हद तक असफल रही है। हालांकि इन सबके बीच दर्शकों को एक्टर जयदीप अहलावत की याद आती है। इस फिल्म में जयदीप ने दमदार एक्टिंग कर एक बार फिर अपनी काबिलियत साबित की है। फिल्म में रोमांच लाने की पूरी कोशिश की गई है। हालाँकि, उनका प्रयास विफल रहा। आरंभ में कथानक बहुत धीमी गति से चलता है। तो, जहां से फिल्म में रोमांच और रहस्य शुरू होता है, कहानी इतनी तेजी से आगे बढ़ती है कि फिल्म खत्म हो जाती है। कुल मिलाकर फिल्म "जाने जान" कुछ हद तक निराशाजनक रही है। अभिनेता जयदीप अहलावत के दमदार अभिनय के लिए यह फिल्म जरूर देखी जानी चाहिए। जयदीप अहलावत ने इस फिल्म में चार चांद लगा दिए हैं। मर्डर मिस्ट्री जॉनर को ध्यान में रखे बिना आप इस फिल्म को घर पर एक बार जरूर देख सकते हैं।

शाहरुख खान ने लालबाग राजा के दर्शन किये

लालबाग के राजा का बॉलीवुड हस्तियों से बहुत पुराना रिश्ता है। हर साल मनोरंजन जगत की कई हस्तियां लालबाग राजा के चरणों में सिर झ-ुकाती हैं। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान और उनके बेटे अबराम की मौजूदगी ने हजारों भक्तों का ध्यान खींचा है। फिलहाल किंग खान अपनी फिल्म जवान को लेकर सुर्खियों में हैं। पूरे देश में उनके नाम की चर्चा हुई। शाहरुख खान ने लालबाग के राजा के दर्शन किये। इस वक्त उनके बेटे अबराम खान भी उनके साथ थे। शाहरुख के छोटे बेटे अबराम सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। शाहरुख खान ने इस बार सफेद कुर्ता पहना था। आंखों पर चश्मा और बालों को बांधे हुए लुक में शाहरुख ने सबका ध्यान खींचा। शाहरुख खान के फैंस उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़े। शाहरुख खान इन दिनों अपनी फिल्म जवान को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म जवान ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ की कमाई की है। इससे पहले शाहरुख की फिल्म "पठान" ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। इसके बाद फिल्म जवान को अभूतपूर्व सफलता मिली। जवान फिल्म देखने के लिए लोग अभी भी सिनेमाघरों में उमड़ रहे हैं।

अंबानी की गणेश पूजा में सलमान- ऐश्वर्या

इन दिनों हर जगह गणेश चतुर्थी की धूम देखने को मिल रही है। बॉलीवुड गलियारों में भी सेलीब्रिटीज गणेश पूजा में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। हाल ही में अंबानी परिवार के घर गणेश जी के दर्शन करने बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे। परंतु सारी लाइमलाइट सलमान- ऐश्वर्या ने लूट ली। पार्टी में सलमान खान ब्लू कुर्ते में पहुंचे तो वहीं ऐश्वर्या राय बेटी आराध्या के साथ ब्लू सूट में नजर आईं। ऐसा कभी- कभी ही होता है जब सलमान और ऐश्वर्या एक दूसरे से टकराएं। सलमान खान ने अपनी भांजी अलीजेह के साथ पार्टी में एंट्री ली। ब्लू कुर्ता, व्हाइट पजामा पहने भाईजान का स्वैग सभी पर भारी पड़ रहा था। हेयरस्टाइल की वजह से उनका लुक काफी बदला हुआ दिख रहा था। पार्टी में सलमान को देखते ही पैपराजी उनको कैप्चर करने की कोशिश में लग गए। वहीं ऐश्वर्या भी अंबानी की गणेश पूजा में शामिल हुईं। ऐश्वर्या ने स्काई ब्लू पटियाला सूट पहना था। खुले बाल और माथे पर छोटी सी बिंदी एक्ट्रेस की खूबसूरती में चार- चांद लगा रही थी। वहीं आराध्या बच्चन ने लैमन येलो कलर का पटियाला सूट पहना था, जिसमें वो बेहद क्यूट दिख रही थीं।

करीना ने निभाई थी पटौदी निकाह प्रथा

बॉलीवुड इंडस्ट्री की शुरूआत करने वाले कपूर खानदान ने इंडस्ट्री को बड़े-बड़े स्टार्स दिए, बहुत से स्टार्स तो इसी परिवार से ही जुड़े हुए हैं। करीना और उनकी बड़ी दीदी करिश्मा भी कपूर फैमिली की ही बेटियां हैं। दोनों ने फिल्मी नगरी में खूब नाम कमाया है। करीना तो अपने फैशन सेंस के लिए भी बहुत फेमस हैं। सूट से लेकर साड़ी तक ट्रडीशनल से लेकर वेस्टर्न तक, हर चीज करीना पर खूब जंचती हैं या यू कहें वह बखूबी जानती हैं किस कपड़े को कैसे कैरी करना है। इसी को लेकर अक्सर बेबो लाइमलाइट में रहती हैं। फिलहाल इस पैकेज में हम बात करने वाले करीना के वैडिंग लुक की। फैशन की दुनिया में अपना एक रुतबा रखने वाला करीना ने शादी में जो ड्रैस पहनी थी वह दो पीढ़ी पुरानी थी यानि कि करीना तीसरी पीढ़ी थी। पटौदी का शाही जोड़ा पहनकर वह नवाब सैफ की बेगम करीना बन गई थी। निकाह का यह जोड़ा उन्हें अपनी सास शर्मिला टैगोर से मिला था और शर्मिला को अपनी सास साजिदा सुल्तान से मिला था। उनकी दादी सास भोपाल के एक शाही परिवार से संबंध रखती थीं। उनके पास भोपाल की बेगम की पदवी थी। दरअसल ये पटौदी निकाह प्रथा थी जिसमें पटौदी खानदान की बहुएं, शाही और पारंपरिक शादी का जोड़ा ही पहना करती है। यह जोड़ा एक शरारा सूट था, जिसे गरारा सूट भी कहते हैं। करीना का यह जोड़ा इतना हैवी था कि इसे पकड़ने के लिए 2 लोग उनकी मदद में लगे हुए थे।

ऑस्कर दौड़ में द केरल स्टोरी, गदर 2 और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी

ऑस्कर 2024 के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री की दौड़ आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। इसमें बालागम, द केरल स्टोरी, जिग्गेटो और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी फिल्में शामिल हैं। ऑस्कर कमेटी ने चेन्नई में कई स्क्रीनिंग के जरिए अपनी प्रक्रिया शुरू कर दी है और अंतिम घोषणा अगले हफ्ते तक होने की उम्मीद है। इंडियन सिनेमा के लिए साल 2023 काफी शानदार रहा, क्योंकि एक नहीं बल्कि दो एकेडमी अवॉर्ड्स अपने नाम किए थे। एसएस राजामौली की फिल्म आ-रआरआर के नाटू नाटू गाने और गुनीत मोंगा की द एलिफेंट व्हिस्परर्स ने ऑस्कर जीता था। अब एक बार फिर इंडियन सिनेमा, ऑस्कर में अपना परचम लहराने के लिए तैयार है। ऑस्कर 2024 के लिए भारत की तरफ से ऑफिशियल एंट्री भेजे जाने का प्रोसेस शुरू हो गया है। ऑस्कर 2024 के लिए 22 से ज्यादा फिल्मों की एंट्रीज आई हैं। इसमें रानी मुखर्जी की मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे, विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द केरल स्टोरी तेलुगू मूवी दसारा, सनी देओल की गदर 2, कपिल शर्मा की ज्विगाटो और रणवीर सिंह-आलिया भट्ट की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी शामिल है।

'थ्री इडियट्स के लाइब्रेरियन' एक्टर अखिल मिश्रा का निधन, घर के किचन में गिरकर हुई मौत

नई दिल्ली, (हि.स.)। ह्यथ्री इडियट्स फेम दिग्गज अभिनेता अखिल मिश्रा का निधन हो गया है। सड़सठ वर्षीय मिश्रा की पत्नी सुजैन बर्नर्ट ने मीडिया से बात करते हुए इस खबर की पुष्टि की है। उन्होंने ह्यथ्री इडियट्स फिल्म में लाइब्रेरियन दुबे का किरदार निभाया था। अखिल मिश्रा ब्लड प्रेशर संबंधी समस्याओं के कारण कुछ समय से अस्वस्थ थे। वह किचन में स्टूल पर चढ़कर कुछ करने की कोशिश कर रहे थे, तभी गिरने से उनके सिर पर चोट लग गई। खून से लथपथ अखिल मिश्रा को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों की कोशिशों के बाद भी कुछ घंटों बाद ही उनकी मौत हो गई। इस घटना के समय उनकी पत्नी सुजैन बर्नर्ट एक प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए हैदराबाद में थीं। वहां उन्हें हादसे के बारे में पता चला और वह वापस मुंबई आ गईं। पति की अचानक मौत से सुजैन सदमे में हैं। अखिल मिश्रा ने हजारों ख्वाहिशें ऐसी, वेल डन अब्बा, कलकत्ता मेल और शाहरुख खान की डॉन जैसी फिल्मों में भी काम किया। वह दो दिल बंधे एक डोरी से, उतरन, परदेस में मिला कोई अपना और श्रीमान श्रीमती जैसे टेलीविजन शो में भी नजर आए। उनकी पत्नी जर्मन एक्ट्रेस सुजैन बर्नर्ट ने एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर में काम किया था। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, पति अखिल मिश्रा ने उन्हें हिंदी सीखने में मदद करने के लिए अपने करियर से ब्रेक लिया, ताकि मुझे फिल्मों में बेहतर भूमिका मिल सके।

ड्रामा क्वीन राखी सावंत के झगड़े में पति आदिल को मिला एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता का सपोर्ट

ड्रामा क्वीन राखी सावंत और उनके पति आदिल खान दुरानी के बीच विवाद चल रहा है। दोनों के बीच झगड़े में आदिल को एक और एक्ट्रेस का सपोर्ट मिला है। आदिल के पक्ष में एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता आगे आई हैं। इस साल की शुरूआत में राखी ने आदिल के खिलाफ मारपीट और धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए शि-काायत दर्ज कराई थी। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ दिन पहले ही वह जेल से बाहर आए हैं और राखी पर आरोप लगा रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने सबूत के तौर पर कुछ तस्वीरें और वीडियो भी मीडिया को दिखाए थे। इसके बाद राखी ने उनके आरोपों का जवाब दिया, लेकिन दोनों के बीच विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। राखी सावंत और आदिल खान दुरानी के झगड़े में आदिल को एक और एक्ट्रेस का सपोर्ट मिला है। आदिल के पक्ष में एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता आगे आई हैं। ह्यमी टू मूवमेंट के दौरान राखी सावंत ने खुलासा किया था कि कैसे उन्होंने उनकी छवि खराब करने की कोशिश की थी। तनुश्री ने यह भी आलोचना की है कि राखी एक मनोरोगी हैं। इस दौरान तनुश्री ने राखी को बार-बार धर्म बदलने के लिए भी चिढ़ाया। तनुश्री ने राखी के कुछ पुराने अफेयर्स का खुलासा किया। वह उन कुछ लोगों के बारे में बात करती है, जिन्हें राखी ने परेशान किया है। तनुश्री ने यह भी दावा किया कि राखी की वजह से दो बच्चों ने आत्महत्या कर ली और उन मामलों में राखी पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया। तनुश्री ने कहा, 4 साल तक केस चला, लेकिन फिर केस खत्म हो गया, क्योंकि बच्चों के माता-पिता राखी से नहीं लड़ सकते थे। तनुश्री ने कहा, ह्यउसमें जो आक-ामकता है, वह एक आक्रामक आदमी की तरह लड़ती है। मुझे नहीं पता कि उसे ऐसे लोग कहां मिलते हैं। राखी बहुत बुरी है। इतने धर्म बदलने के बाद भी वह खुद को नहीं बदल पाईं। मैंने कई बार सुना है कि उसे लगा कि वह पकड़ी जाएगी और वह पलट गई। वह अचानक गरीब हो जाती है और अपनी परेशानियों के बारे में बात करने लगती है। आदिल अपने माता-पिता की हेल्थ समस्याओं के लिए राखी को जिम्मेदार मानता है। उन्होंने कहा, ह्यराखी के कारण मेरे माता-पिता को ब्लड प्रेशर और डाइबिटीज हो गई है। उसने मुझे बिना किसी कारण के जेल में डाल दिया, आप सभी मेरे माता-पिता की स्थिति की कल्पना कर सकते हैं जब उन्हें पता चला कि मुझे जेल में डाल दिया गया है। मैं उनकी इकलौती संतान हूं, उसने मेरे माता-पिता के शारीरिक और मानसि-ाक स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया। जेल से बाहर आने के बाद भी मेरे खिलाफ उसके आरोपों से मेरे माता-पिता को परेशानी हुई और उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ा।

सनातन धर्म विवाद में एक्टर प्रकाश राज ने यू-ट्यूब चैनल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई

एक्टर प्रकाश राज अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। वह ट्विटर पर कई सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार शेयर करते हैं। उन्होंने कहा कि एक यू-ट्यूब चैनल के जरिये भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने से उनकी जान और उनके प-रिवार की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु में यू-ट्यूब चैनल टीवी विक्रम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक बेंगलुरु की अशोक नगर पुलिस ने प्रकाश राज की शिकायत पर यू-ट्यूब चैनल टीवी विक्रम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। सनातन धर्म को लेकर प्रकाश राज की टिप्पणी के बाद इस यू-ट्यूब चैनल के विवादित वीडियो को करीब 90 हजार व्यूज मिल चुके हैं। क्या स्टालिन और प्रकाश राज को हटा दिया जाना चाहिए? हिंदुओं को क्या करना चाहिए? क्या आपका खून नहीं खौलता? इस तरह का कंटेंट उस वीडियो में है। प्रकाश राज ने कहा कि वीडियो में उन्हें और उनके परिवार को नकारात्मक तरीके से दिखाया गया है। उन्होंने वीडियो की सामग्री को जान से मारने की धमकी देने का स्पष्ट और जानबूझकर किया गया प्रयास बताया है ।

अष्टयोग - 6261

2		4		5		7
6	37		29	2	28	1
		7			6	
	31	6	34	4	30	2
3		1				5
	31		32	6	34	
7		2		3	1	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6260 का हल

2	1	7	4	5	6	3
3	29	1	32	6	32	2
4	6	5	3	1	2	7
1	36	6	28	4	28	4
5	7	2	4	3	6	1
7	37	3	26	7	37	6
6	3	4	1	2	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल- 7308

या	द	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क	
दें	वि	ल	क	या	दों	का	मौ	स	म	ड़	
क	स	या	ल	र्म	छ	स	या	दी	ख	क	
क	या	ल	र	क	वी	स	र	ल	श	क	
क	री	दो	ग	क	ज	र	ग	ग	झ	क	
जी	जिं	ल	प	नु	स	उ	द्दा	ण	घ	या	
ती	दा	ल	श	सं	प	म	र	कौ	ला	दों	
क	बा	या	र	मे	रा	क	फ	ना	श	की	
क	द	ल	प	न	क	स	रा	औ	प	क	
क	र	ल	प	व	जी	या	ऐ	ओ	प	स	
क	क	ल	प	या	द	स	व्य	ब	प	म	

शब्द जाल में 'या' से शुरु होनेवाली 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

यादें, याद, यादगार, यार गद्दार, यार कसम, यार मेरा, यारी जिंदाबाद, याराना,यादों का मौसम, यादों की कसम.

शब्दजाल - 7307 का हल

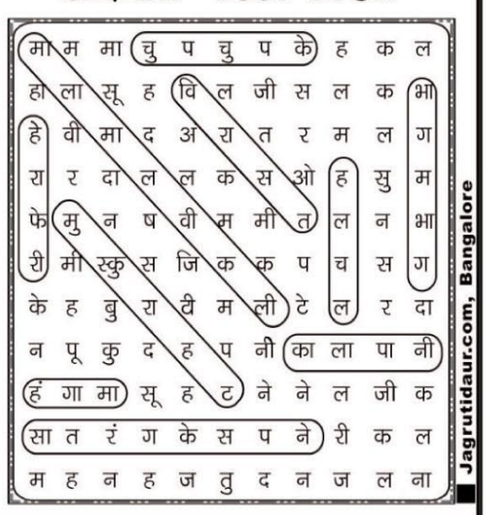

अष्टयोग - 6261

2		4		5		7
6	37		29	2	28	1
		7			6	
	31	6	34	4	30	2
3		1				5
	31		32	6	34	
7		2		3	1	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6260 का हल

2	1	7	4	5	6	3
3	29	1	32	6	32	2
4	6	5	3	1	2	7
1	36	6	28	4	28	4
5	7	2	4	3	6	1
7	37	3	26	7	37	6
6	3	4	1	2	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

वनडे वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान: बाबर आजम कप्तान, हसन अली को मौका; चोटिल नसीम बाहर

नई दिल्ली ।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। भारत में खेले जाने वाले वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत 5 अक्टूबर से हो रही है। पाकिस्तान का पहला मुकाबला 6 अक्टूबर को हैदराबाद के उप्पल मैदान पर नीदरलैंड से होगा। वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होना है।

यह है पाकिस्तान टीम: बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फखर जमान, इमाम-उल हक, अब्दुल्लाह शफीक, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, शाहीन शाह अफरीदी, हरिफ रऊफ मोहम्मद वसीम जूनियर, और हसन अली।

नसीम शाह चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर - पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। नसीम शाह को एशिया कप 2023 सुपर-4 में भारत के खिलाफ हुए मुकाबले के दौरान चोट लग गई थी। मैच में वो अपना ओवर भी पूरा नहीं कर सके थे, उन्होंने अपने कोटे के केवल 9.2 ओवर फेंके और बाद में बैटिंग के लिए भी नहीं आए।

हसन अली की 1 साल बाद वापसी - चोटिल नसीम शाह की जगह पर मीडियम पेसर हसन अली की करीब 1 साल बाद टीम में वापसी हुई है। हसन अली ने अपना आखिरी वनडे मैच वेस्टइंडिज के खिलाफ मुल्तान में पिछले साल 12 जून को खेला था। हसन अली ने अब तक खेले 60 वनडे में 5.75 की इकोनॉमी रेट से 91 विकेट लिए हैं।

वर्ल्ड कप में खेले जाएंगे 48 मुकाबले - भारत में अक्टूबर-नवंबर में 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड होगा, जिसमें 48 मैच खेले जाएंगे। पहला मैच 5 अक्टूबर को पिछले वर्ल्ड कप की विजेता और उप-विजेता इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद में होगा। 12 नवंबर तक ग्रुप स्टेज के 45 मैच होंगे। 15 और 16 नवंबर को 2 सेमीफाइनल और 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप की शुरुआत 5 अक्टूबर को होगी - वर्ल्ड कप के मौजूदा सीजन की शुरुआत 5 अक्टूबर को डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मुकाबले के साथ अहमदाबाद से होगी।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड कप से पहले मोहम्मद हफीज का इस्तीफा: पीसीबी की टेक्निकल कमेटी का पद छोड़ा; बोले- मैं पाकिस्तान क्रिकेट को शुभकामनाएं देता हूं

नई दिल्ली । पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी मोहम्मद हफीज ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की टेक्निकल कमेटी से

इस्तीफा दे दिया है। हफीज ने सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे के बारे जानकारी दी। पीसीबी की मीटिंग हुई थी जिसमें एशिया कप में टीम के परफॉर्मेंस पर चर्चा की गई थी। मीटिंग के बाद हफीज ने अपने ट्वीट में लिखा, मैंने पाकिस्तान की टेक्निकल कमेटी को छोड़ने का फैसला किया है। मैं एक ऑनरेरी मेंबर था। मैं यह मौका देने के लिए जाका अशरफ को धन्यवाद कहना चाहता हूं। जाका अशरफ और पाकिस्तान क्रिकेट को जब भी जरूरत होगी मैं उपलब्ध रहूंगा। मैं पाकिस्तान क्रिकेट को शुभकामनाएं देता हूं। पाकिस्तान सुपर-4 राउंड में ही बाहर हो गया था एशिया कप 2023 में पाकिस्तान सुपर-4 राउंड में ही बाहर हो गया था। इस मीटिंग में पीसीबी अध्यक्ष जाका अशरफ के साथ इस पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम, उपकप्तान शादाब खान, पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक के अलावा मोहम्मद हफीज भी शामिल हुए थे। बता दें, वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान स्क्वॉड की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। साल 2021 में क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट से संन्यास लिए थे हफीज ने पाकिस्तान के लिए 218 वनडे, 55 टेस्ट और 119 टी-20 मुकाबले खेले हैं। उन्होंने साल 2021 में क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। 2003 में जिम्बाब्वे के खिलाफ हफीज ने वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बाद वो अगस्त 2003 में टेस्ट टीम का हिस्सा बने थे। वहीं, हफीज ने अपना पहला टी-20 मैच 2006 में खेला था। प्रोफेसर निकनेम से मशहूर हफीज ने पाकिस्तान के लिए वनडे में 11 शतकों की मदद से 6614 रन बनाए हैं। वहीं, उनके खाते में 139 विकेट भी हैं। 55 टेस्ट में 10 शतकों की मदद से इस खिलाड़ी ने 3652 रन बनाए हैं और 53 विकेट झटके हैं। 119 टी-20 मैचों में उन्होंने 2514 रन बनाए और 61 विकेट अपने नाम किए हैं। पाकिस्तान का पहला मैच नीदरलैंड से भारत में होने वाले वर्ल्ड कप के मुकाबले 5 अक्टूबर से शुरू होंगे और फाइनल 19 नवंबर को खेला जाएगा। पाकिस्तान अपना पहला मुकाबला 6 अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ हैदराबाद में खेलेगा। वर्ल्ड कप में खेले जाएंगे 48 मुकाबले भारत में अक्टूबर-नवंबर में 46 दिन तक वनडे वर्ल्ड होगा, जिसमें 48 मैच खेले जाएंगे।

द्रविड़ ने किया सूर्या का बचाव: कहा- वे वनडे में पासा पलटेंगे, अश्विन जैसे गेंदबाज ट्रायल के लिए नहीं चुने जाते

मोहाली। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज से पहले सूर्यकुमार यादव

के चयन का बचाव किया है। कोच ने कहा कि अश्विन की कैलीवर के गेंदबाज को ट्रायल पर नहीं रखा जाता, जबकि सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी को वर्ल्ड कप टीम में अपनी जगह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। कोच ने अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन और वॉशिंगटन सुंदर को वर्ल्ड कप प्लांस का हिस्सा बताया और कहा- अश्विन-सुंदर को अक्षर पटेल के संभावित विकल्प के रूप में टीम में जगह दी गई है और अगर अक्षर जांघ की चोट से उबरने में नाकाम रहते हैं, तो इन दोनों में से किसी एक को टीम में जगह मिल सकती है। इस सीरीज को अश्विन-सुंदर के बीच ट्रायल के तौर पर देखा जा रहा है, हालांकि कोच अश्विन जैसे खिलाड़ी के लिए ट्रायल शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं। अश्विन के चयन पर द्रविड़ ने कहा- मैं यह नहीं कहूंगा कि यह उसके (अश्विन के लिए) लिए ट्रायल या कुछ और है, हमें उनका लेवल पता है। यह उसके पास वनडे खेलने का मौका है और हम बस उसे दो या तीन मैच खेलने का मौका देना चाहते हैं। अगर हमारे पास अश्विन जैसा खिलाड़ी है, तो किसी के चोटिल होने पर हम और किस पर भरोसा कर सकते हैं, यह हमारे लिए दुआ की तरह है। यह उसके लिए खुद को परखने का मौका है, क्योंकि वह लंबे समय से 50 ओवर का क्रिकेट नहीं खेला है। द्रविड़ ने कहा- हम सूर्यकुमार यादव का पूरी तरह समर्थन करते हैं। हमारा मानना है कि वह वनडे क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और वनडे में पासा पलटेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में उन्हें मौका मिलेगा। क्या सूर्या को 27 सितंबर की चिंतित होना चाहिए, जिस दिन भारत अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा करेगा। इस सवाल पर द्रविड़ कहते हैं- मुझे नहीं लगता कि सूर्या को 27 सितंबर को लेकर चिंता करने की जरूरत है, इसीलिए हमने वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम पहले ही चुन ली है और सूर्या उसमें हैं और हम इसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं। हम उसका (सूर्या का) समर्थन करते हैं, क्योंकि उसमें क्षमता और स्तर है जो हमने देखा है। वर्ल्ड कप के लिए टीम में बदलाव करने की आखिरी तारीख 28 सितंबर है और 27 को भारत को सीरीज का आखिरी वनडे खेलना है। कोच ने रोहित-कोहली को आराम देने पर कहा कि यह फैसला सही था और यह आपसी सहमति के बाद ही लिया गया है।

भारत का चीन को मुंहतोड़ जवाब

खेल मंत्री का दौरा रद्द, अरुणाचल के खिलाड़ियों को वीजा नहीं देने का मामला गरमाया

नई दिल्ली ।

हांगझोऊ एशियाई खेलों से पहले भारत और चीन के बीच विवाद बढ़ गया है। दरअसल, खेलों से पहले चीन की एक नापाक हरकत सामने आई। उसने हांगझोऊ एशियाई खेलों के लिए अरुणाचल प्रदेश के तीन वूशु खिलाड़ियों को अंतिम क्षणों में वीजा नहीं दिया। ये वही तीन खिलाड़ी हैं, जिनके साथ चीन में कुछ महीने पहले हुए यूनिवर्सिटी गेम्स में भी चीन सरकार द्वारा बदसलूकी की गई थी और उन्हें नत्थी वीजा दिया गया था। अब फिर से इन तीनों को चीन ने सामान्य वीजा जारी नहीं किया। ऐसे में ये तीनों भारत की वूशु टीम के साथ हांगझोऊ रवाना नहीं हो सके। अब यह मामला गरमा गया है। भारत ने चीन को मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा है कि भारत के खेल मंत्री अनुराग ठाकुर पहले एशियाई खेलों के लिए चीन का दौरा करने वाले थे, जिसे अब रद्द कर दिया गया है। एशियाई खेलों का आधिकारिक आगाज 23 सितंबर को होगा।

चीन की ओर से फिर से नत्थी वीजा देने की कोशिश - खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) बुधवार को इन खिलाड़ियों के वीजा के प्रयास में लगे रहे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। एक खिलाड़ी को एयरपोर्ट से ही वापस लौटना पड़ा। सूत्र बताते हैं कि खेल मंत्रालय, आईओए ने इन तीनों खिलाड़ियों को वीजा जारी करने के लिए आयोजन समिति से बात की तो उनसे कहा गया कि इन

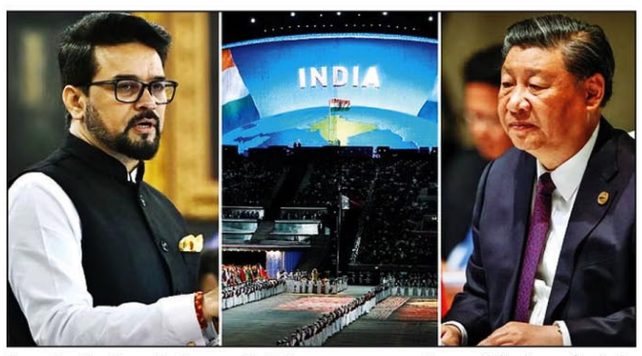

खिलाड़ियों को नत्थी वीजा जारी होगी। इसके लिए खेल मंत्रालय तैयार नहीं था। ऐसे में तीनों अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ी तेगा ओनिलु, लामगु मेपुंग और वांगसू न्येमान टीम के साथ नहीं जा पाए। बाकी टीम, जिसमें 10 खिलाड़ी और थे, हांगझोऊ के लिए रवाना हो गई। इससे पहले भी 26 जुलाई को विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के लिए इन्हीं तीनों खिलाड़ियों को चीन ने नत्थी वीजा जारी कर दिया था। इसके विरोध में भारत सरकार ने पूरी वूशु टीम को एयरपोर्ट से वापस बुला लिया था।

तीनों वूशु खिलाड़ियों को नहीं मिला मान्यता कार्ड - वांगसू न्येमान को तो इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा। उनके पास एशियाई खेलों की आयोजन समिति से जारी एक्रिडिटेशन (मान्यता कार्ड) भी था। खिलाड़ियों को एक्रिडिटेशन पर ही वीजा जारी किया गया है। वांगसू को एयरपोर्ट पर एयरलाइंस ने बताया कि वह केवल हांगकांग तक जा सकती हैं। उससे आगे का उनका वीजा नहीं है। तेगा और मेपुंग के अलावा सूरज को एशियाई खेलों की आयोजन समिति ने ई एक्रिडिटेशन जारी किया था। जब इन खिलाड़ियों ने अपना एक्रिडिटेशन कंप्यूटर से निकालना चाहा तो वांगसू, तेगा और मेपुंग के कार्ड नहीं आए, जबकि सूरज को वीजा जारी कर दिया गया। सूत्र बताते हैं कि इनको कार्ड दिलाने के लिए भरसक प्रयास किए गए। एक बार जब एथलीटों को आयोजन समिति से एक्रिडिटेशन कार्ड (मान्यता कार्ड) प्राप्त हो गए, तो इसका मतलब था कि उन्हें एशियाई खेलों के लिए यात्रा करने की मंजूरी मिल गई। आश्चर्य की बात यह है कि केवल ये तीन खिलाड़ी ही अपना दस्तावेज डाउनलोड नहीं कर सके और वे फ्लाइट में नहीं चढ़ सके।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा - विदेश मंत्रालय प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- भारत सरकार को पता चला है कि चीनी अधिकारियों ने लक्षित और पूर्व-निर्धारित तरीके से,अरुणाचल प्रदेश के कुछ भारतीय खिलाड़ियों को चीन के हांगझोऊ में होने वाले 19वें एशियाई खेलों में मान्यता और प्रवेश से वंचित करके उनके साथ भेदभाव किया है। भारत दृढ़ता से अधिवास या जातीयता के आधार पर भारतीय नागरिकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार को अस्वीकार करता है। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और रहेगा। चीन द्वारा हमारे कुछ खिलाड़ियों को जानबूझकर और चुनिंदा तरीके से बाधित करने के खिलाफ नई दिल्ली और बीजिंग में कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। अरिंदम बागची ने कहा- चीन की कार्रवाई एशियाई खेलों की भावना और उनके आचरण को नियंत्रित करने वाले नियमों दोनों का उल्लंघन करती है। चीनी कार्रवाई के खिलाफ हमारे विरोध के निशान के रूप में, भारत के सूचना और प्रसारण और युवा मामले और खेल मंत्री ने एशियाई खेलों के लिए चीन की अपनी निर्धारित यात्रा रद्द कर दी है।

अरुणाचल प्रदेश के तीन भारतीय वूशु खिलाड़ियों को एशियाई खेलों के लिए चीन में प्रवेश से वंचित किए जाने पर ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह ने कहा- हमने कल वर्किंग ग्रुप के साथ भी बैठक की थी और इस मुद्दे को वर्किंग ग्रुप की बैठक में उठाया गया है। वे इसे सरकार के साथ सुलझा रहे हैं और हम भी इसे सरकार के साथ उठा रहे हैं। इस पर हमारे साथ भी चर्चा चल रही है। यह सरकार से सरकार के बीच जो हो रहा है उससे बाहर है। हम इसमें ओसीए की ओर से हैं। हम उस तरह से डील कर रहे हैं।

तटस्थ स्थल पर खेलने को तैयार नहीं पाकिस्तान, भारत को अपने घर बुलाने पर अड़ा

नई दिल्ली ।

भारत को डेविस कप के विश्वग्रुप एक प्लेऑफ के ड्रॉ में फिर पाकिस्तान के साथ रखा गया है और पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) ने स्पष्ट किया कि वह इस बार अपने घरेलू मुकाबले को तटस्थ स्थल पर स्थानांतरित करने पर सहमत नहीं होगा। भारत को 2019 ड्रॉ में भी पाकिस्तान के साथ रखा गया था लेकिन 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण एशिया/ओसियाना ग्रुप एक मुकाबले को तटस्थ स्थल कजाखस्तान स्थानांतरित कर दिया गया था। विरोधस्वरूप पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ी ऐसाम उल हक और अकील खान ने इस मैच में नहीं खेलने का फैसला किया था जिसमें उदीयमान मोहम्मद शोएब, हुजाइफा अब्दुल रहमान और यूसुफ खलील उसके लिए खेले थे। भारत ने तब कमजोर पाकिस्तान को 4-0 से हरा दिया था। इस एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान ने पूरे मुकाबले में केवल सात गेम ही जीते थे। आईटीएफ 2019 में इस मुकाबले को तटस्थ स्थल पर स्थानांतरित करने के लिए सहमत हो गया था लेकिन अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) अगर तटस्थ स्थल के लिए जोर देता है तो राष्ट्रीय संस्था के लिए विश्व संचालन संस्था को अपनी बात समझाना बहुत मुश्किल हो जाएगा। पाकिस्तान के 43 साल के खिलाड़ी अकील खान ने बताया कि वे उम्मीद कर रहे हैं कि भारतीय टीम मुकाबले के लिए उनके देश की यात्रा करेगी। अकील ने कहा, 'मैं उम्मीद कर रहा हूं कि वे आएंगे और हमें मेजबानी का मौका देंगे।' कुरैशी ने कहा, 'उम्मीद करते हैं कि इस बार यह मुकाबला पाकिस्तान में ही खेला जाएगा।' पाकिस्तान ने पिछले हफ्ते इंडोनेशिया को विश्व ग्रुप दो मुकाबले में घरेलू कोर्ट पर इंडोनेशिया को 4-0 से हराया था। सैफुल्लाह ने कहा, 'हमने लिथुआनिया, स्लोवाकिया, कोरिया, ईरान, थाईलैंड की मेजबानी की है। ये सभी देश यहां आकर खेले और उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

20 साल बाद क्रिकेट से संन्यास लेंगे इंगलैंड के एलिस्टर कुक

नईदिल्ली ।

2023 काउंटी सीजन के समापन पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज एलिस्टर कुक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के लिए तैयार हैं। कुक ने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हालांकि वह एसेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेलते रहे। उन्होंने इसी क्लब से साल 2003 में अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की थी। 38 वर्षीय कुक ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अब तक 350 मैचों में 74 शतक और 125 अर्धशतकों की मदद से 26615 रन बनाए हैं। उन्होंने मौजूदा काउंटी सीज़न में 23 पारियों में 36.72 की औसत से एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ 808 रन बनाए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार- इंग्लैंड के पूर्व कप्तान अगले हफ्ते काउंटी सीजन के अंत में निश्चित रूप से सेवानिवृत्त हो जाएंगे, उन्हें अभी भी उम्मीद है कि वह एसेक्स को एक और चैम्पियनशिप खिताब दिला देंगे। कुक ने रिटायरमैंट के बाद अपने परिवार के साथ फैमिली फार्म में अधिक समय बिताने और कॉमेंट्री करने की योजना बनाई है। एलिस्टर कुक का अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है। वह टेस्ट क्रिकेट में 33 शतकों और 57 अर्धशतकों की मदद से 45.35 की औसत से 12472 रन बनाकर इंग्लैंड के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और सलामी बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। केवल सुनील गावस्कर ने टेस्ट ओपनर के रूप में कुक (31) से अधिक शतक (33) बनाए हैं।

अंतिम पंघल ने दिलाया रेसलिंग का पहला ओलिंपिक कोटा: वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज भी जीता; स्वीडन की एमा जोना को हराया

नई दिल्ली ।

भारतीय पहलवान अंतिम पंघल ने भारत को ओलिंपिक-2024 के लिए रेसलिंग का पहला कोटा दिला दिया है। सर्बिया के बेलग्रेड में चल रही वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में उन्होंने ब्रॉन्ज भी जीत लिया। यह चैंपियनशिप के मौजूदा सीजन का पहला मेडल भी है। अंतिम ने 53 किग्रा कैटेगरी के ब्रॉन्ज मेडल मैच में स्वीडन की एमा जोना डेनिस को 16-6 के अंतर से हराया। अंतिम वही पहलवान हैं, जिन्हें नेशनल ट्रायल जीतने के बाद भी एशियन गेम्स के लिए स्टैंड बाय में रखा गया था और उनकी जगह विनेश फोगाट को बिना ट्रायल दिए ही एशियाड की टीम में चुन लिया गया था, हालांकि विनेश विदेश में ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हो गईं और टीम में अंतिम को मौका मिला।

पंघल ने पहले मुकाबले में डिफेंडिंग चैम्पियन को हराया था

19 साल की अंतिम पंघल ने अपने पहले मुकाबले में डिफेंडिंग चैम्पियन को हराया था। उन्होंने अमेरिका की डोमिनिक ओलिविया पैरिस को पहले मुकाबले में 3-2 के अंतर से हराकर अगले राउंड में एंट्री की थी।

दूसरे राउंड में अंतिम ने पोलैंड की रोकसाना मार्टा जसिना को टेक्निकल सुपिरियॉरिटी के आधार पर हराया था। वहीं क्वार्टरफाइनल में उन्होंने रूस की नैटली मलेशेवा को 9-6 के अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

बेलारुस की खिलाड़ी से सेमीफाइनल हारीं

अंतिम को सेमीफाइनल में बेलारुस की वेनेसा कालजिन्सकाया के खिलाफ 5-4 के अंतर से करीबी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अंतिम को ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने जीत दर्ज कर ओलिंपिक कोटा भी बुक किया।

4 भारतीय खिलाड़ियों को हार मिली

ग्रीको रोमन रेसलिंग के मेंस इवेंट में 77 किग्रा वेट कैटेगरी में गुरप्रीत सिंह और 55 किग्रा कैटेगरी में अजय को पहले ही मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। वहीं 82 किग्रा में सजन और 130 किग्रा कैटेगरी में मेहर सिंह भी क्वालिफिकेशन राउंड में बाहर हो गए।

एशियाड में इंडियन एथलीट्स के नाम 79 गोल्ड

देश ने कुल 672 मेडल जीते, कबड्डी में 100 प्रतिशत सक्सेस सेट; पीटी उषा के नाम 4 गोल्ड

नई दिल्ली ।

एशियन गेम्स के 19वें सीजन की शुरुआत 23 सितंबर से हो रही है। चीन के हांगझोऊ शहर में 8 अक्टूबर तक गेम्स होंगे। क्वालिफिकेशन मैच 19 सितंबर से ही शुरू कर दिए गए। 23 सितंबर को ओपनिंग सेरेमनी के बाद 24 सितंबर से एशियाड का ऑफिशियल पहला दिन शुरू होगा।

भारत 1951 में पहली बार हुए एशियाड से ही गेम्स का हिस्सा रहा है। तब नई दिल्ली ने ही मेजबानी की थी। इस बार भी भारत के 655 प्लेयर्स 40 स्पोर्ट्स में हिस्सा लेंगे। इस स्टोरी में हम एशियाड में भारत के अब तक के प्रदर्शन पर नजर डालेंगे। जानेंगे कि देश को किन स्पोर्ट्स में सबसे ज्यादा मेडल मिले और किन प्लेयर्स ने देश को सबसे ज्यादा गोल्ड दिलाए हैं।

भारत ने सभी 18 एशियाड में हिस्सा लिया - 1951 में पहली बार नई दिल्ली में एशियन गेम्स का आयोजन हुआ। तब से हर 4 साल में गेम्स होते आ रहे हैं। आखिरी बार 2018 में इंडोनेशियन के जकार्ता ने मेजबानी की थी। इस बार गेम्स 2022 में होने वाले थे, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इन्हें एक साल पोस्टपोन कर इस साल आयोजित करवाया गया।

भारत ने 672 मेडल जीते, ओवरऑल रैंक में 5वें नंबर पर - 18 एशियाड में भारत ने कुल 672 मेडल जीते हैं। इनमें 155 गोल्ड, 201 सिल्वर और 316 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ओवरऑल रैंक में भारत 5वें नंबर पर हैं। चीन (1473), जापान (1032), साउथ कोरिया (745) और ईरान (179) ने भारत से ज्यादा गोल्ड जीते हैं। इसीलिए उनकी रैंक भारत से ज्यादा है। कजाकिस्तान ने भारत के बराबर 155 गोल्ड जीते हैं, लेकिन उनके सिल्वर भारत से कम (158) है, इसीलिए उनकी रैंक छठी है।

मेडल टैली में कभी टॉप नहीं कर सका भारत - अब तक हुए 18 एशियन गेम्स में भारत कभी भी मेडल टैली में टॉप पर नहीं रहा। 1951 में पहले ही एशियाड में देश 15 गोल्ड जीतकर दूसरे नंबर पर रहा था। इसके बाद भारत कभी टॉप-2 पोजिशन पर नहीं आ सका। लेकिन 17 में से 16

बार देश मेडल टैली के टॉप-10 में ही रहा। 1990 में देश ने एक ही गोल्ड जीता था, तब हम 11वें नंबर पर रहे थे। 2018 के पिछले एशियाड में भारत ने 70 मेडल जीते थे। इनमें 16 गोल्ड, 23 सिल्वर और 31 ब्रॉन्ज शामिल रहे। देश मेडल टैली में 8वें नंबर पर रहा, लेकिन इससे पहले भारत ने इतने ज्यादा मेडल कभी नहीं जीते थे।

एथलीट्स ने सबसे ज्यादा 254 मेडल दिलाए - भारत ने अब तक 32 अलग-अलग खेलों में मेडल जीते हैं। इनमें 18 खेल ऐसे हैं जिनमें देश को कम से कम एक गोल्ड मेडल तो मिला ही है। एथलीट्स ने देश को सबसे ज्यादा 79 गोल्ड, 88 सिल्वर और 87 ब्रॉन्ज सहित 254 मेडल दिलाए हैं। देश को इस बार भी एथलीट्स से बहुत ज्यादा उम्मीदें हैं। रेसलिंग में भारत को 11 गोल्ड समेत कुल 59 मेडल मिले हैं। शूटिंग, कबड्डी, टेनिस और बॉक्सिंग में देश को 9-9 गोल्ड मेडल मिले हैं। कबड्डी के मेंस और विमेंस कैटेगरी में अब तक 11 इवेंट हुए, भारत ने इनमें 9 गोल्ड जीते। एक-एक बार देश को सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल मिला। स्कूकर में भारत को 5 गोल्ड मिले हैं, वहीं फील्ड हॉकी में देश के नाम 4 गोल्ड, 11 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज मेडल हैं। फुटबॉल ने भारत को 2 गोल्ड और एक ब्रॉन्ज दिलाया है। बैडमिंटन में देश के प्लेयर्स 9 ब्रॉन्ज और एक सिल्वर ही जीत सके हैं। इनके अलावा 5 खेलों में भारत को 1-1 गोल्ड मिला है। 3 खेलों में देश ने 3-3 और 3 में ही 2-2 गोल्ड मेडल जीते हैं। लिएंडर पेस ने टेनिस में भारत को 5 गोल्ड दिलाए हैं, उनके नाम 3 ब्रॉन्ज मेडल भी हैं। उन्होंने महेश भूपति और सानिया मिर्जा के साथ डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में भी भारत को कामयाबी दिलाई है। स्प्रिंटर पीटी उषा के नाम 4 गोल्ड और 7 सिल्वर मेडल हैं। उन्होंने 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर रेस के अलावा 400 मीटर हर्डल्स और 400 मीटर रिले में भी देश को सफलता दिलाई है। शूटर जसपाल राणा के नाम 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज हैं। उन्होंने 1994 में अपना पहला मेडल जीता, फिर 2006 के दोहा एशियाड में 3 गोल्ड जीतकर अपना करियर खत्म किया। स्प्रिंटर मिल्खा सिंह ने एशियाड में 4 मेडल जीते हैं, ये सभी गोल्ड मेडल ही रहे। उन्होंने 1958 और 1962 के एशियाड में 2-2 मेडल जीते। ये सफलता मिल्खा सिंह को 200 और 400 मीटर रेस के साथ 400 मीटर रिले रेस में मिली। एथलीट परदुमन सिंह बरार ने 5 मेडल जीते हैं, इनमें 3 गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। डिस्कस थ्रो में उन्होंने 3 और शॉट पुट में 2 मेडल जीते हैं।

विंटर फैशन में फर का बोलबाला...

जैसे-जैसे मौसम बदलता है, फैशन का अंदाज भी बदलने लगता है। सर्दियों में गर्म कपड़ों की जरूरत तो पड़ती ही है। लेकिन मॉडर्न युग में गर्म कपड़े जरूरत के अलावा फैशन के तौर पर भी खरीदे जाते हैं। तभी तो रैंप पर भी मॉडल्स गर्म कपड़ों में अपने हॉट अंदाज का जलवा बिखेरती हुई नजर आती हैं। जहां तक बात फर ड्रेस की है तो यह हर साल ही फैशन में इन रहते हैं। फैशन डिजाइनर्स का भी मोह इनसे कभी नहीं टूटता। तभी तो इस साल भी कोट से लेकर स्टोल्स आदि में फर का प्रयोग भरपूर देखने को मिला। फर कोट तो हमेशा से ही महिलाओं की पहली पसंद रहे हैं। इसका मुख्य कारण है इनका गर्म होने के साथ-साथ स्टाइलिश होना। लेकिन इस बार फर कोट डिफरेंट वैरायटी व लेंथ में मौजूद हैं। फर कोट्स में मिंक कोट से लेकर फॉक्स फर कोट, लेदर कोट विद फर, लॉन्ग कोट विद फर कॉलर, ओवरसाइज फर कोट फैशन में इन हैं। वैसे इसके अतिरिक्त इस सर्दी में पैचवर्क भी फैशन में बना हुआ है। इसलिए कोट्स में पैचवर्क को विद फर इस्तेमाल किया जा रहा है। यह देखने में बेहद स्टाइलिश व आकषर्क लगता है। अगर आपको पूरी तरह फर पहनना पसंद नहीं है तो आप अपने लुक में फर का हल्का सा टच भी दे सकती हैं। मसलन, फर के स्टोल्स भी इस साल ट्रेंड में बने हुए हैं। इससे आप अपने लुक में एक नया निखार ला सकती हैं। साथ ही फर स्टोल्स को डिफरेंट तरीके से कैरी करके हर दिन एक नया लुक पा सकती हैं। इसके अतिरिक्त आजकल ड्रेसेज के सिर्फ कफ्स को आकषर्क बनाने के लिए उनमें फर का प्रयोग किया जा रहा है। इससे आपकी ड्रेस में फर का हल्का सा टच आ जाएगा। वैसे आप चाहें तो फर का प्रयोग बतौर एक्सेसरीज भी कर सकती है। इनमें फर बैग्स व बूट्स पहनना एक अच्छा आइडिया हो सकता है।आजकल मार्केट में फर आईटम्स लगभग हर कलर में अवेलेबल हैं। जहां तक बात फर स्टोल्स की है तो आप इनमें सिंगल कलर से लेकर ड्यूल शेड, मल्टीकलर, प्रिंटेड व स्ट्राइप्स इत्यादि पैटर्न आसानी से खरीद सकती हैं।

पॉप कलर्स के वूलन्स..

विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

फ्लाइट में कान दर्द से बचें...

आप जल्द और सुविधाजनक यात्रा के लिए हवाई मार्ग का चयन करते हैं और फ्लाइट से कहीं आने-जाने में आनंद भी आता है लेकिन जब आप टेक ऑफ और लेंड करते हैं तो कानों में काफी पीड़ादायक अनुभव होता है। असमान के दबावों के कारण प्रायः कान में दर्द होता है। जब प्लेन उतरता है तो कानों के पर्दे में दबाव बढ़ जाता है। फ्लाइट में कान दर्द से बचने के लिए कुछ तरीके हैं। नाक से ध्वनि यानी ब्लोइंग निकालें। कान के भीतर के वायु दबाव को आस-पास के वायु दबाव के बराबर करने के लिए यह सबसे आसान तरीका है। इससे बहुत जल्द कान दर्द से आराम मिलता है। हवाई यात्रा के दौरान अगर कान दर्द महसूस हो रहा हो तब मिठाई खाएं या चूसें और नाक से ध्वनि निकालें और मुंह में हवा भर कान में भरें। दवाब को नियंत्रित करें और इससे दर्द कम होगा। फ्लाइट से उतरने के दौरान यूस्टेकियन ट्यूब को अनब्लॉक करने के लिए यॉनिंग और स्वॉलोविंग मसल्स को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे कान दर्द से राहत मिलती है।

इस तरह न बैठें...

हर किसी के बैठने का तरीका अलग होता है। वैसे ज्यादातर लोग पैर क्रॉस करके बैठते है, जो कि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। पैर क्रॉस करके बैठना हमें बीमार बना सकता है। इस पोजीशन में बैठने से ब्लड प्रेशर से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। शरीर में खून का प्रवाह पैरों से ही दिल की तरफ होता है। पैर क्रॉस करके बैठने से खून को दिल तक पहुंचने में काफी दिक्कत होती है। इससे पैरालिसिस भी हो सकता है। जब हम पैर क्रॉस करके बैठते है तो पैरीनील नर्व पर दबाव पड़ता है, जिससे मांसपेशियां सुन्न हो जाती हैं। ज्यादा समय तक पैर क्रॉस करके बैठने से रीढ़ की हड्डी में परेशानी हो सकती है। नसों में सूजन भी हो सकती है। नसों को नुकसान पहुंचता है और वे कमजोर हो जाती हैं।

थकान से मौत...?

दफ्तर में बहुत से लोग हफ्ते की छुट्टी के बाद भी थके हुए नजर आते हैं। कई बार दो दिन के वीकली ऑफ के बावजूद ताजगी महसूस नहीं होती। आपने कभी सोचा है कि आखिर इसकी क्या वजह है? आज के समय में नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है और थकान चरम पर पहुंच जाती है। थकान की ऐसी हालत मौत का कारण भी बन सकती है।

आजकल लोग छुट्टियों में भी देर रात तक फोन पर लगे रहते हैं। ऑफिस की ई-मेल पढ़ते हैं। घर पर रहते हुए भी कॉन्फ्रेंस कॉल निपटाते हैं। कुल मिलाकर छुट्टी के दिन भी लोग दफ्तर की जिम्मेदारियों को सिर पर सवार रखते हैं। ऐसे में जब वे दो दिन की छुट्टी के बाद दफ्तर आते हैं तो तरोताजा लगने के बजाय थके हुए नजर आते हैं। ऐसे हालात पूरी दुनिया में हैं। कुछ लोग आगे बढ़ने के लिए अपने छुट्टी के दिन को भी कुर्बान करने को तैयार रहते हैं।

तो कुछ के लिए छुट्टी के दिन भी कंपनी का काम करना मजबूरी होती है। आज नई-नई तकनीकों के चलते लोग 24 घंटे अपने दफ्तर से जुड़े रहते हैं इसी वजह से जिंदगी में हमेशा तनाव बना रहता है। यह तनाव और थकान मौत का कारण भी बन सकती है। अमेरिका के इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रेस के मुताबिक, काम के तनाव के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था को हर साल 300 अरब डॉलर का नुकसान होता है। ऑनलाइन ट्रैवेल कंपनी एक्सपेडिया के मुताबिक उसके केवल आधे कर्मचारी साप्ताहिक छुट्टी के बाद ताजगी के साथ दफ्तर आते हैं।

सैटरडे सिंड्रोम

ब्रिटेन में 'सैटरडे सिंड्रोम' की बड़ी चर्चा होती है, जब लोग अपने खाली वक्त में बीमार पड़ जाते हैं। वहीं अमेरिका में हफ्ते में साठ घंटे काम करने का चलन तनाव बढ़ा रहा है। लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है। जापान में तो काम के बोझ के चलते मौत के लिए नया शब्द ही ईजाद कर लिया गया है-करोशी, यानी थकान से मौत। लोगों को हर वक्त फेसबुक स्टेटस या इंस्टाग्राम पर फोटो अपडेट करना होता है। यूं लगता है कि ऐसा नहीं किया तो मानों जिंदगी में कुछ नहीं किया। वैसे कुछ थके हुए लोगों के साथ कुछ ऐसे भी होते हैं जो छुट्टी के बाद एकदम तरोताजा नजर आते हैं। इनमें से कई तो ऐसे होते हैं जिनके ऊपर काम का बोझ ज्यादा होता है। आखिर क्यों कुछ लोग बीमार पड़ जाते हैं तो कुछ लोग ज्यादा काम होने पर भी ताजादम नजर आते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि जब लोग दफ्तर का तनाव घर ले जाते हैं तो यह आपके दिमाग को एक्टिव रखता है। उन बातों पर उसका ध्यान लगा रहता है, जिनसे आप दफ्तर में जूझते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं।

सब कुछ सोच पर निर्भर

बहुत दिनों से इस बात की तुलना की जा रही है कि जो लोग वीकेंड पर भी दफ्तर का काम निपटाते हैं और जो लोग छुट्टियों में पूरी तरह काम से दूर रहते हैं, उनमें क्या फर्क होता है? मगर इसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है। दो लोग अलग हालात में अलग तरह से प्रतिक्रिया देते हैं। असल में सब कुछ हमारी सोच, हमारे दिमाग में होता है। जो लोग पॉजिटिव सोच वाले होते हैं उनके लिए घर पर भी दफ्तर का काम थकाने वाला नहीं होता। वहीं जो लोग नेगेटिव सोच वाले होते हैं, उनके लिए हर जगह, हर काम उबाऊ और थकाने वाला होता है। ये लोग छुट्टियों के दिन भी थकान उतारने में नाकाम रहते हैं। फिर दफ्तर लौटते हैं तो थके हुए नजर आते हैं। तनाव से निपटने का तरीका भी अलग-अलग हो सकता है।

लंबे समय से थकान

लंबे समय तक थकान से परेशान लोगों को न आसानी से नींद आती है और न ही आराम मिलता है। पिछले कुछ सालों से दुनिया भर में 30 से 45 आयु वर्ग के कामकाजी लोगों में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। दो हफ्ते से अधिक की थकान की अनदेखी न करें ऐसी स्थिति में जीवनशैली में बदलाव करने की ओर कदम बढ़ाना जरूरी है। ऐसा नही होने पर इंसानी शरीर पर कई मानसिक और शारीरिक बीमारियों से घिरने की आशंका बढ़ जाती है। स्टडी के अनुसार लंबे समय तक थकान महसूस होने से शरीर का रोग प्रतिरोधी सिस्टम कमजोर हो जाता है। ऐसे में थकान से पीड़ित व्यक्ति अनचाहे रोगो का शिकार भी हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही थकान को क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम या सीएफएस का नाम दिया गया है। इसके मामले कुछ सालों में इतने बढ़ गए हैं कि बीते साल यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिन ने इस पर लंबी रिपोर्ट पेश करते हुए इसको सिस्टेमेटिक एवजरशन इनटॉलरेंस डिजीज का नया नाम दिया। सीएफएस के लक्षण कुछ इस तरह के हो सकते है। जैसे रुक रुक कर सिर दर्द होना, मांस पेशियों और जोड़ों में दर्द होना और मांसपेशियों में कमजोरी आना, मूड स्विंग होना और नींद ना आना जैसे लक्षण सामान्य होते हैं।

मन की थकान

कुछ लोग अपने जीवन में नित नई ऊर्जा भरते जाते हैं, आगे बढ़ते जाते हैं, तो कुछ लोग लगातार थकते जाते हैं और एक दिन इतना थक जाते हैं कि उनके जीवन से आनंद का रस ही खत्म हो जाता है। उन्हें किसी काम में मजा ही नहीं आता। यहां तक की उन्हें कोई नई बात कह भर दी जाए, तो वो आगबबूला हो जाते हैं। इसकी वजह है शरीर की थकान से भी खतरनाक मन की थकान। मन की यह थकान इतनी खतरनाक है कि उसके बाद सिवाय अवसाद के और कुछ जीवन में नहीं रह जाता। यह दुनिया वहीं है, लोग वहीं हैं, कुदरत वही है, लेकिन इसके बावजूद हमारे भीतर बहुत कुछ बदल रहा है। यह बदलाव यदि सकारात्मक है तो हम जीवन के उच्चतम स्तर को पाएंगे और इसके उलट यह बदलाव यदि नकारात्मक है तो एक दिन हम मन की थकान के उस आखिरी स्तर पर पहुंच जाएंगे जिसे अवसाद कहते हैं।

माहौल बदलें

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि कई बार थकान उतारने में भी लोग खीझ उठते हैं। उन्हें लगता है कि कितने दिनों से उन्होंने ई-मेल या सोशल मीडिया अकाउंट ही नहीं चेक किया। इससे भी उनका तनाव बढ़ सकता है। यानी कुछ लोगों के लिए खाली बैठना भी तनाव को दावत देने जैसा है। तो उन्हें कुछ न कुछ काम करते रहना चाहिए। जैसे कि योग या ध्यान करें। किसी खेल-कूद में मन लगाएं। दौड़ने ही निकल जाएं या जाकर पास के पार्क में टहलें। इससे तनाव कम करने में मदद मिलेगी। चीजों और माहौल को लेकर अपनी सोच में बदलाव लाना, तनाव कम करने के लिए बहुत जरूरी है। सोच में बदलाव लाने में थोड़ा वक्त लगता है। तीन से छह महीने भी लग सकते हैं। तब तक आप अपने आप को बदलने की कोशिश जारी रखिए। और हां, दफ्तर जाना मत छोड़िए क्योंकि रोज की दिनचर्या के साथ बदलाव आएगा तो ही वह स्थायी होगा। आपको तय करना है कि आप किस रास्ते चल रहे हैं और सच पूछिए तो इसे आप ही जान सकते हैं। दरअसल, आप क्या कर रहे हैं से ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आप किसी काम को किस मनोभाव के साथ कर रहे हैं।

स्क्रैच कार्ड से कैंसर का खतरा...

अगर आप अपना मोबाइल रिचार्ज करने के लिए प्रीपेड कार्ड का उपयोग करते हैं तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि स्क्रैच कार्ड के लेप में मौजूद भारी धातुओं के शरीर में जाने से कैंसर होने का खतरा है। मोबाइल फोन के प्रीपेड ग्राहकों के लिए मोबाइल रिचार्ज करने का सबसे आसान तरीका प्रीपेड कार्ड है। यही वजह है कि तमाम लोग अपने पास इमरजेंसी के लिए प्रीपेड कार्ड रखते हैं। जैसे ही उनका बैलेंस खत्म होता है, तो वे प्रीपेड कार्ड को स्क्रैच करके अपने मोबाइल को रिचार्ज कर लेते हैं। हालांकि यह तरीका बेहद आसान है, लेकिन पिछले दिनों आई एक रिसर्च में बताया गया है कि कार्ड स्क्रैच करने से लोग कैंसर के शिकार हो सकते हैं।

खतरनाक धातुएं

असल में प्रीपेड रिचार्ज कूपन का स्क्रैचिंग एरिया सिल्वर नाइट्रिक ऑक्साइड से कोटेड होता है। साथ ही, कोटिंग सामग्री में कैडमियम और एल्युमिनियम भी होता है। ज्यादातर लोग रिचार्ज कार्ड को नाखून की मदद से ही स्क्रैच करते हैं। ऐसे में, कोटिंग सामग्री में मौजूद तमाम खतरनाक धातुएं नाखून में जमा हो जाती हैं। इसके बाद जब भी लोग खाना खाते हैं, तो नाखून में मौजूद ये कोटिंग सामग्री खाने के साथ या फिर स्मॉल बॉडी वेसेल्स के जरिए सीधे शरीर में पहुंच जाते हैं।

डीएनए को नुकसान

आजकल कई परीक्षाओं में भी विद्यार्थी अपने प्रश्नपत्रा या कॉपी नंबर को स्क्रैच करते हैं। इसके अलावा, आजकल कई कंपनियां अपने उत्पाद के साथ फ्री गिफ्ट वाले स्क्रैच कार्ड भी देती हैं। इन सभी लोगों के कैंसर का शिकार होने का खतरा काफी ज्यादा होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, स्क्रैच कोटिंग में पाए जाने वाले रसायन शरीर में जाने के बाद डीएनए को क्षतिग्रस्त कर देता है। थोड़े समय बाद शरीर में कैंसर एजेंट कार्सिनोजेन विकसित हो जाता है। इस वजह से ब्लैडर कैंसर, लिवर कैंसर या ब्लड कैंसर होने की आशंका रहती है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस कैंसर का पता बहुत बाद में पता लगता है।

ग्लैडर कैंसर

डॉक्टर मानते हैं कि भारी धातुओं की वजह से ग्लैडर कैंसर के मरीज बहुत देखने में आते हैं। इस तरह का कैंसर बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इसका पता काफी देर से चलता है। इसके डायग्नोसिस के लिए बायोप्सी का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा खून की जांच, पेशाब की जांच, इंडोस्कोपी, एक्सरे और अल्ट्रासाउंड की मदद से भी इसका टेस्ट किया जाता है।

ऐसे बचें

कैंसर के खतरों से बचने के लिए बेहतर है कि कार्ड स्क्रैच करने के लिए हाथों जगह कोई दूसरी ठोस वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाए। अगर हाथों से स्क्रैच कर रहे हैं तो तुरंत अपने हाथ साफ करें। बेहतर होगा कि मोबाइल में रिचार्ज कराने के लिए ई रिचार्ज या फिर इंटरनेट रिचार्जिंग की सुविधाएं अपनाएं।

फोन तोड़ने में हम सबसे आगे...

मोबाइल फोन उपयोग के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश है, लेकिन फोन तोड़ने के मामले में भारत ने सबको पीछे छोड़ दिया है। भारत में कुल मोबाइल फोन ग्राहकों में लगभग दो तिहाई लोग अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इसमें भी रोचक तथ्य यह है कि भारत में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा मोबाइल फोन ज्यादा गिराती हैं। एक सर्वे के मुताबिक गिरकर खराब हुए मोबाइल फोन में 58 फीसदी मामले महिलाओं द्वारा फोन गिराने के रहे हैं।

आठ माह में ही टूटे फोन

एक ताजा सर्वे के मुताबिक 50 प्रतिशत से अधिक लोगों के स्मार्टफोन की स्क्रीन अमूमन स्मार्टफोन खरीदने के आठ महीने के अंदर टूट जाते हैं। यात्रा करते समय, भीड़ से भरी ट्रेन या बस में चढ़ते या उतरते समय, कई काम एकसाथ करते समय, सेल्फी लेते समय अक्सर मोबाइल गिरकर टूट जाते हैं या खराब हो जाते हैं। गेजेट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सुरक्षा कंपनी 'आनसाइटगो' ने बीते एक साल के दौरान मरम्मत के लिए आए 4,000 से अधिक स्मार्टफोन के खराब होने के पीछे के कारणों का विश्लेषण किया। सर्वे के अनुसार, सेल्फी लेते समय फोन गिरने की घटना सर्वाधिक होती है और इसमें शायद ही किसी को यह मानने में परेशानी हो कि महिलाएं सेल्फी की दीवानी अधिक होती हैं।

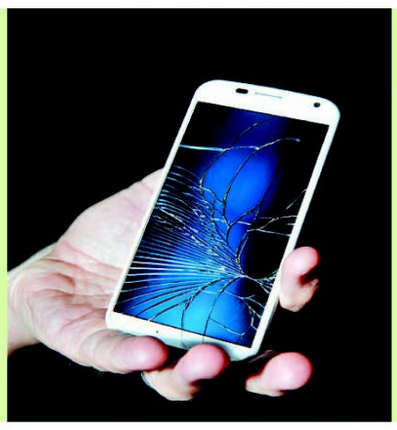

जागरूकता की कोशिश

वास्तव में यह सर्वे मोबाइल फोन के प्रयोग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए तथा मोबाइल को टूटने से बचाने के लिए किया गया। अगर लोगों को समझाया जाए कि मोबाइल फोन कौन सी स्थिति में टूट सकता है तो वे उन परिस्थितियों में अधिक सतर्कता बरत सकते हैं। सर्वे में पाया गया कि मरम्मत के लिए आए सर्वाधिक स्मार्टफोन में स्क्रीन टूटने की समस्या रही। मोबाइल फोन की स्क्रीन गिरने से टूटती है। गोरिल्ला ग्लास जैसे अत्याधुनिक तकनीक और टेम्पर्ड ग्लास के उपयोग से स्क्रीन खराब होने का खतरा कम होता है फिर भी इससे पूर्ण सुरक्षा नहीं मिलती।

टूटे फोन का इस्तेमाल

सर्वे से मिले कुछ रोचक तथ्यों पर गौर करें तो 36 प्रतिशत भारतीय फोन की स्क्रीन के टूटने के बाद भी या उंगली कटने के बावजूद उसका प्रयोग करते रहते हैं। 37 प्रतिशत भारतीयों के मुताबिक मरम्मत का खर्च सर्वाधिक है। 50 प्रतिशत भारतीय तो अपनी ही गलती से मोबाइल खराब करते हैं। विश्वभर में 50 फीसदी से भी ज्यादा लोग अब तक कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। भारत में 65 फीसदी से भी ज्यादा मोबाइल फोन उपभोक्ता कम से कम एक बार अपने फोन की स्क्रीन तोड़ चुके हैं। इस मामले में सबसे अच्छा रिकॉर्ड यूएस का है। यहां औसतन 34 फीसदी लोग अब तक कम से कम एक बार स्क्रीन तोड़ चुके हैं। 42 फीसदी लोग ऐसे हैं जो मोबाइल की स्क्रीन टूटने के बाद उसका रिपेयर कराते हैं। परंतु 23 फीसदी ऐसे लोग हैं जो टूटी स्क्रीन के साथ ही फोन का उपयोग करते हैं।

सेल्फी से संबंध

खास बात यह कही जा सकती है कि विश्वभर में सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ने का औसत 7 फीसदी है। जबकि इस मामले में भारत वैश्विक औसत से लगभग ढाई गुना आगे है। भारत में 17 फीसदी मोबाइल उपभोक्त ऐसे हैं जिन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सेल्फी अपलोड करने के क्रम में फोन तोड़ डाला। इससे पता चलता है कि भारत में सेल्फी का शौक किस कदर भारी पड़ा है। इस मामले में ब्राजील सबसे पीछे है वहां मात्र 3 फीसदी लोगों ने ही सेल्फी लेने के क्रम में फोन तोड़ा है। विश्वभर में 7 फीसदी ऐसे लोग हैं जिनका फोन सेल्फी लेने के दौरान गिरकर टूट गया है। वहीं 5 फीसदी ऐसे हैं जिनका फोन उस वक्त गिर कर टूटा जब वे किसी को दे रहे थे या किसी से फोन ले रहे थे। 32 फीसदी केस में लोगों के फोन पॉकेट से गिर कर टूट जाते हैं जबकि 27 फीसदी लोगों के फोन लेकर उठने-बैठने के दौरन गिर कर टूट जाते हैं।

शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**